हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal samvad news

रांची, रविवार, 20 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 61 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस के 3 सवालः जयराम बोले- हमें... | जब हाईकोर्ट का जज सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगे | डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत अमेरिका को बनाएंगे क्रिप्टो की...

संक्षिप्त खबरें

अब 9 कैरेट के सोने पर भी अनिवार्य होगी हॉलमार्किंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने की शुद्धता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब 9 कैरेट (9के) यानी 375 पार्ट्स पर थाउजेंड (पीपीटी) शुद्धता वाले सोने की ज्वेलरी पर भी हॉलमार्किंग अनिवार्य कर दी गई है। पहले यह नियम केवल 14के, 18के, 20के, 22के, 23के और 24के सोने पर लागू था। बीआईएस के इस फैसले के बाद अब ज्वैलर्स 9 कैरेट सोने की ज्वेलरी बिना हॉलमार्क के नहीं बेच सकेंगे। यह नियम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने और उन्हें असली सोने की पहचान करने में मदद करेगा। हॉलमार्क एक आधिकारिक प्रमाण होता है जो बताता है कि ज्वेलरी में कितनी मात्रा में शुद्ध सोना है। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल के अनुसार, सभी हॉलमार्किंग सेंटरों और ज्वैलर्स को इस नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे सस्ते गहनों में भी ग्राहक को सही जानकारी मिल सकेगी। वहीं बीआईएस ने कुछ उत्पादों को छूट भी दी है। सोने की घड़ियों और पेन को अब हॉलमार्किंग से बाहर कर दिया गया है। इन्हें अब कलाकृति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसके अलावा, सोने के सिक्कों के लिए भी नया मानक तय किया गया है। अब केवल 24केएफ या 24केएस शीट से बने सिक्के ही शुद्ध माने जाएंगे। ये केवल अधिकृत रिफाइनरी या सरकारी टकसाल द्वारा बनाए जा सकते हैं और इनकी कोई कानूनी मुद्रा वैल्यू नहीं होगी।

दो दिवसीय यात्रा पर पीएम मोदी जाएंगे ब्रिटेन, दोनों व्यापार समझौता करेंगे बात

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी के इस माह ब्रिटेन जा सकते हैं। उनके 23-24 जुलाई को यूके जाने की संभावना है। पीएम मोदी की इस यात्रा में भारत और यूके के बीच व्यापार समझौता हो सकता है। दोनों देश सुरक्षा संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात कर सकते हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब टैरिफ को लेकर अमेरिका और खासकर ट्रंप लगातार धमकाने में लगे हैं, तो पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा की अहमियत और बढ़ जाती है। मई में भारत और यूके आपस में एक व्यापार समझौते पर सहमत हुए थे। इससे भारत के 99 फीसदी निर्यात पर लगने वाले टैक्स कम हो जाएंगे। वहीं यूके की कंपनियां आसानी से व्हिसकी, कारें और अन्य सामान भारत में बेच सकेंगी। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस समझौते को लागू होने में करीब एक साल लग सकता है। पीएम मोदी ने इन समझौतों को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया था। पीएम मोदी का यह ब्रिटेन दौरा उस समय होने वाला है, जब ट्रंप और नाटो चीफ मार्क रुटे ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत को धमकाने और 100 फीसदी द्वितीय प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नाटो प्रमुख से कहा है कि भारत को अपनी प्राथमिकता पता है और वह पहले अपनी जरुरतों पर ही ध्यान देगा।

देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

देवघरः 31 जुलाई को देवघर एम्स में आयोजित होने वाले पहले दीक्षांत समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी. राष्ट्रपति के आगमन की सूचना मिलते ही देवघर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. इस भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन के बीच समन्वय स्थापित कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं.

देवघर एम्स का यह पहला दीक्षांत समारोह है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं. कार्यक्रम का आयोजन एम्स के ऑडिटोरियम में होगा, जहां लगभग एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है. एम्स प्रबंधन ने सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं, और तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं. दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 48 छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगी. इनमें से चार मेधावी छात्रों को विशेष सम्मान मिलेगा, जिसमें एक छात्र को गोल्ड मेडल, एक को सिल्वर मेडल, एक को ब्रॉन्ज मेडल और एक अन्य छात्र को डिग्री दी जाएगी. शेष छात्रों को एम्स प्रबंधन और विशिष्ट अतिथियों द्वारा डिग्री वितरित की जाएगी.

अरगोड़ा से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड कॉरिडोर और फोरलेन का रास्ता साफ, डीपीआर बनाकर जल्द कार्य शुरू करने का निर्देश

रांची को ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत, सीएम हेमंत सोरेन ने दी तीन फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

रांची के अलावा अन्य प्रमुख शहरों में भी ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए

रांची : झारखंड के पथ निर्माण विभाग की तीन परियोजनाओं को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंजूरी दी है. इससे रांची की ट्रैफिक व्यवस्था पहले से और स्मूथ हो जाएगी. जिन तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी है, उनमें अरगोड़ा चौक वाया कटहल मोड़ चापू टोली एलिवेटेड फ्लाईओवर, करमटोली मोरहाबादी से साइंस सिटी तक फ्लाईओवर और सांइस सिटी से रिंगरोड फोर लेन एवं रांची रेलवे स्टेशन के पीछे से एयरपोर्ट तक एलिवेटेड कॉरिडोर एवं फोरलेन को सीएम ने मंजूरी दे दी है.

डीपीआर बनाकर प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतारें: मुख्यमंत्री

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पथ निर्माण विभाग की तीन परियोजनाओं का प्रस्तुतिकरण (प्रेजेंटेशन) देखने के बाद स्वीकृति दी है. उन्होंने डीपीआर (डिटेल्स प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाकर परियोजनाओं को जल्द धरातल पर उतारने का निर्देश दिया है.

ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजधानी रांची की तरह अन्य प्रमुख शहरों में भी ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने के उपाय करें, ताकि लोगों को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सके.

कांटाटोली और सिरमटोली फ्लाईओवर का मिल चुका है तोहफा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची को दो फ्लाईओवरों को तोहफा दे दिया है. इनमें कांटाटोली फ्लाईओवर और सिरमटोली फ्लाईओवर शामिल है. अब सीएम ने तीन और प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी है. फ्लाईओवर, एलिवेटेड कॉरिडोर और फोरलेन से रांची की तस्वीर तो बदलेगी ही, इसके साथ ही ट्रैफिक जाम से लोगों को काफी हद तक राहत मिल जाएगी.

झारखंड में मेट्रो रेल परियोजना को लेकर हेमंत सरकार का बड़ा कदम, तीन शहरों के लिए केंद्र को भेजा प्रस्ताव

रांची: पड़ोसी राज्य बिहार की राजधानी पटना में मेट्रो रेल परियोजना का पहला चरण अपने अंतिम दौर में है. इस बीच, झारखंड में भी मेट्रो रेल शुरू करने की जनभावना तेज हो रही है. इसे ध्यान में रखते हुए हेमन्त सोरेन सरकार ने राज्य के तीन प्रमुख शहरों रांची, जमशेदपुर और धनबाद में मेट्रो रेल परियोजना शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है. यह प्रस्ताव केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री मनोहर लाल खट्टर और विभागीय सचिव को भेजा गया है.

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद में रखा गया प्रस्तावः 10 जुलाई को रांची में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष मेट्रो रेल परियोजना का प्रस्ताव रखा. इस प्रस्ताव को अब नगर विकास विभाग ने औपचारिक रूप से केंद्र सरकार को सौंप दिया है. राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि मेट्रो रेल परियोजना से न केवल शहरीकरण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य में चतुर्मुखी

विकास की गति भी तेज होगी.

पूर्ववर्ती सरकारों पर साधा निशानाः वित्त मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इस तरह की विकास परियोजनाओं के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे ही नहीं जाते थे. उन्होंने बताया, "देश के दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों की सरकारें बुनियादी ढांचे और विकास से जुड़े प्रस्ताव केंद्र को भेजती थीं, लेकिन झारखंड में ऐसा नहीं होता था." हेमन्त सोरेन सरकार ने इस दिशा में सक्रियता दिखाते हुए न केवल योजनाओं पर मंथन किया, बल्कि उन्हें केंद्र के समक्ष प्रस्तुत भी किया. राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यदि केंद्र सरकार मेट्रो रेल परियोजना को स्वीकृति नहीं देती, तो यह संविधान के संघीय ढांचे के खिलाफ होगा. उन्होंने जोर देकर कहा कि झारखंड सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है और केंद्र से सहयोग की अपेक्षा रखती है.

प्रस्ताव में क्या है खास?ः झारखंड सरकार के नगर विकास विभाग ने केंद्र को भेजे प्रस्ताव में रांची, जमशेदपुर और धनबाद में मेट्रो रेल परियोजना के क्रियान्वयन, फिजिबिलिटी स्टडी और सर्वे की मांग की गई है. प्रस्ताव में केंद्र से आग्रह किया गया है कि इन तीनों शहरों में मेट्रो परियोजना को जल्द स्वीकृति दी जाए, ताकि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा सके. मेट्रो रेल परियोजना को रांची, जमशेदपुर और धनबाद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है. यह न केवल यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि शहरी विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति में भी योगदान देगी. हेमन्त सरकार का यह कदम झारखंड को आधुनिक बुनियादी ढांचे की दिशा में एक कदम आगे ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण है.

बीजेपी सह हिंदू नेता भैरव सिंह गिरफ्तार, चुटिया थाना मामले में रांची पुलिस की कार्रवाई

रांचीः बीजेपी सह हिंदू नेता भैरव सिंह को रांची पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया गया है. चुटिया थाना में पूर्व में दर्ज एक मामले में उनकी गिरफ्तारी की गई है. जानकारी के अनुसार, भैरव सिंह शनिवार को लड़की से जुड़े एक मामले को लेकर पंडरा ओपी का घेराव करने पहुंचे थे. तभी चुटिया थाना की पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की. इसके बाद गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार करने के बाद भैरव सिंह को मेडिकल जांच के लिए सदर हॉस्पिटल ले जाया गया है. इसके बाद उसे जेल भेज दिया जायेगा.

विस चुनाव के समय किया गया था जिलाबदर

गौरतलब है कि भैरव सिंह का नाम पहले भी विवादों में रहा है. रांची जिला प्रशासन ने नवंबर 2024 में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए उन्हें 20 दिनों के लिए रांची से जिलाबदर (शहर से निष्कासित) कर दिया था. रांची पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर रांची डीसी ने यह कार्रवाई की थी.

रांची पुलिस की रिपोर्ट में भैरव सिंह को बताया गया असामाजिक तत्व

उपायुक्त कार्यालय द्वारा जारी आदेश में बताया गया था कि रांची एसएसपी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली रांची ने प्रतिवेदन दिया है कि भैरव सिंह एक पेशेवर असामाजिक तत्व है. उनकी मुख्य गतिविधि लोगों को गुमराह कर क्षेत्र में अशांति फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना है.

रिपोर्ट में इसे समाज के लिए खतरनाक बताया गया था. साथ ही कहा गया था कि इन गतिविधियों से समाज में अस्थिरता पैदा होती है और कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. आदेश में यह भी उल्लेख किया गया था कि भैरव सिंह ने वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री के काफिले को रोकने का भी प्रयास किया था.

बोकारो वन भूमि घोटालाः अग्रिम जमानत पर सुनवाई, सीआईडी को केस डायरी पेश करने का निर्देश

रांचीः बोकारो जिला के तेतुलिया मौजा स्थित करीब 100 एकड़ से अधिक वन भूमि की अवैध खरीद-बिक्री के आरोपी राजवीर कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर वीर अग्रवाल और विमल अग्रवाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सीआईडी की विशेष अदालत में शनिवार को सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सीआईडी को केस डायरी जमा करने का निर्देश दिया था. लेकिन सीआईडी की ओर से केस डायरी पेश करने के लिए समय मांगा गया. जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 23 जुलाई की तारीख निर्धारित की है. पुनीत अग्रवाल को सीआईडी ने सोमवार को गिरफ्तार किया था. उनपर आरोप है कि राजवीर कंस्ट्रक्शन कंपनी के माध्यम से तेतुलिया मौज़ा के उस वनभूमि के लिए उमायुष कंपनी को तीन करोड़ चालीस लाख रुपए उक्त ज़मीन के एवज में भुगतान किया था. पुनीत की गिरफ्तारी तेतुलिया मौजा में बेशकीमती करीब एक सौ एकड़ जमीन का फर्जीवाड़ा कर दस्तावेज बनाकर हड़पने और बेचने के मामले में हुई है. बोकारो के तेतुलिया में 100 एकड़ से ज्यादा वन भूमि को फर्जी दस्तावेज बनाकर बेच दिया गया. आरोप है कि इसमें भू-माफिया, अंचल कर्मी और बोकारो स्टील प्लांट के अफसरों की मिली भगत है. यह वो जमीन है, जिसे बोकारो स्टील प्लांट के द्वारा वन विभाग को वापस लौटाया गया था.

झरिया में भू-धंसान से जमींदोज हुआ वाहन, 8 साल पहले समा गए थे बाप-बेटे

धनबादः जिले के झरिया अग्नि प्रभावित क्षेत्र में एक बार फिर भू-धंसान की घटना सामने आई है. ताजा मामला झरिया के फुलरीबाग इलाके की है. यहां भू-धंसान से गोफ बन गया और एक खड़ी 407 वाहन उसमें समा गई. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों में भी दहशत का माहौल है.

घटना के बाद पूरे इलाके की हुई घेराबंदी

झरिया थाना प्रभारी शशिरंजन कुमार ने बताया कि इस घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गयी है. उन्होंने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. मोटर गैराज के पास खड़ा एक खराब मिनी ट्रक जमीन धंसने से बने गड्ढे में जा गिरा. इस इलाके में जमीन धंसने की यह दूसरी घटना है.

डीजीएमएस ने घोषित कर रखा है खतरनाक क्षेत्र

खदान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) ने जमीन के नीचे आग लगने के कारण इस क्षेत्र को पहले ही खतरनाक क्षेत्र घोषित कर रखा है. भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने भी निवासियों को जगह खाली करने का नोटिस जारी कर रखा है. 'बीसीसीएल साउथ तिसरा कोलियरी' के परियोजना अधिकारी संजीव कश्यप ने कहा कि इस क्षेत्र को पहले ही खतरनाक घोषित कर दिया गया है और निवासियों को सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया है, लेकिन वे वहां से जाने को तैयार नहीं हैं.

आठ साल पहले हुई थी दर्दनाक घटना

मिली जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर यह घटना घटी है, साल 2017 में भी एक दर्दनाक हादसा हुआ था. इस हादसे में बाप-बेटा जमींदोज हो गया था और दोनों की मौत

हो गई थी. इसके बावजूद न तो बीसीसीएल और न ही जिला प्रशासन ने स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को शांत कराया. वहीं, लोगों को गोफ स्थल की तरफ जाने से मना किया गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि वे हमेशा खतरे के साये में जीने को मजबूर हैं. क्षेत्र में भूमिगत आग और गैस रिसाव जैसी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं, जिससे भू-धंसान जैसी घटनाएं आए दिन हो रही हैं. लोगों का कहना है कि बीसीसीएल, आउटसोर्सिंग कंपनी और जिला प्रशासन की लापरवाही के कारण उनकी जान खतरे में है. वे पुनर्वास नीति के तहत समुचित व्यवस्था और सुरक्षित स्थानों पर विस्थापन की मांग कर रहे हैं.

बता दें कि राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने केंद्र सरकार की नई झरिया मास्टर प्लान को लेकर जिला प्रशासन, बीसीसीएल के साथ समीक्षा बैठक कर अग्नि प्रभावित क्षेत्र को लोगों को सुरक्षित स्थान में बसाने को लेकर चर्चा की थी. झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा भी किया था. दौरे के कुछ ही घंटों के भीतर यह बड़ी घटना सामने घटी है. हालांकि, इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन यह आने वाले बड़े खतरे का संकेत जरूर दे रही है.

लेडी सिंघम ने की धान की रोपाई, आईपीएस रीष्मा रमेशन ने महिलाओं के साथ गाया पारंपरिक गीत

पलामूः झारखंड की लेडी सिंघम पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने शनिवार को धान की रोपाई की है. एसपी आवास परिसर में छोटा खेत मौजूद है, जिसमें एसपी रीष्मा रमेशन ने धान की रोपाई की है. धान की रोपनी के दौरान एसपी ने अन्य महिलाओं के साथ पारंपरिक गीत भी गाया. दरअसल पलामू एसपी आवास परिसर में मौजूद छोटे से खेत मे कई पारंपरिक खेती होती है. आवासीय परिसर में धान और गेंहू की पैदावार भी होती है. ऐसा पहली बार है कि किसी एसपी खुद धान की रोपनी की हो. इस दौरान पारंपरिक गीत भी गाया.

आईपीएस रीष्मा रमेशन 2023 में पलामू एसपी के पद पर तैनात हुई थी. रीष्मा रमेशन केरल की रहने वाली हैं. रीष्मा रमेशन तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी मानी जाती है.

उनके नेतृत्व में पहली बार पलामू में नक्सल हिंसा मुक्त विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव हुआ है. शांतिपूर्वक लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव करवाने के लिए पलामू एसपी रीष्मा रमेशन को चुनाव आयोग सम्मानित भी कर चुका है.

एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि आवासीय परिसर में धान की रोपनी में उन्होंने सहयोग किया है. दअरसल पलामू के इलाके में बारिश थमने के बाद धान की रोपाई शुरू हुई है. पिछले एक महीने से जारी बारिश के कारण कई इलाकों में धान की रोपनी शुरू नहीं हुई थी. धान का बिचड़ा तैयार होने के बाद सभी इलाकों में धानरोपनी की शुरुआत हुई है. पलामू में 2025 में 52000 हेक्टर में धान रोपनी का लक्ष्य रखा गया है.

झारखंड में अत्यधिक बारिश का खेती पर बुरा असर

रांचीः झारखंड में इस वर्ष अभी तक जोरदार मानसूनी बारिश हुई है. 1 जून से 18 जुलाई तक राज्य में सामान्यतः होने वाली 371.2 MM बारिश की जगह 615.7 MM बारिश हो चुकी है. राज्य के ज्यादातर जिलों में हुई सामान्य से अधिक बारिश का अब खराब असर खेतीबारी पर पड़ रहा है.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी अत्यधिक बारिश के चलते खराब हो रहे तिलहन, दलहन, मोटे अनाज की खेती को दुर्भाग्यपूर्ण बतातीं हैं. कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य में अति वृष्टि की वजह से कहां-कहां कितनी फसलों को नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश सभी डीसी को जारी किया जा रहा है. कृषि मंत्री ने माना कि धान और मक्का की फसल पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है, लेकिन दालें, तिलहन और मोटे अनाज की फसल के साथ-साथ सब्जियों की खेती प्रभावित हुई है. कृषि मंत्री ऐसी स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहती हैं कि जरूरत पड़ी तो रांची में भी उच्चस्तरीय बैठक बुलाएंगे. कृषि निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में इस वर्ष 28 लाख 26 हजार 252 हेक्टेयर में खरीफ की फसल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 4 लाख 81 हजार 523 हेक्टेयर में ही आच्छादन हुआ है जो कुल लक्षित रकबे का 17.04% है.

साक्षी और जीवा के साथ धौनी ने की सोलहभुजी मां दिउड़ी की पूजा, उमड़े प्रशंसक

तमाड़ (रांची) : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी शुक्रवार को सोलहभुजी मां दिउड़ी के दरबार में पहुंचे. उन्होंने सपरिवार (पत्नी साक्षी धौनी एवं बेटी जीवा) विधिवत पूजा-अर्चना की. धौनी की एक झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी. भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे. मां की आराधना करने के बाद धौनी कुछ समय तक मंदिर परिसर में रुके. माता का आशीर्वाद लिया और फिर रांची के लिए रवाना हो गए. बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) किस्टो कुमार बेसरा और डीएसपी ओम प्रकाश धौनी के पूरे कार्यक्रम के दौरान खुद मौके पर मौजूद रहे. दोनों अधिकारियों ने पूरी सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली थी. कड़ी सुरक्षा में महेंद्र सिंह धौनी ने सपरिवार सोलहभुजी मां की पूजा की. इस बीच सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मंदिर के पास पहुंच गए. सभी धौनी की एक झलक पाने को बेताब थे.

'धौनी...धौनी' के गूंज उठे नारे

धौनी के मंदिर में प्रवेश करते ही परिसर 'धौनी... धौनी' के नारों से गूंज उठा. प्रशंसकों में उन्हें देखने

और उनके साथ सेल्फी लेने की होड़ मच गई, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था इतनी मजबूत थी कि किसी भी तरह की अफरा-तफरी या धक्का-मुक्की की नौबत नहीं आई. एसडीएम बेसरा ने मौके की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षाबलों को रणनीतिक ढंग से तैनात किया था. वहीं डीएसपी ओमप्रकाश के नेतृत्व में महिला और पुरुष जवानों की टीम ने भीड़ को नियंत्रित किया.

संक्षिप्त खबरें...

झारखण्ड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के बरकट्ठा पहुंचने पर लोगों ने किया गर्मजोशी से स्वागत

बरकट्ठा(हज़ारीबाग): झारखण्ड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव के बरकट्ठा पहुंचने पर लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष कुदुस अंसारी के नेतृत्व में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया।जानकारी हो कि जानकी प्रसाद यादव अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार बरकट्ठा पहुंचे थे। स्वागत करने वालों में पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, राजकुमार नायक, झामुमो मीडिया प्रभारी चन्द्रदीप पांडेय, पंसस युसूफ अंसारी, दर्शन सोनी, प्रमोद पासवान, शंभू यादव, विजय यादव, दर्शन राणा, अर्जुन राणा, वार्ड सदस्य अनवर हुसैन, सत्तार खान, मोनू मंडल, इंद्रदेव राणा, सुरेश राम, मिनहाज अहमद, सुजीत मेहता, भुवनेश्वर रविदास, रहमत अंसारी, नईम अंसारी, अशरफ अंसारी, रामदेव नायक, कार्तिक महतो, मनोहर महतो, कुंजलाल महतो, कौशल महतो समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोल इंडिया द्वारा किये गए भूमि के मुआवजा नीति में बदलाव का कांग्रेस नेता बसंत नारायण सिंह ने किया स्वागत

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव के वरिष्ठ कांग्रेस नेता बसंत नारायण सिंह ने कोल इंडिया द्वारा भूमि के मुआवजा नीति में किए गए बड़े बदलाव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब बड़कागांव में भी एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित किए गए भूमि के बदले यहां के विस्थापित एवं प्रभावित भू- रैयतों को कोल इंडिया की तरह ही नौकरी या नौकरी के बदले जिस तरह कोल इंडिया कम से कम 89 लाख से लेकर अधिकतम 1 करोड़ 20 लाख रुपए तक देने का जो प्रस्ताव पारित की है, इसी तरह यहां भी भू रैयतों को मुआवजा देने के प्रावधान को लागू करना होगा। अन्यथा बड़कागांव के भू-रैयत बड़े आंदोलन करने के लिए बाध्य हो सकते है।

मासिक स्वास्थ्य दिवस एवं तनाव मुक्त शिविर का आयोजन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। तलसवार पंचायत अंतर्गत पलांडू स्वास्थ्य उपकेंद्र में जिला स्वास्थ्य समिति, हजारीबाग के निर्देशानुसार मासिक स्वास्थ्य बुजुर्ग दिवस एवं तनाव मुक्ति शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें पंचायत के असमर्थ एवं बुजुर्ग जरूरत मंद लोगों के बीच बैलेंस स्टीक का वितरण किया गया वहीं तनाव से मुक्ति हेतु बुजुर्गों का जांच कर दवा भी दिया गया। स्वास्थ्य कर्मी व सी एच ओ मुकेश गोस्वामी ने कहा कि यह दिवस प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को हर स्वास्थ्य उपकेंद्र में मनाया जाता है इस लिए समय-समय पर सभी जरूरत मंद लोगों को विभाग के द्वारा आवश्यक सामग्री दिया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मी एवं सी एच ओ मुकेश गोस्वामी, स्वास्थ्य सहिया उषा देवी, गीता देवी, मंजू देवी, अनिता देवी , गेनसी देवी, गहनी देवी, फूलकुमारी देवी, मंगर महतो, प्रभु महतो, कोल्हा महतो, रीझन महतो, चैता महतो, गुरुदयाल करमाली, खेदु महतो एवं ललित महतो उपस्थित थे।

कट ऑफ डेट की मांग को लेकर वार्ता सफल नहीं होना दुखद - जीप सदस्य यासमीन

बडकागाव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव युवा विस्थापित संघर्ष मोर्चा के द्वारा कट अप डेट को लेकर एनटीपीसी के खिलाफ चल रहे धरना का समर्थन मैं शुरू से कर रही हूं और कई जनप्रतिनिधियो ने भी किए हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों की मांग बिल्कुल जायज है।लगातार 40 दिनों से धरना प्रदर्शन चल रहा है। जिसमें एनटीपीसी के पदाधिकारी उसी रास्ते से आते जाते हैं। लेकिन अभी तक उन लोगों ने इसका कोई समाधान नहीं निकला है जो काफी दुखद है । मेरा जिला प्रशासन और एनटीपीसी के पदाधिकारी से अपील है कि कोई लीपापोती करने का काम नहीं करें। बल्कि उनकी मांगों को पूरा करें।

उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य एवं ओल्ड एज होम का किया निरीक्षण

हज़ारीबाग। हजारीबाग उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को मिशन वात्सल्य (सृजन फाउंडेशन) तथा ओल्ड एज होम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।मिशन वात्सल्य में उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, बच्चों की देखरेख, स्टाफ ड्यूटी, साफ-सफाई,सीसीटीवी और गेट की स्थिति की जांच की। बच्चों का प्रोपर वैक्सीनेशन हो,उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसके लिए उपायुक्त ने डीसीपीओ को साप्ताहिक निरीक्षण करने का आदेश दिया।ओल्ड एज होम में उपायुक्त ने बुजुर्गों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। चिकित्सीय जांच, स्वच्छता, कंबल,दवाइयां और बैठने की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

गुमलाः गुमला सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है. पुलिस ने घटना में शामिल तीन आरोपियों अनूप उरांव, पंकज उरांव व बलराम महतो को गिरफ्तार कर लिया है. गुमला एसडीपीओ ने बताया कि लड़की को सुनसान जगह पर अकेली पाकर तीनों युवकों ने उसे पकड़ लिया और झाड़ी में लेजाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. उनलोगों ने पीड़िता को घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया. पीड़िता ने घर पहुंचकर मामले की जानकारी परिजनों को दी. इसके बाद परिजन उसे लेकर थाना पहुंचे और लिखित शिकायत की. पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को दबोच लिया. पुलिस की पूछताछ में तीनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया. तीनों को जेल भेज दिया गया.

बेलगड़िया के समग्र विकास पर सरकार का फोकस- मुख्य सचिव

धनबादः झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने शनिवार को धनबाद की बेलगड़िया टाउनशिप का भ्रमण कर विकास कार्यों की समीक्षा की. उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न परिसरों व प्रस्तावित विकास स्थलों का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से बात कर उनकी समस्याएं सुनीं. उन्होंने स्पष्ट किया कि बेलगड़िया के लोगों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है.

मुख्य सचिव ने बेलगड़िया फेज-5 में आंगनबाड़ी के लिए चिह्नित भूमि, नया प्राथमिक विद्यालय, स्वास्थ्य उपकेंद्र, आरएसपी कॉलेज, प्रस्तावित मेगा स्किल डेवलपमेंट सेंटर, तालाब व पार्क निर्माण स्थल सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया. इ उन्होंने पौधारोपण भी किया और छात्राओं से बात की. उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही ई-रिक्शा सेवा शुरू करेगी और बसों के फेरे बढ़ाएगी, ताकि बेलगड़िया से धनबाद का आवागमन अधिक सरल हो सके. इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने की भी योजना तैयार की गई है.

शॉर्ट व लॉन्ग टर्म योजनाएं तैयार

उन्होंने कहा कि टाउनशिप के निवासियों के बेहतर जीवन स्तर के लिए सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलापूर्ति, सड़क, बिजली, सोलर स्ट्रीट लाइट, सफाई, भवनों की मरम्मत समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म व लॉन्ग टर्म योजनाएं तैयार की गई हैं. तय समय सीमा में कार्य संपन्न कराने के लिए विभागों को निर्देश भी दिए गए हैं. रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के सुरक्षित पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है. संशोधित योजना में जनता की आवश्यकताओं के अनुसार नए बिंदु जोड़े गए हैं.

लोगों ने मुख्य सचिव को बताईं समस्याएं

बेलगड़िया भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों ने जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र व स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याएं मुख्य सचिव के समक्ष रखीं. मुख्य सचिव ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया. इस अवसर पर खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा, उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त पवन कुमार, धनबाद डीसी आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, बीसीसीएल के निदेशक, एसडीओ राजेश कुमार, जेआरडीए सलाहकार डीएन माहापात्रा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एंड एम्प्लाइज फेडरेशन (झारोटेफ) ने 11 सूत्री मांगों को लेकर नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह को सौंपा ज्ञापन

हज़ारीबागः झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एंड एम्प्लाइज फेडरेशन (झारोटेफ) की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, हजारीबाग में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी एवं नगर निगम प्रभारी मुन्ना सिंह ने की। बैठक में झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एंड एम्प्लाइज फेडरेशन के कर्मचारी और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर झारोटेफ ने राज्य सरकार से संबंधित लंबित समस्याओं को लेकर एक 11 सूत्री मांग-पत्र तैयार किया, जिसे मुन्ना सिंह को सौंपा गया।ज्ञापन में कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में शामिल था कि अन्य राज्य कर्मचारियों की भांति झारखंड के शिक्षक संवर्ग को भी MACP का लाभ दिया जाए। राज्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु को बढ़ाकर 62 वर्ष किया जाए और केंद्रीय कर्मचारियों की तर्ज पर राज्य के कर्मचारियों को चिकित्सा भत्ते का लाभ प्रदान किया जाए। इसके साथ ही पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया गया। फेडरेशन ने यह भी मांग की कि सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में राज्य सेवा के अनुभवी कर्मचारियों को शामिल होने की अनुमति दी जाए, ताकि उन्हें पदोन्नति का अवसर मिल सके। इन सभी मांगों को लेकर झारोटेफ ने ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से अविलंब सकारात्मक कार्रवाई की अपील की है। जबकि मुन्ना सिंह ने ज्ञापन ग्रहण करते हुए कहा कि कर्मचारी वर्ग की समस्याएं केवल व्यक्तिगत हितों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राज्य की सेवा प्रणाली और कार्यक्षमता पर भी सीधा प्रभाव डालती हैं। उन्होंने इन मांगों को पूरी तरह तार्किक और न्यायोचित बताते हुए कहा कि वे इन मुद्दों को विभागीय मंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समक्ष रखूंगा। वहीं झारोटेफ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रमजीत कुजुर और महासचिव उपेंद्र कुमार तिवारी , जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव, महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान , मिथिलेश दुबे, पूर्व अध्यक्ष आबिद अंसारी, लाल बिहारी सिंह, रवि शर्मा, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, महिला कांग्रेस अध्यक्ष बेबी देवी, कृष्णा किशोर प्रसाद, धीरेन्द्र दुबे, गुड्डु सिंह, दिलीप कुमार रवि, परवेज अहमद मनिषा टोप्पो, नरसिंह प्रजापति, बाबर अंसारी, विजय कुमार सिंह, सदरूल होदा, उषा रानी, अनिल कुमार भुईंया, मुगेश्वर प्रसाद चौधरी आदि उपस्थित थे ।

पकरी बरबाडीह नॉर्थ वेस्ट कोल ब्लॉक का हुआ उद्घाटन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट कोयला खनन परियोजना का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) नवीन जैन ने परियोजना का उद्घाटन किया। उनके साथ पकरी बरवाडीह एवं (नॉर्थ वेस्ट)परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश भी उपस्थित रहे।उद्घाटन समारोह की शुरुआत पारंपरिक पूजा अर्चना से हुई।जिसके उपरांत नारियल फोड़ा गया और पहले ओवरबर्डन ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने एनटीपीसी की अन्य कोयला खनन परियोजनाओं चट्टी बरियातू, केरेडारी एवं बादम कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण। बकरी बरवाडी नॉर्थ वेस्ट परियोजना में 138.96 मिलियन टन की खनन योग्य कोयला भंडार है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन निर्धारित की गई है।यह परियोजना 52 वर्षों की संचालन अवधि के साथ NTPC की दीर्घकालिक ईंधन सुरक्षा एवं ऊर्जा स्थिरता के लक्ष्यों को मजबूती प्रदान करेगी। एनटीपीसी माइनिंग सतत खनन प्रथाओं, सामुदायिक सहभागिता एवं सुरक्षा उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्ध है। पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट परियोजना न केवल कोयला उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ बनाएगी, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगी।

सहायक अध्याापकों ने विधायक को मांगपत्र सौंपा

लातेहारः झारखंड प्रदेश एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के आह्वन पर लातेहार जिले के सहायक अध्यापकों ने विधायक प्रकाश राम को मांगपत्र सौंपा. जिला अध्यअक्ष अतुल कुमार सिंह व महासचिव अनूप कुमार के नेतृत्व में सहायक अध्यापक विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह व लातेहार जिला भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह से मिले और उन्हें विधायक के नाम मांगपत्र सौंपा. इस दौरान सहायक अध्यापकों ने विधायक से मोबाइल पर बात की. विधायक ने उनकी मांगों को जायज बताते हुए विधानसभा में प्रमुखता से उठाने का आश्वासन दिया.

जिला अध्याक्ष अतुल कुमार सिंह ने सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह को पारा शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया. ज्ञापन में सहायक अध्यापकों को समान कार्य के बदले समान वेतन देने, आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने, दिवगंत शिक्षकों के परिजनों को अनुकंपा का लाभ देने व 28 अगस्त 2024 को सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा व सरकार के बीच हुए लिखित समझौते को लागू करने, सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करने व 1700 सहायक अध्यापकों की कार्यमुक्ति का आदेश वापस लेने की मांग की गयी. मौके पर सहायक अध्यामपक लाल आशीष नाथ शाहदेव, अभिनय कुमार मिश्र, पवन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, प्रमोद प्रसाद, नंदकिशोर यादव, निर्मल सिंह यादव, उषा बेक, हरिशंकर यादव, दिनेश कुमार ठाकुर समेत अन्य सहायक अध्यामपक मौजूद थे.

बड़कागांव पुलिस ने चलाया अलग-अलग स्थान पर वाहन जांच अभियान, सड़क सुरक्षा को बनाए रखना है उद्देश्य - थाना प्रभारी

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।हजारीबाग जिला के बड़कागांव में थाना प्रभारी नेमधारी रजक के निर्देश पर बड़कागांव हजारीबाग मुख्य सड़क में दो अलग-अलग स्थान पर वाहन जांच किया गया।वाहन जांच मुख्य रूप से दो पहिया एवं बड़ी गाड़ियों की गई। जिसमें मुख्य रूप से हेलमेट , सीट बेल्ट , बाईक पर तीन सवारी आदी से संबंधित किया गया।बड़कागांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि वाहन जांच यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए की गई।जांच के दौरान वाहन चालकों के दस्तावेजों की जांच कर यह सुनिश्चित कर हिदायत किया गया कि यातायात नियमों का पालन करें।वाहन जांच का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त यह जांच असामाजिक तत्वों पर भी लगाम लगाने में मदद करती है।बताते चलें कि यदि कोई वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो पुलिस के द्वारा उसे पर जुर्माना लगाया जाता है या कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।जांच के क्रम में यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले 35 से 40 वाहनों पर कार्रवाई की गई।जांच दल में मुख्य रूप से एस आई इंद्रजीत कुमार एवं बसंत भगत सहित बड़कागांव पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

धनबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से 12 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

धनबादः धनबाद आरपीएफ, जीआरपी व सीआईबी की टीम ने धनबाद रेलवे स्टेशन पर गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. टीम ने वाराणसी-सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में छापेमारी कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से 12.1 किलो गांजा बरामद किया गया. जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1.81 लाख रुपये है. गिरफ्तार तस्करों की पहचान मंटू कुमार और टुनटुन कुमार के रूप में हुई. दोनों बिहार के रोहतास जिले के रहने वाले हैं.

यह जानकारी धनबाद के डिप्टी एसआरपी जेजीपी गुप्ता ने शनिवार को प्रेसवार्ता में दी. उन्होंने बताया कि गिरोह के तीसरे सदस्य देवराज चौहान को कोडरमा जीआरपी ने गिरफ्तार किया है.उसके पास से भी 5 किलो गांजा जब्त किया गया है. टीम ने ट्रेन के एस-10 कोच में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो लोगों को पकड़ा. तलाशी लेने पर उनके पास से एयरटाइट प्लास्टिक पैकिंग में रखा गांजा, महंगे मोबाइल फोन, कपड़े, एटीएम कार्ड व नकद रुपये बरामद कि गए.

डिप्टी एसआरपी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में की गई छापेमारियों में भारी मात्रा में गांजा व शराब पकड़ी गई है. हाल ही में 28 किलो व 20 किलो गांजा के साथ चार तस्करों को पकड़ा गया था. उन्होंने कहा कि आरपीएफ और जीआरपी का अभियान आगे भी जारी रहेगा.

घंघरी में जीटी रोड से आदिवासी बहुल गांव डुमरिया टांड़ को जोड़ने वाली काफी जर्जर हालत में है सड़क

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घंघरी में जीटी रोड से आदिवासी बहुल गांव डुमरिया टांड़ को जोड़ने वाली सड़क काफी जर्जर हालत में है।बरसात के दिनों में सड़क की हालत ऐसी हो गई है कि मानों प्रकृति का प्रकोप इसी सड़क पर आ गया हो. दो पहिया वाहन या चार पहिया वाहन का चलना तो दूर पैदल चलना भी दुश्वार हो गया है। इसी कारण कीचड़ भरी सड़क के सहारे विद्यार्थियों को प्रतिदिन आना जाना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सड़क बनवाने की मांग किया गया। जिसपर आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। इस कारण मायूस हो चुके ग्रामीणों का कहना है कि आखिर किन कारणों से सड़क का निर्माण नहीं हो पा रहा है यह बात समझ से परे हैं। ग्रामीण काफी परेशान है क्योंकि बारिश शुरुआत होने के साथ ही सड़क का हाल बुरा हो जाता है अभी तो पूरा बारिश बाकी है। मुखिया मुन्नी देवी ने विधायक, सांसद और अधिकारियों से तत्काल संज्ञान में लेकर सड़क को बनवाने में पहले करने की मांग किया है।कहा कि मुखिया फंड में ऐसी कोई योजना नहीं होने के कारण इसे नहीं बनाया जा सकता है। मुखिया के समक्ष समस्या को रखने वाले ग्रामीण साहेबराम सोरेन, जितेंद्र गुप्ता, उदय साव, रीतलाल मांझी, बंशी मांझी, महेश मांझी, जयराम मांझी, तालों मांझी, शिबू सोरेन, रामजी सोरेन, महादेव सोरेन, शिकारी सोरेन, राजाराम सोरेन, जीवन सोरेन, नागेश्वर मांझी, पांडु मांझी समेत अन्य शामिल हैं।

बिजली चोरी रोकथाम को लेकर चलाई गई छापामारी अभियान, 22 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बरकंनगांगों एवं बरकट्ठा में बिजली चोरी रोकथाम को लेकर विद्युत विभाग की ओर से छापामारी अभियान चलाई गई। बरकट्ठा विद्युत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने कार्रवाई करते हुए 22 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है।कनीय अभियंता ने ग्राम बरकंनगांगों निवासी छोटी महतो, राहुल दास, त्रिलोकी रविदास, छोटी रविदास, दिनेश दास, देवी दास, नसरुद्दीन अंसारी, ईश्वर रविदास, झब्बू पासवान, चंद्रदेव पासवान, विनोद पासवान, सरजू राम, पवन राम, मदन राम, सकलदेव पासवान, संजय पासवान, छोटी पासवान तथा ग्राम बरकट्ठा निवासी विजय मोदी, जुनैद खान, कमाल खान, सुनीता देवी, सुरेश प्रसाद को बिजली चोरी करते हुये पकड़ा है।इस बाबत कनिय अभियंता अभिषेक आनंद ने बरकट्ठा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।बताया की यह अभियान बिजली बिल बकाया रखने तथा पोल से टोका लगाकर अतिरिक्त फेज खींचकर विद्युत उर्जा की चोरी करते हुए पकड़े गये हैं।जिनपर विद्युत विभाग के द्वारा आर्थिक जुर्माना लगाते हुए थाने में मामला दर्ज कराया गया। कनिय अभियंता अभिषेक आनंद ने बताया की बिजली चोरी रोकथाम को लेकर चलाया जा रहा अभियान आगे भी जारी रहेगा।कहा की जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल पांच हजार से ज्यादा बाकी है उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उपभोक्ताओं को मीटर लगाना अनिवार्य है बिना मीटर से बिजली जलाने पर भी कानूनी कार्यवाई किया जाएगा।

बिजली कर्मी के साथ मारपीट करने का मामला आया सामने, थाना में दिया आवेदन

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गैड़ा में बिजली कर्मी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है।इस बाबत ग्राम डपोक निवासी लक्ष्मण कुमार पिता सरजू नायक ने बरकट्ठा थाना में आवेदन दिया है।जिसमें बताया कि बिजली विभाग की आउटसोर्सिंग कंपनी गीतराज इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत हूं।अपने कार्यक्षेत्र ग्राम गैड़ा के टोला देवी मंडा में ट्रांसफार्मर का फ्यूज जोड़ने के बाद 17 जुलाई की शाम को वापस लौट रहा था।इसी बीच ग्राम गैड़ा निवासी शंकर सिंह पिता छत्रु सिंह ने रास्ते में उनकी बाइक को रोककर लाइन चालू करने में देरी का आरोप लगाते हुए मेरे साथ गाली-गलौज करने लगे।आरोप लगाया कि इसके बाद शंकर सिंह ने लाठी से मारकर घायल कर दिया।पुलिस ने मिली आवेदन के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, कोडरमा

कृषक बन्धुओं के लिए अति आवश्यक सूचना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखण्ड, राँची (सहकारिता विभाग) झारखण्ड सरकार की अधिसूचना संख्या–05/नि०यो० (B-PMFBY)-25/2024-25/916/राँची दिनांक 14-08-2024 एवं कार्यालय निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची का पत्रांक 1519(5) दिनांक 10-07-2025 के आलोक में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत खरीफ 2025 में जिले में अगहनी धान (मुख्य फसल) एवं भदई मकई (गौण फसल) जिसकी बीमा इकाई क्रमशः ग्राम पंचायत एवं प्रखण्ड होगी।

इस योजना में ऋणी एवं गैर ऋणी कृषक (भू–धारक एवं बटाईदार) दोनो शामिल हो सकते है। गैर ऋणी कृषक योजना का लाभ लेने हेतु आवेदन करते समय निम्नांकित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करायेंगे :–

1. आधार कार्ड।
2. बैंक पासबुक की छायाप्रति।
3. भूमि स्वामित्व संबंधी प्रमाण प्रपत्र।
4. बटाई प्रमाण पत्र (यदि लागू हो तो)।
5. फसल बुआई का स्वसत्यापित प्रमाण–पत्र (अनु०–III)।
6. वंशावली।
7. मोबाईल नम्बर।

गैर ऋणी कृषक द्वारा प्रज्ञा केन्द्र (CSC) एवं योजना के पोर्टल www.pmfby.gov.in के माध्यम से Online स्वतः आवेदन किया जा सकता है।

आवेदक कृषकों के बैंक खाते से सत्यपन हेतु Token राशि के रूप में किसानों से 01 (एक) रूपया मात्र लिया जायेगा।

कृषकों के लिए प्रति हेक्टर बीमित राशि धान के लिए 66,071.25 रूपये एवं मकई के लिए 55,236.30 रूपये है।

गैर ऋणी किसान खरीफ 2025 के लिए दिनांक 31-07-2025 तक Online आवेदन कर सकते है।

PR.NO.357761 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(25-26):D

जिला सहकारिता पदाधिकारी
कोडरमा।

संक्षिप्त खबरें

नामकुम रामपुर मार्ग से कांटा टोली चलने वाले ऑटो चालक मालिकों की बैठक

संवाददाता रांचीः नामकुम रामपुर मार्ग से कांटा टोली चलने वाले ऑटो चालक मालिकों की बैठक । नामकुम बाजार से सरना मैदान में संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश सचिव रमाशंकर सिंह ने किया बैठक कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश सीएनजी ऑटो चालक महान संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित हुए आज के बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं ऑटो चालक मालिकों के उपस्थिति में रामपुर नामकुम मार्ग से कांटा टोली चौक तक चलने वाले ऑटो चालक मालिकों ने बैठक कर यात्री हित को देखते हुए अपना रूटा का भाड़ा निर्धारित किया गया। इस कार्य के लिए नामकुम रामपुर के तमाम ऑटो चालकों को महासंघ की ओर से बहुत ही आभार प्रकट करती है एवं धन्यवाद देता है जो मानव हित को ध्यान में रखते हुए भाड़ा काम करने का निर्णय लिया गया ताकि यात्री एवं गरीब मजदूर लोगों को इसका लाभ मिले।

एस के क्लासेस में मेधा सम्मान समारोह, मैट्रिक व इंटर के सफल छात्रों को किया गया सम्मानित

संवाददाता रांची : फर्स्ट फ्लोर, एस टॉवर, चर्च रोड, विक्रांत चौक, रांची स्थित एसके क्लासेस में मेधा सम्मान समारोह-2025 का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत मैट्रिक और इंटर जैक, सीबीएसइ, आईसीएसइ के परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को निदेशक शहनाज़ खान, मुख्य अतिथि अभय कुमार झा, फाउंडर मो आतिफ़ ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। साथ ही सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। मैट्रिक परीक्षा में टॉपर के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ एसके क्लासेस के सभी पासआउट का उत्साह वर्धन शिक्षको ने किया। इस अवसर पर कोचिंग के द्वारा साल भर में दो बार एवरेज चैंपियंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। जिसमें अच्छे करने वाले बच्चों को भी सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले छात्रों में महवीश नाज़, दरकशा परवीन,आलिया अंजुम, ज़ोया नाज़, मयंक ठाकुर, ज़ोया प्रवीण, तान्या शर्मा, अम्मार काशिफ और समेत कई बच्चे को सम्मानित किया गया। इस मौक़े पर बच्चों में कई रंगारंग कार्यक्रम फैंसी ड्रेस, गाना का भी प्रतियोगिता हुआ। फाउंडर आतिफ सर ने कहा कि एसके क्लासेस में थ्री क्लास से लेकर बारहवीं तक की पढ़ाई होती है। यहां हर एक बच्चा पर विशेष ध्यान रखा जाता है।

पठान तंजीम के सदस्य पंचायतों का बढ़ा दायरा

संवाददाता रांचीः पठान तंजीम की एक्टिव सदस्यों की विस्तारित बैठक शनिवार 19 जुलाई 2025 को हुई। बैठक में सभी मनोनीत सदस्यों को सम्मानित किया गया। मालूम हो की पंचायत कमेटियों के कार्य क्षेत्र का विस्तार करते हुए 31 एक्जीक्युटिव सदस्य नामांकित किये गए। उन सभी सदस्यों को फूल, माला, साफा और पठान तंजीम का सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पठान तंजीम के अध्यक्ष अय्यूब राजा खान ने किया और संचालन हाजी फिरोज जिलानी ने किया। पठान तंजीम के अध्यक्ष अय्यूब राजा खान ने कहा कि पठान तंजीम ने 31 कार्यकारी सदस्य बनाए हैं जो अपने क्षेत्र के पंचायत और तंजीमों का प्रतिनिधित्व करते हैं ! यह पठान तंजीम के कामकाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित पंचायतों का प्रतिनिधित्व करने वाले पदधारियों को नामित किया गया है ताकि आपसी तालमेल से बेदारी और सामाजिक कार्य संपन्न हो सके।

राजी पाड़हा सरना प्रार्थना सभा ने बिहार के मुख्यमंत्री के नाम सौंपा पत्र

संवाददाता रांचीः राजी पाड़हा सरना प्रार्थना सभा भारत की पांच सदस्यीय टीम सरना धर्मगुरु बंधन तिग्गा की अगुवाई में मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र की प्रति सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री, बिहार सरकार एवं पुर्णिया विधायक विजय खेमका को सौंपी। साथ ही माननीय सांसद श्री पप्पू यादव जी के दिल्ली प्रवास के कारण धर्मगुरु से दूरभाष पर घटनाक्रम को लेकर चर्चा हुई। टीम में राष्ट्रीय महासचिव विधासागर केरकेट्टा राष्ट्रीय सरना धर्म प्रचारिका कमले उरांव, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रवि तिग्गा, कामडारा प्रखंड अध्यक्ष नीरल आईंद शामिल थे। राजी पाड़हा सरना प्रार्थना सभा भारत देश के मूल आदिवासियों यथा सरना धर्मलंबियों का एक व्यापक संगठन है। जिसका मुख्यालय झारखंड की राजधानी रांची में अवस्थित है, किंतु इनकी सशक्त शाखाएँ झारखंड के अलावा उड़ीसा, बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार, असम एवं दिल्ली के साथ-साथ नेपाल जैसे देशों में भी है। यह संगठन पूर्णतः धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना लाने के साथ-साथ आदिवासियों के हक अधिकार एवं न्याय के क्षेत्र में काफी मजबूती से कार्य कर रही है।

जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो ने स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता रांचीः जेएलकेएम केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो नेपाल हाउस में स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग झारखंड सरकार के अपर सचिव अजय कुमार सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मौके पर देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि लंबे संघर्ष, त्याग, बलिदान और कुर्बानी के परिणामस्वरूप झारखंड अलग राज्य का गठन भगवान् बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर "अबुआ दिसुम अबुआ राज" स्थापित करने के उद्देश्य से हुआ है। झारखंड गठन हुए 25 साल बाद भी सपना अधूरा है।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाभार्थियों के लिए वरदान

उपायुक्त ने की योजना को लेकर ऑनलाइन समीक्षा बैठक

संवाददाता रांचीः झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिलनेवाली सम्मान राशि से अंडा उत्पादन, बतख पालन एवं बकरी पालन के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी आजीविका बेहतर हो रही है और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

मंईयां सम्मान से स्वावलंबन का बढ़ रहा दायराः मंईयां सम्मान से स्वावलंबन की दिशा में जिला प्रशासन की सक्रिय पहल दायरा बढ़ रहा है। योजना अंतर्गत जिला प्रशासन के माध्यम से जुलाई माह में अब तक कुल 7023 महिलाओं को 129474 चूजे, 2531 महिलाओं को 40015 बतख और 2252 महिलाओं को 5637 बकरियों का वितरण किया गया है। लाभार्थियों के बीच हुए इस वितरण से उनकी आय में वृद्धि हो रही है और वे स्वयं अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री देर शाम मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से स्वावलंबन एवं मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत भौतिक सत्यापन से संबंधित ऑनलाइन समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, जीएम डीआईसी, डीपीएम जेएसएलपीएस, सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, यंग प्रोफेशनल नीति आयोग एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में प्रखंडवार योजना की प्रगति एवं लाभार्थियों की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में भजन्त्री ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने लाभुकों के भौतिक सत्यापन को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध ढंग से शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया कि मंईयां सम्मान से स्वावलंबन के तहत दी जाने वाली सुविधाएं तत्परता से लाभुकों तक पहुंचे। साथ ही, महिलाओं को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और विपणन सुविधा देने के लिए भी प्रशासन कार्य योजना तैयार कर रहा है।

ओबीसी आरक्षण नहीं देना चाहते हैं झामुमो–कांग्रेस : सुदेश महतो

संवाददाता रांचीः आजसू पार्टी प्रमुख व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने झारखंड में नगर निकाय चुनाव न कराने पर झारखंड हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। श्री महतो ने कहा कि झामुमो–कांग्रेस की सरकार पिछड़ों को आरक्षण नहीं देना चाहती। साथ ही स्थानीय निकायों को अफसरों के भरोसे चलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट की टिप्पणी से स्पष्ट हो गया कि झामुमो और कांग्रेस को लोकतांत्रिक मूल्यों में भरोसा नहीं। महतो ने कहा कि झामुमो–कांग्रेस नगर निकाय में ओबीसी को आरक्षण नहीं देना चाहते और इसे टालने का बहाना ढूंढते रहते हैं। राज्य सरकार गंभीर रहती तो काफी पहले ट्रिपल टेस्ट करवा कर नगर निकाय चुनाव करवा सकती थी। जब आजसू पार्टी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तब सरकार ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट करवाने पर मजबूर हुई। महतो ने कहा कि हाई कोर्ट ने 4 जनवरी 2024 को ही आदेश दिया था कि तीन सप्ताह में नगर निकाय चुनाव करवाया जाए, लेकिन राज्य सरकार ने जानबूझकर ट्रिपल टेस्ट अभी तक पूरा नहीं किया और विगत एक वर्ष से ओबीसी आयोग के अध्यक्ष का पद खाली रखकर ट्रिपल टेस्ट में देरी की साजिश की गई। विगत 4 माह से मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पद भी नहीं भरा जा रहा है। इससे साबित हो जाता है कि झामुमो–कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने में जुट हैं। महतो ने कहा कि नगर निकायों में जनप्रतिनिधि नहीं होने के कारण स्वच्छता, बुनियादी ढांचा और शहरी विकास जैसे मुद्दों पर जनता की उपेक्षा की जा रही है। महतो ने कहा कि राज्य में कानून का शासन चले, राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए। सरकार संविधान और लोकतंत्र का गला नहीं घोट सकती।

रांची स्मार्ट सिटी की जमीन की म्यूटेशन प्रक्रिया जल्द होगी शुरू, जिला प्रशासन को मिला पत्र

संवाददाता रांचीः राजधानी रांची में बने स्मार्ट सिटी के जमीन की म्यूटेशन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी. जानकारी के अनुसार, 17 जून को रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड को भूमि हस्तांतरण व म्यूटेशन के मुद्दे पर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी. इस बैठक में लिये गये फैसले की प्रोसिडिंग को सीओ नामकुम के पास भेजा गया है.

किस मुद्दे पर हुआ विचार-विमर्शः बताया जा रहा है कि बैठक में एरिया बेस्ड डेवलपमेंट (एबीडी) क्षेत्र की 618.92 एकड़ भूमि, 25 विस्थापित परिवारों के पुनर्वास तथा एचईसी लिमिटेड से लंबित 9.22 एकड़ और 28.16 एकड़ भूमि के हस्तांतरण से जुड़ी समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया था.

म्यूटेशन पहले एचईसी के नाम होगाः मालूम हो कि रांची स्मार्ट सिटी के एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र (एबीडी) के 618.92 एकड़ भूमि के दाखिल-खारिज के संबंध में उपायुक्त द्वारा बताया गया था कि 618.92 एकड़ भूमि के अंतर्गत रैयती भूमि को छोड़ कर सभी प्रकार की भूमि का अब तक लगान तय नहीं हुआ है. जमीन का म्यूटेशन पहले एचईसी के नाम पर होगा.

जिला प्रशासन को मिला पत्रः वहीं, लगान निर्धारण के लिए स्मार्ट सिटी की ओर से जिला प्रशासन को पत्र प्राप्त हो चुका है. रैयती भूमि के दाखिल-खारिज के लिए म्यूटेशन पोर्टल पर एचईसी लिमिटेड का नाम दर्ज करते हुए रांची जिला प्रशासन द्वारा दाखिल-खारिज की प्रक्रिया जल्द शुरू की जायेगी.

लायंस क्लब रांची समर्पण द्वारा "फ़ूड फॉर हंगर" अभियान

रांचीः लायंस क्लब रांची समर्पण ने लायंस इंटरनेशनल की "वन डिस्ट्रिक्ट, वन एक्टिविटी" के अंतर्गत एक सराहनीय सेवा गतिविधि "फ़ूड फॉर हंगर" का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नगर निगम व मोराबादी क्षेत्र के झुग्गी बस्तियों में संपन्न हुआ, जिसमें 400 जरूरतमंद लोगों को खीर, पूरी और सब्ज़ी का ताजा एवं स्वादिष्ट भोजन वितरित किया गया। यह मानवीय पहल एमजेएफ Ln रीना अग्रवाल एवं Ln प्रीति केजरीवाल के सौजन्य से की गई, जिनका समाजसेवा के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणादायी रहा है। साथ ही, Ln सीमा सिंह एवं Ln सिंधु बाला का भी महत्वपूर्ण सहयोग इस कार्यक्रम को सफल बनाने में रहा।

शिक्षा के क्षेत्र में मांडर विधानसभा क्षेत्र के पांचो प्रखंडों को शिक्षा का हब बनाना हैः बंधु तिर्की

संवाददाता रांचीः शिक्षा के क्षेत्र में मांडर विधानसभा क्षेत्र के पांचो प्रखंडों को शिक्षा का हब बनाना है। सभी हाई स्कूलों के शिक्षण व्यवस्था में आमूल परिवर्तन जरूरी है। स्कूली छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण अच्छी शिक्षा बहुत ही जरूरी है। उक्त बातें बेडो प्रखंड के प्रखंड मुख्यालय स्थित राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय बेडो परिसर में मांडर विधानसभा क्षेत्र के बेडो, लापुंग, इटकी मांडर और चान्हो प्रखंड के हाई स्कूल के सभी प्रधान शिक्षकों एवं शिक्षा पदाधिकारीयों के साथ बैठक कर शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने के लिए आवश्यक रणनीति बनाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें प्रथम चरण में नौवी से लेकर 12वीं तक के छात्र-छात्राओं का परीक्षा आयोजित किया जाएगा। यह एक उच्च स्तर का क्विज प्रतियोगिता होगा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए 18 अगस्त तक फॉर्म भरना और जमा करना अनिवार्य होगा। 5 सितंबर को प्रतियोगिता में सफल बच्चों को बेहतरीन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने सभी हाई स्कूल के प्रधान शिक्षकों से मैट्रिक की परीक्षा के रिजल्ट के संदर्भ में आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों के समक्ष कई प्रकार की चुनौतियां हैं इन चुनौतियों का शिक्षक शिक्षिकाएं बेहतर तरीके से सामना करते हुए बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में व्याप्त समस्याओं का निराकरण के लिए विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं अपनी समस्याएं लिखित रूप से माननीय मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को भेजें ताकि विधानसभा सत्र में उन समस्याओं को उठाया जाएगा तथा सभी प्रकार की समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा। इसके लिए समयबद्ध तरीके से समस्याओं को लिखित रूप से जमा करना होगा। इस मौके पर बेड़ों के अंचल अधिकारी प्रताप मिंज, बेड़ो लापुंग इटकी मांडर और चान्हो प्रखंड की बीईईओ शांति मुनी तिर्की, सीमा कुमारी, कल्पना तांती, बेड़ों के उप प्रमुख मोदि्सर हक, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष प्रो करमा उरांव, विधायक प्रतिनिधि नवल किशोर सिंह, क्विज प्रतियोगिता के प्रभारी प्रो. रितेश सिंह, सह प्रभारी देवनिश तिग्गा, पंचु मिंज, मो मीर मुस्लिम हुसैन, एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय की प्रधानाध्यापिका हेनरिता मिंज, सहायक शिक्षक अजय लकड़ा, बीपीओ लीलावती तिर्की,देव कुमार, मो इम्तियाज, पम्मी सिन्हा, सीआरपी सुनील कुमार गुप्ता सहित सभी विद्यालयों के प्रधान शिक्षक मौके पर मौजूद थे। मांडर विधानसभा क्षेत्र के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का स्वागत प्रधान शिक्षिका हेनरिता मिंज ने किया।

कृषि मंत्री ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को लिखा पत्र

संवाददाता रांचीः झारखंड की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में यथोचित वृद्धि करने की पहल की है . कृषि मंत्री ने इसको लेकर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को पत्र लिखा है . पत्र के माध्यम से मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए लिखा है कि झारखंड की एक बड़ी आबादी कृषि एवं वनोपज आधारित उत्पादों पर निर्भर है . राज्य में लाह , करंज के बीज , महुआ, साल बीज , जंगली शहद , चिरौंजी जैसे वनोपज पर बड़ी आबादी की निर्भरता है . विशेष रूप से आदिवासी समाज के साथ - साथ समाज के वंचित वर्ग के लिए ये आय का मुख्य श्रोत भी है . झारखंड राज्य के ये वनोपज आर्थिक संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए पर्यावरण संवेदनशीलता और जैविक कृषि को बढ़ावा देने में भी सहायक सिद्ध हो रहे हैं . कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लिखा है कि लघु वनोपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण एवं क्रियान्वयन जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित " MSP FOR MFP" योजना के अंतर्गत किया जाता है . लेकिन यह देखा गया है कि इन उत्पादों के लिए निर्धारित MSP वर्तमान बाजार मूल्य से काफी कम है . ऐसा होने से वनोपज पर निर्भर आदिवासी समुदाय को पर्याप्त लाभ नहीं मिल पा रहा है . उदाहरण के तौर पर कुसमी लाह का MSP 275 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 730 से 750 रुपए किलो है . जंगली शहद का MSP 225 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 600 से 800 रुपए किलो है .चिरौंजी का MSP 126 रुपए किलो है जबकि बाजार भाव 250 से 300 रुपए किलो है . इसी तरह महुआ के फूल का MSP 30 रुपए किलो है।

मेरे बेटे कृष को गलत तरीके से घसीटा जा रहा हैः इरफान अंसारी

संवाददाता रांचीः मेरे बेटे कृष अंसारी को लेकर जो बातें कुछ मीडिया माध्यमों और राजनीतिक मानसिकता के लोग फैला रहे हैं, वो पूरी तरह निराधार, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण हैं। कृष रिम्स किसी निरीक्षण या नेतागिरी के लिए नहीं गया था। वह तो अपने शिक्षक आदित्य कुमार झा के पिता को देखने गया था, जो रिम्स में भर्ती हैं। इसी क्रम में बीती रात कुछ आदिवासी परिवार हमारे आवास पर सहायता के लिए पहुंचे, जो रिम्स में अपने परिजन के इलाज को लेकर बेहद परेशान थे। उनके आग्रह पर ही कृष मानवीय आधार पर वहां गया, किसी की तकलीफ कम करने की कोशिश करने। साथ ही, संयोग से एक वरिष्ठ पत्रकार बंधु के परिजन भी रिम्स में भर्ती थे, जिन्हें भी सहायता की आवश्यकता थी। कृष ने इंसानियत और संवेदनशीलता के भाव से, यथासंभव मदद की – बस इतना ही। लेकिन आज जिस तरह इस घटना को तोड़-मरोड़ कर, राजनीति का रंग चढ़ाकर, बिना तथ्यों के प्रस्तुत किया जा रहा है, वह बेहद दुखद और चिंताजनक है। कृष एक पढ़ा-लिखा, संवेदनशील और होनहार छात्र है। वह अभी छुट्टियों में रांची आया हुआ है। सेवा की भावना उसके भीतर सहज रूप से मौजूद है – आखिर वह पूर्व सांसद फुरकान अंसारी का पोता है, जिन्होंने झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे परिवार में जन्मे युवा में जनभावना और सेवा का स्वाभाविक संस्कार होना कोई अचरज नहीं।

लेकिन क्या अब मदद करना भी अपराध है? कृष बार-बार मुझसे एक ही सवाल कर रहा है । पापा, क्या लोगों की मदद करना गुनाह है? क्या किसी की तकलीफ देखकर मदद करना नेतागिरी कहलाता है? यह सवाल मुझे भीतर तक तोड़ देता है। मेरा बेटा न तो किसी किसान को गाड़ी से कुचलता है, न ही किसी के मुंह में पेशाब करता है, और न ही सत्ता के नशे में इंसानियत भूल जाता है। उसने तो बस एक बीमार को देखा... और मदद की। क्या अब संवेदनशीलता और करुणा भी अपराध मानी जाएगी? मैं इस सोच से बेहद व्यथित हूं और सोचने को मजबूर हूं कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है? क्या हर युवा हाथ जो मदद के लिए उठता है, अब राजनीति की काली स्याही से रंग दिया जाएगा?यह हाय-तौबा, यह मानसिकता, समाज के लिए घातक है। मैं आप सभी से हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं। कृपया सच्चाई को समझें। राजनीति के चश्मे को उतारें। यह एक युवा की संवेदनशीलता और सेवा-भावना का अपमान है। कृष का मन टूटा हुआ है, लेकिन उसके इरादे मजबूत हैं।

आलोक दूबे की मुख्यमंत्री को लिखे गये चिट्ठी का दिखा असर

संवाददाता रांचीः झारखंड में पिछले कई वर्षों से कोचिंग संस्थानों की मनमानी, छात्रों के साथ आर्थिक शोषण,गलत एवं झूठे वायदे एवं फर्जी आंकड़े पेश कर अभिभावकों से मोटी फीस वसूलने जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं। इस गंभीर मुद्दे पर पहली बार संगठित रूप से आवाज़ उठाई गई पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) द्वारा। इस अभियान का नेतृत्व पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने किया, जिन्होंने राज्य के हज़ारों छात्रों और उनके अभिभावकों की आवाज़ को मजबूती से सरकार तक पहुँचाया।

दूबे ने हाल ही में झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आग्रह किया कि राज्य में कोचिंग संस्थानों के लिए एक सख्त और पारदर्शी नियमावली बनाई जाए। अपने पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया कि कैसे कई बाहरी व्यक्ति और संस्थान झारखंड आकर "कोचिंग" के नाम पर छात्रों का शोषण कर रहे हैं। ये लोग शुरुआत में बड़े-बड़े वादे करते हैं, मोटी फीस वसूलते हैं और फिर या तो अचानक शहर छोड़कर चले जाते हैं या फिर बहुत ही घटिया गुणवत्ता वाली शिक्षा देकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। इससे न केवल अभिभावक आर्थिक रूप से टूटते हैं, बल्कि छात्रों की मानसिक स्थिति भी प्रभावित होती है। इस बाबत दूबे ने दो कोचिंग संस्थान क्रमशः गोल कोचिंग संस्थान एवं फिटजी के ऊपर डोरण्डा थाना में प्राथमिकी भी दर्ज करवाई थी।

दूबे ने मांग की थी कि राज्य सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। कोचिंग चलाने से पहले सभी संस्थानों का अनिवार्य पंजीकरण होना चाहिए, ताकि हर संस्था की पहचान सरकार के पास हो। साथ ही, फीस की अधिकतम सीमा तय की जानी चाहिए ताकि कोई भी संस्था मनमानी वसूली न कर सके। उन्होंने यह भी प्रस्ताव दिया कि जिला और राज्य स्तर पर एक रेगुलेटरी कमिटी बनाई जाए जो कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों की निगरानी करे और यदि कोई संस्थान नियमों का उल्लंघन करता है तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाए।

इन सभी सुझावों और पासवा द्वारा लगातार किए गए जन-जागरूकता अभियानों का असर अब सामने आ रहा है। झारखंड सरकार ने घोषणा की है कि वह जल्द ही 'कोचिंग सेंटर कंट्रोल एंड रेगुलेशन बिल 2025' विधानसभा के मानसून सत्र में प्रस्तुत करेगी। इस बिल में कोचिंग संस्थानों की पंजीकरण प्रक्रिया, बुनियादी ढांचा, फीस नियंत्रण, बैंक गारंटी और अभिभावकों की लिखित सहमति जैसे कई आवश्यक प्रावधान शामिल होंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि झारखंड के छात्रों का शैक्षणिक और आर्थिक शोषण रोका जा सके और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ बनाई जा सके। पासवा का यह स्पष्ट मानना है कि शिक्षा सेवा है, व्यापार नहीं। जब तक शिक्षा व्यवस्था पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तब तक छात्रों का समुचित विकास संभव नहीं है। यह आंदोलन अब सिर्फ एक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे राज्य के छात्रों और अभिभावकों की आवाज़ बन चुका है।

बीआईटी में ऑफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 26 से

संवाददाता रांचीः 21 जुलाई सोमवार से 6 दिवसीय कार्यक्रम बी आई टी मेसरा के लालपूर यूनिट में आयोजित होने जा रहा है जिसका विषय है ऑफलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम इमरजिंग ट्रेंड्स फ़ॉर डिजिटल बिज़नेस ट्रांसफार्मेशन जो 21 जुलाई से 26 जुलाई तक विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ जानकारों के द्वारा अपने अपने विषयो पर प्रकाश डालेंगे। डिजिटल व्यापार परिवर्तन के लिए उभरते रुझानों पर सुविधा विकास कार्यक्रम के बारे में FDP फैकल्टी डिवेलपमेंट प्रोग्राम को व्यापार डेटा के डिजिटल परिवर्तन में हाल के रुझानों के साथ प्रतिभागियों को लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम सैद्धान्तिक और पुरवर्ति अनुप्रयोगों के बीच की दूरी कम करने के लिए सेतु का काम करेगा, प्रतिभागियों को कुर्तिम बुद्धिमत्ता से संबंधित डिजिटल व्यपार परिवर्तन रुझानों का ज्ञान प्राप्त होगा।

इस छह दिवसीय कार्यक्रम की संयोजक समिति की मुख्य संयोजक डॉ श्रीमती अमृता प्रियम सह सयोजक डॉ महुवा बनर्जी ने बताया की यह कार्यक्रम में जो प्रतिभागी भाग ले रहे है उन्होंने अभी तक अपने क्षेत्रों में कार्य किया है इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनके ज्ञान में और विकास देखा जा सकता है इस कार्यक्रम में अपने अपने विषयों में विशेषज्ञता की परचम लहराया है उनमें मुख्य है। डॉ प्रणव कुमार प्रोफेसर इंचार्ज बी आई टी लालपूर, डॉ अविजित मुस्तफी हेड ऑफ डिपार्टमेंट कंप्यूटर साइंस बी आई टी मेसरा डॉ वंदना भट्टाचार्य, डॉ सुभाष चंद्र यादव सहित अन्य बुद्धिजीवी अपना मार्गदर्शन करेंगे इस कार्यक्रम में लगभग 11 विषयो को रखा गया है जिसमे लगभग 50 प्रतिभागी हिस्सा लेने जा रहे है।

संक्षिप्त खबरें...

आरटीसी कॉलेज में नशा पान और मानव विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

ओरमांझी(मोहसीन): आर.टी.सी.कॉलेज,ओरमांझी में नशापान और मानव विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे इस विषय के पक्ष और विपक्ष में प्रतिभागियों ने अपनी बात दमदार तरीके से प्रस्तुत की। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व सांसद राम टहल चौधरी ने करते हुए नशा के अत्यधिक प्रयोग को मनुष्य के लिए घातक बताया जो समाज को दीमक की तरह चाट रहा है। प्रतिभागियों में लक्ष्मी छाया,नितेश कुमार, स्नेहा कुमारी,स्नेहा गुप्ता सहित अन्य छात्र- छात्राओं ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के निदेशक डॉ.पारस नाथ महतो एवं संचालन प्रो.अलका तिर्की ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ.भीम महतो,उप प्राचार्य प्रो.योगेन्द्र ठाकुर, प्रो.रामकुमार महतो,प्रो. आरएन पांडेय, प्रो.एकबाल अंसारी,प्रो.इमरान अंसारी,प्रो.रीता कुमारी,प्रो. रेणु चौधरी,मेजर रणजीत कुमार सिंह, प्रो.प्रेमनाथ मुंडा,प्रो.शशि मिश्रा, प्रो. मंजुमा नाजी,डॉ. अनुराधा, प्रो.भावेश कुमार सहित अन्य उपस्थित हुए।

20 गैलन स्प्रिट के साथ कार जब्त, चालक फरार

लातेहारः लातेहार पुलिस ने एक कार से 20 गैलन स्प्रिट बरामद किया है. स्प्रिट को रांची से लोड कर लातेहार लाया जा रहा था. एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ अरविंद कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल गठित कर त्वरित कार्रवाई की गई. सरोज नगर स्थित मिशन स्कूल के पास सघन वाहन जांच के दौरान कार को पकड़ा गया. कार से 20 गैलन स्प्रिट बरामद किया गया. इसका वजन करीब 600 किलोग्राम है. वाहन चालक मौके से भाग निकला. ज्ञात हो कि स्प्रिट का उपयोग अवैध शराब बनाने में किया जाता है. चंदवा थाना में कांड संख्या 171/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है. अवैध शराब के धंधेबाजों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. छापामारी दल में थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह, एसआई ललन कुमार समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे. बता दें कि लातेहार का रिहायशी इलाका धर्मपुर में दो वर्ष पहले अवैध शराब की फैक्ट्री पकड़ी गयी थी. वहां से काफी मात्रा में स्प्रिट व नकली शराब की बोतलें, रैपर, ढक्क.न समेत अन्य सागग्री बरामद की गई थी.

बचरा बंसत विहार कॉलोनी के थर्ड फ्लोर क्वाटर मे घुसा विशाल अजगर

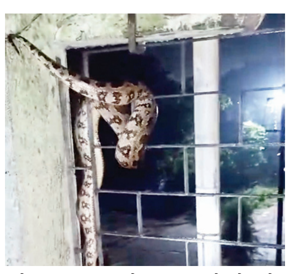

कोयलांचल संवाद संवाददाता

पिपरवार (चतरा) बचरा बसंत बिहार के थर्ड फ्लोर क्वार्टर में बीती रात एक विशाल अजगर दिखाई देने के बाद क्वार्टर में रहने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। यह विशाल अजगर क्वार्टर के बालकोनी से क्वार्टर के अंदर प्रवेश किया,इसके बाद इसे देखते ही लोगों के होश उड़ गए। करीब आधी रात को अजगर के क्वार्टर में प्रवेश करने की सूचना मिलने के साथ ही कॉलोनी के बाहर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।वहीं सूचना पाकर पिपरवार पुलिस भी तुरंत मौके पर पहुंच कर मामले की जानकारी ली।जानकारी के अनुसार बसंत विहार के क्वार्टर नंबर बी-211 में रहने वाले सीसीएल कर्मचारी राजु मेहता और उसके ऊपर के बिल्डिंग में रहने वाले भोला मोची के घर बीती रात एक विशाल अजगर बालकोनी से क्वार्टर के अंदर घुस गया। बालकोनी की खिड़की में अजगर को लटकते देख घर के सदस्यों के होश उड़ गए और लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद काफी संख्या में पहुंचे लोगों के साथ पिपरवार पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद अजगर को किसी तरह से क्वार्टर के बाहर निकाला।इसके बाद क्वार्टर के लोगों ने राहत की सांस ली।कॉलोनी के लोगों ने बताया कि अभी भी उक्त विशाल अजगर कॉलोनी के झाड़ियां में छिपा हुआ है और कभी भी किसी के क्वार्टर में भी प्रवेश कर सकता है।इधर एनसीओईए सीटु के पिपरवार क्षेत्रीय सचिव इस्लाम अंसारी ने स्थानीय सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन से बसंत विहार आवासीय कॉलोनी में साफ सफाई कराने की मांग की है।उन्होंने कहा कि साफ सफाई नहीं होने के कारण कॉलोनी में कई प्रकार के जहरीले सांप छिपे हुए हैं जो कभी भी कर्मियों के क्वार्टर में प्रवेश कर सकते हैं।वहीं बसंत विहार कॉलोनी के सभी क्वार्टर पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं जिसके कारण हादसों का भी डर बना हुआ रहता है।उन्होंने प्रबंधन से सभी क्वार्टर की मरम्मति एवं कॉलोनी की साफ सफाई करने की मांग की है।

बैंक ऑफ बड़ौदा जमशेदपुर शाखा अपनी 118 वां स्थापना दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किया

जमशेदपुर । बैंक ऑफ़ बड़ोदा जमशेदपुर शाखा के द्वारा बैंक की 118 वां स्थापना दिवस के अवसर पर अपने सामाजिक दायित्व के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए सीएसआर एक्टिविटी के तहत उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय चैतन्य नगर न्यू कुमरुम मानगो मे सीलिंग फैन, दरी और टेबल का सहयोग किया गया। साथ ही जुगसलाई के रुस्तम जी पी पटेल हाईस्कूल में एक स्टील अलमीरा और स्कूल की फुटबॉल टीम के लिए जर्सी की सहायता की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाखा के मुख्य प्रबंधक नीरज कुमार, सह प्रबंधक प्रकाश कुजूर और मुख्य रोकडिया अमित कुमार उपस्थित रहे। बैंक के ट्रेनिंग सेंटर के प्रमुख नारायण झा भी कार्यक्रम में शामिल रहे और बच्चों के बीच बैंक के बारे में जानकारी साझा की। उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय चैतन्य नगर न्यू कुमरुम मानगो की हेड शिक्षिका सुनीता सावैयां और रुस्तम जी पी पटेल हाई स्कूल जुगसलाई के प्रधान शिक्षिका वंदना कुमारी उपस्थिति रहीं।

सैन्य मातृसक्ति ने धूमधाम से मनाया 'मिलन सह सावन महोत्सव'

जमशेदपुर । अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का अंग सैन्य मातृशक्ति जमशेदपु महोत्सव का आयोजन K-79 रेस्टोरेंट स्थित साकू हावड़ा ब्रिज सभागार में किया गया। जिसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की ।सावन महोत्सव के बहाने पूर्व सैनिकों की पत्नियां सैन्य मातृशक्ति के बैनर तले मिली.कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं उपस्थित सैन्य मातृशक्ति द्वारा भारतमाता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया. इसके बाद संगठन से जुड़ी नई महिला सदस्य का स्वागत एवम् अभिनंदन किया गया। संगठन की अध्यक्ष रूबी सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यो से अवगत कराया।विषय प्रवेश देते हुए श्रीमती विनीता ने कहा कि आधुनिकता और सैनिक मूल्यों का सामंजस्य हो वर्तमान समाज के बदलाव की आधारशिला बन सकता है. इसलिए हम सबका यह दायित्व है कि नागरिक परिवेश में अपने बच्चों के साथ अन्य परिवारों में भी सैनिक मूल्यों का बीजारोपण का प्रयास करे।

चतरा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जिलास्तरीय फर्स्ट लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के तहत संचालित समग्र शिक्षा अभियान और झारखंड शिक्षा परियोजना, चतरा के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जिलास्तरीय फर्स्ट लिटिल चैंप बालक/बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त कीर्तिश्री जी विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात मैदान में उपस्थित सभी खिलाड़ियों को सामूहिक रूप से खेल भावना और अनुशासन की शपथ दिलाई गई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर और शॉल ओढ़ाकर किया गया।

तत्पश्चात उपायुक्त ने मैदान में पहुंचकर प्रतिभागी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और सभी को मन लगाकर, अनुशासित ढंग से खेल खेलने की प्रेरणा दी। अपने संक्षिप्त संबोधन में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने कहा कि चतरा जिले में पहली बार जिला स्तर पर लिटिल चैंप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है, जो कि नन्हें बच्चों में खेल के प्रति रुचि विकसित करने की एक सराहनीय पहल है। कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों को इस मंच के माध्यम से राज्य स्तर तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रतियोगिता में जिले के सभी 12 प्रखंडों से बालक एवं बालिका वर्ग की 12-12 टीमें भाग ले रही हैं, और जिलास्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले टीमें राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाकर खेल भावना का परिचय दिया, जिसके पश्चात उपायुक्त एवं उपविकास आयुक्त ने फुटबॉल में किक मारकर टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ किया। मौके पर पत्रकार बंधुओं से बात करते हुए उपायुक्त ने कहा कि बच्चों के लिए जर्सी, जूतों की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि वे उचित सुविधा के साथ खेल सकें। सभी बच्चे खेल के दौरान जर्सी जूते पहनकर मैदान में उतरेंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं, जिससे उनमें टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार, जिला ओलंपिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रेश शर्मा, संघ के सचिव राकेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष जितेंद्र चंद्रवंशी, तकनीकी पदाधिकारीगण एवं जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकगण और अभिभावक उपस्थित थे।

जिला प्रशासन द्वारा इस आयोजन की सफलता के लिए सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों, शिक्षकों और सहयोगी संस्थाओं का आभार प्रकट किया गया है।

बालक एवं बालिका वर्ग के रोमांचक फुटबॉल मुकाबले जारी, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बालक एवं बालिका वर्ग के बीच हुए कई रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुँचा दिया। विभिन्न प्रखंडों की टीमों ने अनुशासन, तकनीक और जुझारूपन के साथ प्रदर्शन किया।

बालक वर्ग – प्रमुख परिणामः

चतरा ने प्रतापपुर को 1-0 से हराया। टंडवा ने मयूरहंड को 2-0 से पराजित किया।

गिद्धौर ने सिमरिया पर 2-0 से जीत दर्ज की। हंटरगंज ने कान्हाचट्टी को 2-0 से हराया।

लावालौंग ने चतरा को 2-0 से पराजित किया। टंडवा ने कुंदा को 2-0 से हराया।

गिद्धौर ने इटखोरी को 3-0 से शिकस्त दी। हंटरगंज ने पत्थलगड़ा पर 2-0 से जीत दर्ज की। लावालौंग ने गिद्धौर को पराजित कर अगले दौर में स्थान सुनिश्चित किया।

बालिका वर्ग – प्रमुख परिणामः

चतरा ने टंडवा को 1-0 से हराया। मयूरहंड ने प्रतापपुर को 2-0 से पराजित किया।

हंटरगंज ने पत्थलगड़ा को शानदार 4-0 से हराया। लावालौंग ने कुंदा पर 1-0 से जीत दर्ज की। चतरा ने सिमरिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से पराजित किया।

इटखोरी ने मयूरहंड को 2-0 से हराया। कान्हाचट्टी ने हंटरगंज को कड़े मुकाबले में 1-0 से मात दी। लावालौंग ने गिद्धौर को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

पूरे दिन खेल के मैदान में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और उमंग का माहौल रहा। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, वहीं दर्शकों और अभिभावकों की उपस्थिति ने प्रतियोगिता को और अधिक प्रेरणादायक बनाया।

चाड़ू पंचायत में सांसद आदित्य प्रसाद साहू के द्वारा ताड़ित चालक यंत्र लगा, ग्रामीणों के चेहरे ख़ुशी से खिल उठे

ओरमांझी(मोहसीन): ओरमांझी प्रखण्ड क्षेत्र के चाड़ू पंचायत में राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के मद से शनिवार को तड़िक चालक यंत्र लगाया गया। चाड़ू पंचायत के विभिन्न गांवों में राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू के कर कमलों द्वारा तड़ीक चालक यंत्र का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा चाड़ू पंचायत के नगड़ू, ऊपर नगड़ू, चाड़ू, खलारी एवं रोहनडीह में अक्सर बज्र पात की घटना घटती थी। जिसमें अनेक लोगों की जाने चली गई हैं। यहां के ग्रामीणों ने मुझे अवगत कराया चाड़ू पंचायत में अक्सर बज्र पात की घटना घटती रहती है! जिसमें अनेक लोगों के जाने चली गई है। किसका संज्ञान में लेते हुए चाड़ू पंचायत के विभिन्न गांवों में तड़िक चालक यंत्र लगवाने का कार्य किया । इस तड़ीक चालक कि निष्क्रिय दूरी 500 मीटर होगी।इस तड़ित चालक लगने से इस क्षेत्र में बज्र पात की घटना कम होगी। जान माल कि घटना नहीं घटेगी। चड़ू पंचायत में तड़ीक चालक यंत्र लगने से ग्रामीणों में उत्साह देखा गया।इस अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा की बरसात के मौसम में बड़े पेड़ के नीचे नहीं जाएं सुरक्षित जगह एवं सूखे जगह पर सरन लें, महिलाएं गरज मलक के समय खेत में नहीं जाएं।इस अवसर पर मुख्य रूप से मनोज बाजपेई,अमरनाथ चौधरी, मानकी राजेंद्र शाही, धीरज विनय महतो, रितेश ओरांव,प्रीतम साहू, अलख नाथ महतो,सुनील महतो, राज धाम साहू, शंकर महतो, बालक महतो, दीपक यादव, जयलाल करमाली, पहलाद महतो, उप मुखिया प्रीतम महतो, चंद्रदेव महतो, गणेश महतो, रिव्यू महतो, बालों देवी सुनीता देवी, सीता देवी, सुरंती देवी देवती देवी,वीरेंद्र महतो यदि सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

पांडेय गिरोह के चार अपराधी अरेस्ट, ठेकेदार व मुंशी को दी थी धमकी

रामगढ़ः रामगढ़ पुलिस ने पांडेय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है. इन अपराधियों ने भुरकुंडा स्थित जुबली कॉलेज में भवन का निर्माण करा रहे ठेकेदार व मुंशी को गोली मारने की धमकी देकर रंगदारी की मांग की थी. गिरफ्तार अपराधियों में शुभम कुमार सिंह, धरम करमाली, श्रवण कुमार व विशाल सिंह शामिल हैं. पुलिस ने इनके पास से हथियार भी बरामद किए हैं.

रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा किया. उन्होंने बताया कि बीते 12 जुलाई को अपराधियों ने जुबली कॉलेज में भवन निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार व मुंशी को गोली मारने की धमकी देते हुए उनसे रंगदारी की मांग की थी, जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई.

दोबारा रंगदारी वसूलने की फिराक में थे अपराधी

एसपी ने बताया कि 19 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि जुबली कॉलेज भवन के कार्य को रुकवाने और मुंशी को गोली मारने की धमकी देने वाले अपराधी एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं. वे संगठित होकर निर्माण स्थल पर जाकर रंगदारी वसूलने और फायरिंग कर दहशत फैलाने की योजना बना रहे है. इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने छापेमारी कर चारों अपराधियों को धर दबोचा. पुलिस की पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि वे पांडेय गिरोह के सदस्य हैं. वे पांडेय गिरोह के ओमप्रकाश साव व अन्य के कहने पर रंगदारी वसूलने और दहशत फैलाने के इरादे से निर्माण स्थल पर आए थे. पुलिस की इस कार्रवाई से रामगढ़ में सक्रिय उपराधी गिरोहों को बड़ा झटका लगा है. पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों को पकड़ने की कार्रवाई में जुट गई है.

चतरा सांसद कालीचरण सिंह लावालौंग में रक्त मित्रों के रक्तदान शिविर में हुए शामिल

कोयलांचल संवाद संवाददाता

लावालौंग(चतरा) संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद कालीचरण सिंह रक्तमित्र लावालौंग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लावालौंग में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुए। उन्होंने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए इस सामाजिक कार्य की प्रशंसा की। रक्तमित्र लावालौंग के इस सेवा भावपूर्ण और समाजसेवी कार्य के लिए हार्दिक आभार एवं शुभकामनाएं व्यक्त की गई हैं। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह , भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुमन सौरभ तिवारी , भारतीय जनता युवा मोर्चा लावालौंग मंडल अध्यक्ष विवेक केसरी , भाजपा नेता उपेंद्र सिंह जी ,सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसान माह समारोह का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः शनिवार को जिला मुख्यालय के बैंक ऑफ इंडिया, विकास भवन शाखा परिसर में किसान माह समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषकों को बैंकिंग सेवाओं, ऋण योजनाओं एवं वित्तीय सशक्तिकरण की जानकारी देना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक ऑफ इंडिया के उप आंचलिक प्रबंधक (ऋण वसूली विभाग) खीरोध चंद्र साहु उपस्थित थे। इनके साथ अग्रणी जिला प्रबंधक अहसन अहमद, जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक (वित्तीय समावेशन) आमोद कुमार सिंह, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक चतरा शाखा चंद्रकांत मनी, शाखा प्रबंधक हेमंत कुमार, स्टार कृषि विकास केंद्र से प्रवीण कुमार, किसान एवं महिला स्वयं सहायता समूह (सखी मंडल) की सदस्यगण उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत में अग्रणी जिला प्रबंधक अहसन अहमद ने उपस्थित किसानों एवं समूह की महिलाओं को किसान क्रेडिट कार्ड योजना के संचालन, पात्रता, ऋण माफी योजना एवं बैंकिंग नियमों की जानकारी विस्तारपूर्वक दी।

इसके उपरांत जे एस एल पी एस के जिला प्रबंधक आमोद कुमार सिंह ने स्वयं सहायता समूहों और किसानों को बैंक ऋण की प्रक्रिया, ऋण की उपयुक्तता, समय पर चुकौती या ऋणअदायगी और ब्याज अनुदान योजना के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्य अतिथि उप आंचलिक प्रबंधक खीरोध चंद्र साहु ने बैंकिंग प्रणाली, कृषि ऋण, ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों के लिए ऋण प्रक्रिया की जानकारी दी और किसानों को बैंक से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में किसानों के बीच ऋण स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। साथ ही दो लाभुकों को ट्रैक्टर हेतु ऋण स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए।

चतरा उपायुक्त ने किया मयूरहंड प्रखंड का निरीक्षण

विकास योजनाओं की जमीनी हकीकत से हुई रूबरू, जनप्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा बैठक

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला उपायुक्त कीर्तिश्री जी द्वारा शनिवार को मयूरहंड प्रखंड क्षेत्र का दौरा किया गया, जिसमें उन्होंने प्रखंड में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जमीनी हकीकत का अवलोकन किया। इस क्रम में उपायुक्त ने संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों, कार्यालय प्रमुखों, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संयुक्त रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए।

मनरेगा पार्क का उद्घाटन एवं निरीक्षण

निरीक्षण की शुरुआत करमा पंचायत अंतर्गत अम्बा टांड़ में निर्मित मनरेगा पार्क से हुई। उपायुक्त ने नवनिर्मित पार्क का औपचारिक उद्घाटन करते हुए इस परियोजना की प्रशंसा की और लाभुकों के प्रयासों की सराहना की। यह पार्क लगभग 30 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया गया है, जिसे पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक मनोरंजन और रोजगार सृजन के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। उपायुक्त ने भूमि संरक्षण एवं जल संचयन के लिए दीर्घकालिक संरचनात्मक उपायों को अपनाने का निर्देश दिया, साथ ही पार्क तक सुगम आवागमन हेतु सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने की योजना शीघ्र स्वीकृत करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए।

अनजानवा जलाशय को पर्यटन व सिंचाई के केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश

इसके पश्चात उपायुक्त ने मँझगांवा पंचायत स्थित अनजानवा जलाशय का निरीक्षण किया। उन्होंने जलाशय के गहरीकरण, सौंदर्यीकरण एवं साफ-सफाई के साथ-साथ इसके पर्यटन एवं सिंचाई के उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को एक आदर्श ग्रामीण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएँ हैं, जिससे स्थानीय रोजगार को भी बल मिलेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

निरीक्षण कार्यक्रम के तहत उपायुक्त ने प्रखंड मुख्यालय मयूरहंड में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी जायजा लिया। उन्होंने उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, औषधि भंडारण, साफ-सफाई और मरीजों को दी जा रही सेवाओं का मूल्यांकन किया तथा स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को और प्रभावी एवं संवेदनशील बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण

इसके उपरांत उपायुक्त ने झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय, मयूरहंड का निरीक्षण किया और छात्राओं के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाएं, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था, शिक्षण व्यवस्था एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने विद्यालय प्रशासन को बालिकाओं की पढ़ाई और स्वास्थ्य में किसी प्रकार की बाधा न आने देने हेतु सभी बुनियादी सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्रखंड सह अंचल कार्यालय में जनप्रतिनिधियों से संवाद व आमजनों की शिकायतें सुनीं

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय का दौरा कर वहां उपस्थित मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रमुख, जिला परिषद सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने प्रखंड के समग्र विकास, योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं एवं स्थानीय समस्याओं पर खुली चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय में उपस्थित आम नागरिकों की व्यक्तिगत शिकायतें एवं समस्याएं भी सुनीं और उनके त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कार्य निष्पादन में पारदर्शिता और संवेदनशीलता का निर्देश

निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों से पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और कार्य निष्पादन में संवेदनशीलता बरतने की अपेक्षा जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ दिलाना ही प्राथमिकता है।

संक्षिप्त खबरें...

पटना में उफनाई गंगा का सीएम नीतीश ने लिया जायजा

पटना. बिहार में हो रही बारिश के चलते ज्यादातर नदियां उफान पर हैं। शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन को पूरी तरह तैयार रहने को कहा है। नीतीश गंगा के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संभावित परिस्थितियों पर पूरी नजर रखें तथा बढ़ते जलस्तर से प्रभावित लोगों को एसओपी के अनुसार जरूरी सहायता उपलब्ध कराएं। सीएम ने कहा कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह अलर्ट रहें। गंगा नदी के तटीय इलाकों खासकर निचले क्षेत्रों की स्थिति की लगातार समीक्षा करते रहें और जरूरत पड़ने पर तत्काल रूप से आवश्यक कार्रवाई करें ताकि कोई नुकसान न हो। नासरीगंज घाट, गांधी घाट सहित कई स्थानों पर गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है तथा नदी की धारा भी बहुत तेज है। मुख्यमंत्री ने सड़क मार्ग से पटना के आसपास गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने पटना सिटी के कंगन घाट से दानापुर के नासरीगंज घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया।

कटिहार में कोसी का तांडव; हाइवे तक पहुंचा पानी

कटिहार जिले में कोसी नदी के बढ़ते जलस्तर ने नगर पंचायत क्षेत्र के निचले इलाकों में खतरे की घंटी बजा दी है। शनिवार को कोसी का पानी तेजी से फैलते हुए बाघमारा और पंचखुंटी गांव को एनएच 31 से जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर चढ़ गया। इस मार्ग से होकर गुजरना लोगों के लिए जान जोखिम में डालने जैसा बन गया है। सड़क पर घुटनों तक पानी जमा हो गया है, जिससे पांव-पैदल चलने वाले लोगों और बाइक चालकों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। अगर यही स्थिति बनी रही, तो दोनों गांवों की लगभग दो हजार की आबादी पूरी तरह बाढ़ की चपेट में आ सकती है।

पटना में सिपाही भर्ती परीक्षा में 2 माफिया गिरफ्तार

पटना. पटना के रामकृष्णा नगर इलाके से दो परीक्षा माफिया पकड़े गए हैं। दोनों के पास से 45 अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट्स और रोल नंबर मिले हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अग्रिणी गैलेक्सी में छापेमारी की थी, जहां से दो माफिया प्रेम प्रकाश पटेल और सुबोध कुमार पकड़े गए। पूछताछ में बताया है कि 10 प्रतिशत के कमीशन पर काम करते थे। एडवांस के तौर पर 2 लाख अभ्यर्थियों से लेते थे। 5 से 6 लाख रुपए में डील होती थी। इनका बॉस कोई दूसरा है।

आरा में लव अफेयर में महिला ने की खुदकुशी

आरा (भोजपुर). भोजपुर में एक महिला ने पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। दोनों हाथ पर जले और गले पर जख्म के निशान मिले हैं। पुलिस को सूचना दिए बगैर परिजन अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पर पहुंच गए। इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची टीम ने चिता से शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मृतका की पहचान पोसवां गांव निवासी अमरेंद्र पासवान की पत्नी सुनीता देवी(30) के तौर पर हुई है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र की है।

मुजफ्फरपुर में मां और बेटे की मौत

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में करंट की चपेट में आने से मां और बेटे की मौत हो गई। 2 बच्चे बाल-बाल बच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रत्नपुर केवल गांव की है। मृतका पिंकी देवी (30) के पति मिलन राय ने बताया कि शुक्रवार देर शाम तीन बेटों के साथ जलावन लाने के लिए जा रही थी। उस समय हल्की बारिश हो रही थी। घर के पीछे अचानक बिजली के पोल में करंट फैल गया। बड़ा बेटा हंस राज(7) झटका लगने से छटपटाने लगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

गया. गयाजी में अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत हो गई। संपत्ति के विवाद में भतीजे ने बेटी-दामाद पर हत्या का आरोप लगाया है। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल मिला है। मृतक की पहचान उपरडीह पैन पर के रहने वाले विकेसर प्रसाद दांगी (55) के तौर पर हुई है। पुल पर क्षतिग्रस्त साइकिल, दूध का केन और बिखरे सिक्के मिले हैं। गुरुआ बाजार में मुंशी का काम करता था। घटना बैजूधाम पुल की है।

गयाजी में डॉक्टर तपेश्वर सिंह पर जानलेवा हमला

गया. गयाजी के शेरघाटी में चर्चित डॉक्टर तपेश्वर सिंह पर जानलेवा हमला हुआ है। जबड़े के पास बुलेट लगी है। गोली लगने के बाद खुद 3 किलोमीटर तक स्कूटी चलाकर सरकारी अस्पताल पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद खुद को गया मगध मेडिकल कालेज सह अस्पताल के लिए रेफर भी करवाया। फिलहाल खतरे से बाहर हैं। मौके से एक लोडेड पिस्टल बरामद हुआ है। घटना शेखपुरा मोहल्ले की है। डॉ. तपेश्वर शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी भी रह चुके हैं। रिटायर्ड के बाद क्लिनिक चलाते हैं। बेटे से संपत्ति का विवाद चल रहा है। इसी साल 6 जनवरी को क्लिनिक पर बमबाजी और गोलीबारी हुई थी।

छपरा जेल में डीएम-एसपी की अचानक छापेमारी

छपरा. सारण के छपरा मंडल कारा में शनिवार की सुबह प्रशासन ने औचक छापेमारी की। जिलाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक कुमार आशिष के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। छापेमारी में एसडीएम नीतेश कुमार, एसडीपीओ राजकिशोर सिंह और भगवान बाजार थाना अध्यक्ष सुभाष कुमार शामिल थे। सैकड़ों महिला और पुरुष पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। जेल अधीक्षक की अनुमति के बाद टीम ने जेल के सभी वार्डों की गहन तलाशी ली। करीब दो घंटे तक चली इस कार्रवाई में कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। हालांकि, प्रशासन को आशंका थी कि जेल में बंद कुछ कुख्यात अपराधी जिले में हो रही आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। छपरा समेत सारण जिले में बढ़ती अपराध की घटनाओं के मद्देनजर यह छापेमारी की गई। जेल अधीक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण के लिए एक सतर्कता कदम है।

पोती का पीछा करता था नाबालिग,दादा ने मार डाला

समस्तीपुर. समस्तीपुर के ताजपुर में 12 जुलाई को हुई 14 साल के प्रिंस हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड में 64 साल के एक बुजुर्ग और उसके एक साथी को अरेस्ट किया गया है। वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपी बुजुर्ग ने नाबालिग को पहले नाबालिग को बीयर पिलाई, इसके बाद धारदार हथियार से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद लाश को पोखर के किनारे फेंक दिया। 13 जुलाई को नाबालिग प्रिंस की सिर कटी लाश बरामद की गई थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पोती प्रिंस के साथ 9वीं क्लास में पढ़ती थी। प्रिंस आरोपी की पोती का पीछा करता था। जो उसे पसंद नहीं था।

'न बिजली आएगी, ना बिल आएगा... फ्री हो गई':बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री पर यूपी के मंत्री ने कसा तंज

पटना. बिहार में बिजली बिल माफ करने को लेकर यूपी के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने निशाना साधा है। मंत्री ने कहा, 'न बिजली आएगी, ना बिल आएगा... फ्री हो गई।' ये बयान उस घोषणा के दो दिन बाद आया है, जब बिहार सरकार ने राज्य में उपभोक्ताओं के लिए 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त करने का ऐलान किया है। बिहार के ADG कुंदन कृष्णन ने अपने विवादित बयान पर शनिवार को माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से किसानों को ठेस पहुंची है, तो मुझे इसका खेद है। मेरा इरादा किसान विरोधी बात कहने का नहीं था। बिहार की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। मेरे पूर्वज भी किसान थे। मैं खुद भी खेती से जुड़ा हूं और किसानों का सम्मान करता हूं।

पटना में बुजुर्ग महिला की हत्या कर डकैती

पटना. पटना में 75 साल की महिला की हत्या कर डकैती हुई है। शनिवार को शांति देवी का शव उनके घर के कमरे में मिला है। वो फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के आदर्श नगर कॉलोनी में रहती थीं। वारदात के वक्त वो घर में अकेली थीं। अपराधियों ने हत्या के बाद महिला की लाश से गहने नोच लिए। बुजुर्ग के शव से गले की चेन, कानों की बालियां गायब हैं। कमरे की अलमारी भी खुली पड़ी है। परिवार की माने तो करीब 4-5 लाख की डकैती हुई है।

पटना में गैंगस्टर हत्याकांड में कोलकाता से 3 पकड़े गए: 1 दरोगा, 2 एएसआई और 2 सिपाही सस्पेंड

बक्सर. पटना के पारस अस्पताल में 17 जुलाई को हुई गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या के मामले में शेरू गैंग के कुछ शूटर्स पकड़े गए हैं। एडीजे कुंदन कृष्णन ने कहा- पूछताछ के लिए कोलकाता के न्यू टाउन से 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो पटना पुलिस और एसटीएफ की टीम ने मिलकर पश्चिम बंगाल में ये कार्रवाई की है। बता दें कि चंदन मिश्रा की हत्या में शेरू गैंग का नाम आ रहा है। शेरू फिलहाल पश्चिम बंगाल की पुरुलिया जेल में बंद है। शेरू ने 10 लाख में चंदन मिश्रा की हत्या की सुपारी दी थी। वहीं पटना में लापरवाही बरतने वाले 1 दरोगा, 2 एएसआई और 2 सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार बिहार एसटीएफ और बंगाल एसटीएफ की टीम पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जेल गई थी। वहां जेल में बंद ओमकार सिंह उर्फ शेरू सिंह से पूछताछ की है। पूछताछ के दौरान शेरू सिंह से एसटीएफ को कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी की मिली है। बिहार की एक जेल में बंद इसके एक गुर्गे ने चंदन मिश्रा की हत्या करवाने की प्लानिंग की थी।

10 लाख में शेरू ने तौसीफ को हत्या की सुपारी दी थी

सूत्रों की माने, शेरू ने 10 लाख में तौसीफ को बक्सर के कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की हत्या की सुपारी दी थी। शूटर वारदात से 3 दिन पहले ही समनपुरा पहुंच गए थे। उन्होंने पारस अस्पताल के पीछे एक अपार्टमेंट में ठिकाना बनाया था। यह ठिकाना समनपुरा के ही एक बदमाश ने दिलाया था। हर दिन अस्पताल की रेकी की जाती थी। जांच में पता चला है कि पारस अस्पताल के कुछ स्टाफ से तौसिफ का पहले से परिचय था। कुछ महीने पहले उसका एक दोस्त पारस में ही भर्ती था। वह उससे मिलने अक्सर अस्पताल आता-जाता था। जांच टीम के घेरे में पारस अस्पताल के कुछ कर्मी भी हैं। शुक्रवार को पुलिस ने पारस अस्पताल के कुछ कर्मियों से पूछताछ की है। अस्पताल प्रशासन से पुलिस सिक्योरिटी में तैनात कर्मियों की सूची मांगी है। पुलिस ने समनपुरा से जिशान सहित पांच युवकों को उठाया है। सभी से पूछताछ हो रही है। पुलिस पटना, आरा, बक्सर, गया और झारखंड के कुछ इलाके में छापेमारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, शेरू ने तौसिफ को सुपारी दी थी। शेरू अभी पुरुलिया जेल में है। पहले वह बेऊर जेल में था। वहीं उसकी मुलाकात शूटर तौसिफ से हुई थी। जेल में दोनों के बीच दोस्ती हुई।कुछ महीने पहले तौसिफ जेल से छूटा था। इसके बाद शेरू ने पुरुलिया जेल से ही तौसिफ से संपर्क किया। योजना बताई। पुलिस की एक टीम शेरू से पूछताछ करने लिए जल्द ही पुरुलिया जेल जाएगी।चंदन 3 जुलाई को पेरोल पर बाहर आया था। 18 जुलाई की शाम तक उसे बेऊर जेल में वापस जाना था। उसे पिता की इलाज के लिए पेरोल मिला था।

इस दौरान वह कई दिनों तक गांव में रहा। पारस अस्पताल के सीसीटीवी में जो पांच शूटर दिख रहे हैं, उसमें से दो चंदन से मिलने सोनवर्षा स्थित उसके घर गए थे।

शूटर्स को पनाह देने वाले 6 आरोपी पकड़े गए

चंदन की हत्या में शूटर्स को पनाह देने वाले, हथियार और बाइक मुहैया कराने वाले छह बदमाशों से देर रात पुलिस की विशेष टीम पूछताछ करती रही। पुलिस ने फुलवारी, समनपुरा, बक्सर और आरा में छापेमारी कर शुक्रवार को 8 संदिग्धों को उठाया था। दो को पूछताछ के बाद पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया। छह के शामिल होने के कई साक्ष्य पुलिस को मिले हैं। घटना के बाद तौसिफ अपने घर गया। वहां बहन से बोला कि चलो तुमको ससुराल छोड़ देते हैं। इसके बाद बहन को गया स्थित उसके ससुराल पहुंचाया। बहन के ही फोन से किसी से बात की। फिर गया से फरार हो गया। पुलिस की टीम तौसिफ के पिता, उसकी बहन और उसके दो दोस्तों से पूछताछ कर रही है। पुलिस समनपुरा में निशु खान के घर पर भी छापेमारी की है। मालूम हो कि 17 जुलाई को पारस अस्पताल के 209 नंबर कमरे में पांच हथियारबंद अपराधी घुसे और चंदन मिश्रा को गोलियों से छलनी कर दिया।

पटना में कांग्रेस के रोजगार मेले में उमड़ी युवाओं की भीड़, अल्लावारू बोले- सरकार आई तो लाखों नौकरियां देंगे

पटनाः बिहार चुनाव में रोजगार और नौकरी का मुद्दा सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आ रहा है। नीतीश सरकार ने जहां अगले 5 साल में एक करोड़ से ज्यादा नौकरी और रोजगार देने का दावा किया है, तो वहीं अब महागठबंधन की सहयोगी कांग्रेस ने भी शनिवार को पटना के ज्ञान भवन में महा रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें हजारों की तादाद में युवा पहुंचे। मेले में युवाओं की भारी भीड़ रोजगार की तलाश में पहुंची। इस मेले में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त कई कंपनियों ने हिस्सा लिया और प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

इस मौके पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि बिहार में नौकरी और पलायन सबसे बड़ा मुद्दा है। जिसको हमने 'नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा' के जरिए उठाया है। जिम्मेदार विपक्ष के नाते हम सिर्फ समस्यायों को हाइलाइट नहीं कर रहे, बल्कि समाधान भी निकाल रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए रोजगार मेला हमारा छोटा सा प्रयास है, कि बिहार के आम लोगों को रोजगार कैसे दिया जा सके। अगर हम सरकार में आएंगे तो यही काम लाखों की तादाद में करेंगे। अल्लावारू ने कहा कि रोजगार मेले में एप्लीकेशन बहुत ज्यादा होते हैं। सेलेक्शन का काम प्राइवेट कंपनियों का होता है। हमारा काम प्राइवेट कंपनियों और युवाओं को मिलाना है। जिस युवा में जितनी सामर्थ्य है, और कंपनियों की जो जरूरतें हैं। उसके मुताबिक जरूर नौकरियां मिलेंगी। हमारा प्रयास समस्या का समाधान देने का है। भले ही कुछ हजारों युवाओं को नौकरी मिलेगी। लेकिन हमारी सरकार बनती है, तो और ताकत से समस्या का हल ढूंढेंगे। वहीं कांग्रेस के रोजगार मेला पर पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि तथाकथित रोजगार मेले की असलियत अब सबके सामने आ चुकी है। जिस आयोजन को युवाओं के भविष्य से जोड़ा जा रहा था, वह महज एक चुनावी नौटंकी निकली। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस के इस मेले में अभ्यर्थियों से उनका विधानसभा क्षेत्र पूछा जा रहा है। सवाल साफ है क्या नौकरी देने के लिए योग्यता देखी जा रही है या वोट बैंक की राजनीति हो रही है?

पुरुष दोस्त संग वाटरफॉल घुमने गई थीं महिला सीओ, लफंगों ने की बदसलूकी

सासाराम . पर्यटन स्थल गीता घाट आश्रम घुमने गए सूर्यपुरा की महिला सीओ और उनके साथ गए रिविलगंज सीओ के साथ लफंगों द्वारा बदसलूकी का मामला सामने आया है। उनसे मारपीट,धक्का-मुक्की की गयी और मोबाइल छीन लिया गया। बताया जाता है कि दरिगांव थाना क्षेत्र के कैमूर पहाड़ी की तलहटी में बसे गीताघाट आश्रम के समीप गुरूवार शाम सीओ के साथ अन्य दो लोग जलप्रपात देखने गए थे। घटना का वीडियो बनाकर लफंगों ने वायरल कर दिया। लाइव हिंदुस्तान वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। इस मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल गुरुवार की शाम को सूर्यपूरा की महिला अंचलाधिकारी अपने एक मित्र रिविलगंज के सीओ के साथ कैमूर पहाड़ी पर गीता घाट वॉटरफॉल की और गई हुई थी। इसी दौरान आसपास के ही कुछ लफंगों ने निजी कार से पहुंची महिला अंचलाधिकारी के साथ अपशब्द का प्रयोग किया। विरोध करने पर सात आठ की संख्या में लफंगे एकत्र हो गए तथा महिला अधिकारी की गाड़ी पर हमला कर दिया। यहां तक की गाड़ी के शीशे पर मुक्का से प्रहार किया जाने लगा। साथ ही सड़क के आगे बाइक गिराकर रास्ता रोक दिया गया। लफंगों ने कौशल कुमार का मोबाइल और महिला सीओ का बैग भी छीन लिया। हालांकि वीडियो में दोनों सामान थाना पर जमा कराने की बात युवकों क ओर से कही जा रही है। महिला सीओ ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। वही इस संबंध में केस दर्ज किया गया है, उसमें 6 लोगों को आरोपी बनाया गया है। अंचलाधिकारी से छिना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है।

5 लाख कर्ज, परिवार ने खाया जहर, 4 की मौतःनालंदा में पत्नी और बेटियों को जलील करते थे सूदखोर, पति ने सबको सल्फास खिलाया

नालंदा. नालंदा के पावापुरी में शुक्रवार की शाम जलमंदिर के पास एक ही परिवार के 5 लोगों ने जहर खा लिया। इसमें 4 लोगों की मौत हो चुकी है। 2 बेटियों दीपा (16), अरिमा कुमारी (14) ने शुक्रवार रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। देर रात मां सोनी कुमारी (38) और बेटे शिवम (14) की भी मौत हो गई। सभी का भगवान महावीर अस्पताल (विम्स) में इलाज चल रहा था। पति धर्मेन्द्र कुमार अस्पताल में भर्ती है। उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है। पत्नी सोनी कुमारी का मौत से पहले का वीडियो सामने आया है। इसमें वो बताती है कि 'अजय कुमार और धर्मेंद्र कुमार पैसे मांग रहे थे। वो परिवार को टॉर्चर कर रहे थे। बताया जा रहा है कि परिवार 5 लाख का कर्ज था। परिवार में 6 लोग थे। सबसे छोटे बेटे ने बताया कि, 'पिता ने ही सभी को सल्फास की गोलियां खिलाई थीं।' अस्पताल में भर्ती धर्मेंद्र ने बताया कि '6 महीने पहले रामू से साढ़े 3 लाख रुपए 10% ब्याज पर लिए थे। उसी के साथ पार्टनर पर गिरियक बाजार में बड़े कपड़े की दुकान खोलने की बात चल रही थी। जिसमें लगभग 20 लाख रुपए की लागत आ रही थी। जब मैंने दुकान की लागत और उसमें आने वाले ब्याज को देखा तो दुकान खोलने का विचार मन से निकाल दिया।' 'इसके बाद रामू अक्सर परेशान करने लगा। कभी राह चलते तो कभी दुकान और घर पर आकर भी ब्याज के रुपए के लिए टॉर्चर किया करता था। रामू को हर महीने 15 हजार का ब्याज भरना पड़ रहा था।' 'पत्नी से भी वह बदसलूकी से बात करता था। इन्हीं बातों से आहत होकर बाजार से सल्फास की गोली खरीद लाया और फिर मंदिर के पास जाकर परिवार के साथ गोली खा ली। रामू कभी अकेले तो कभी 10 लोगों के साथ आकर गालियां देता था।' 'दशरथपुर गांव के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार से भी 3 महीने पहले 10% ब्याज पर 2 लाख रुपए कर्ज लिया था। वह हर महीने ब्याज लेने आता था और उल्टा सीधा बोलकर जाता था।

मृतका सोनी देवी के भाई विकास कुमार ने बताया- 'जहर खाने के बाद सबसे पहले मेरी बहन ने शाम 5:10 बजे के आसपास मुझे फोन किया। उसने बताया कि पूरे परिवार ने जहर खा लिया है, लेकिन छोटे लड़के ने नहीं खाया है।' 'हम सब नहीं बचेंगे, तुम आकर इसे ले जाओ। हो सकता है इसको कोई मार सकता है। मैं तुरंत अपने गांव से निकला। जब पहुंचा तो सभी अस्पताल में भर्ती थे, सभी की हालत गंभीर थी।'

महिला थानेदार निगरानी के हत्थे चढ़ी, केस रफा-दफा करने को ले रही थी 20 हजार; 40 हजार का सौदा

समस्तीपुर. बिहार में एक और घूसखोर लोकसेवक को निगरानी टीम ने घूस लेते रंगे हाथ दबोच लिया। समस्तीपुर में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए महिला थानाध्यक्ष पुतुल कुमारी को 20 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया। टीम ने महिला थाना में छापेमारी की और थानाध्यक्ष व उसके वाहन चालक गुड्डू कुमार को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार थानाध्यक्ष मोतिहारी जिले की है। निगरानी डीएसपी राजेश कुमार ने बताया कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छतौना गांव निवासी राजीव रंजन ने निगरानी थाना को शिकायत किया था कि उनके गांव की एक महिला द्वारा महिला थाना में एक आवेदन दिया गया था। इसके बाद थानाध्यक्ष ने राजीव रंजन को नोटिस भेजकर थाने पर बुलाया और मामले को रफा-दफा करने के लिए 40 हजार रुपये की मांग की। हालांकि मामला 20 हजार रुपये में तय हो गया। घटना को लेकर पहले कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी, लेकिन राजीव रंजन ने 10 जुलाई को निगरानी विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जांच में मामला सत्य पाया गया, जिसके बाद विजिलेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित राजीव रंजन ने बताया कि उनके गांव की पूजा कुमारी नामक महिला उन्हें लगातार परेशान करती थी। इस कारण उन्होंने मुफस्सिल थाना में एक आवेदन दिया था। महिला थानाध्यक्ष ने उन्हें 1 जुलाई को नोटिस देकर बुलाया, लेकिन वह पत्र उन्हें 7 जुलाई को मिला। जब वह 8 जुलाई को थाने पहुंचे, तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। मामले को रफा-दफा करने के लिए 40 हजार रुपया की मांग की गई, लेकिन बाद में मामला 20 हजार पर सेट हो गया।

पटना एम्स के हॉस्टल में डॉक्टर ने किया सुसाइड

पटना. पटना एम्स के हॉस्टल में डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया है। वो MS फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट थे। बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह वो बेहोशी का इंजेक्शन लेकर सो गए। सुबह में 4-5 घंटे कमरे का गेट नहीं खुला तो दोपहर में साथियों ने एम्स प्रशासन को सूचना दी। फिर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस की मौजूदगी में गेट खोला गया। अंदर पहुंचे तो बेड पर बॉडी पड़ी मिली। फिर इमरजेंसी वार्ड लाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक की पहचान यदुवेंदु शाह के रूप में हुई है। वो ओडिशा का रहने वाले थे। उन्होंने इसी साल जनवरी में पटना एम्स में एडमिशन लिया था। एम्स के सीनियर डॉक्टर ने नाम नहीं छापने के रिक्वेस्ट पर बताया, 'यदुवेंदु ने एनेस्थीसिया इंजेक्शन का ओवरडोज लिया था। इंजेक्शन लेने के बाद 4-5 घंटे तक वो बेसुध अपने कमरे में पड़े रहे। दरवाजा तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया तो वो पूरी तरह से अनकॉन्शियस थे। आनन-फानन में इमरजेंसी वार्ड में लाया गया। सीपीआर दी गई, पानी चढ़ाया गया।

पत्नी से कहा- कल फोन करूंगा, मौत की खबर आईः पिता ने दी मुखाग्नि

हाजीपुर (वैशाली). वैशाली के जवान की जैसलमेर में ट्रेनिंग के दौरान टैंक में पानी भरने से मौत हो गई। शनिवार को जवान कुमार रजक (40) का पार्थिव शरीर उनके गांव भगवानपुर के सराय थाना क्षेत्र के पौड़ा गांव पहुंचा। पार्थिव शरीर के गांव में पहुंचते ही भारत माता के नारे लगने लगे। देश भक्ति के गीत बजे। लोग हाथों में तिरंगा लिए खड़े रहे। जैसे ही पार्थिव शरीर दरवाजे पर पहुंचा, मां बेसुध होकर जमीन पर गिर गईं। पत्नी का भी रो-रोकर

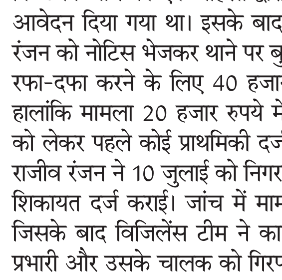

बुरा हाल था। बहनें भाई की पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ीं। तिरंगे में लिपटा जवान का पार्थिव शव जब गांव की गलियों से निकला तो छतों से फूल बरसे। अंतिम यात्रा में हजारों की भीड़ उमड़ी। कुमार रजक को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। हाजीपुर कौनहार घाट पर पिता ने बेटे को मुखाग्नि दी। जवान की पत्नी ने बताया- '6 जुलाई की रात 11 बजे पंकज का फोन आया था। उन्होंने कहा था कि कल फोन करूंगा। लेकिन अगले दिन इंतजार करती रह गई। 4 बजे फोन की तो वहां के स्टाफ बोले पंकज बेहोश है। जोधपुर लेकर जा रहे है, होश आएगा तो बात करवा देंगे। लेकिन फिर उनसे बात नहीं हुई।' 'पंकज आखरी बार 25 अप्रैल को एक महीने की छुट्टी पर घर आए थे। लेकिन 15 दिन बाद ही आपात स्थिति में उन्हें वापस बुला लिया गया। सावन के आखरी सप्ताह में फिर से घर आने वाले थे। बोले थे- घर आएंगे तो बोल-बम जाएंगे।' जवान के भाई विपिन कुमार ने बताया- 'भइया जब घर आए थे, तब ही मेरी आखरी बार उनसे बात हुई थी। वो बोल के गए थे घर में सबका ख्याल रखना। विपिन ने कहा कि सब मुझे छोड़कर चला गया। मैं अकेला रह गया।'

क्लास में कबाड़ देखकर एस सिद्धार्थ भड़के; कहा- ये चिंता का विषय

बेगूसराय. शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ आज बेगूसराय पहुंचे। इन्होंने बरौनी प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय असुरारी और उच्चतर माध्यमिक स्कूल असुरारी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों की संख्या की प्रशंसा की। साथ ही स्कूल के व्यवस्था में गड़बड़ी देखकर जमकर फटकार भी लगाई। एस. सिद्धार्थ सबसे पहले मध्य विद्यालय असुरारी पहुंचे। यहां उन्होंने सभी क्लास रूम में जाकर व्यवस्था को देखा। स्कूल परिसर की भी स्थिति उन्होंने देखी। जिसमें बड़ी गड़बड़ी पाई गई। स्कूल के कमरों में पंखा नहीं चल रहा था, तो बल्ब भी नहीं लगे थे। पीने के पानी की

समस्या थी। कुछ कमरे में क्लास चलने के बदले कबाड़ गोदाम बनाया गया था। एक कमरा में किताब भरा हुआ था, तो दूसरे कमरे में टूटे बेंच और व्हीलचेयर रखे हुए थे। इसे देखकर अपर मुख्य सचिव ने जमकर फटकार लगाई। इन्होंने कहा कि ये चिंता का विषय है। वे पेयजल की व्यवस्था लेने निकले, तो एक-एक नल को चलाकर खुद से देखा। नल से पानी नहीं आ रहा है। गार्ड से चापाकल चलवाकर निरीक्षण किया गया है।

प्रिंसिपल व अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए

चापाकल को खुद चलाने के साथ ही अपने सुरक्षा गार्ड से भी एसीएस ने चलवाया। नल से पानी नहीं आ रहा था और न ही चापाकल चल रहा था। इस दौरान गंदगी देखकर एस. सिद्धार्थ भड़क उठे। प्रिंसिपल व अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। मध्य स्कूल के बाद सिद्धार्थ उच्चतर माध्यमिक स्कूल असुरारी पहुंचे। क्लास में छात्रों से अधिक ऊंचाई का बोर्ड देख अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। एसीएस ने कहा कि सही जगह पर बोर्ड लगे। जिससे शिक्षक और छात्र दोनों सही तरीके से लिख सके। उन्हें असुविधा नहीं हो। इस दौरान डीएम तुषार सिंगला, डीईओ मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। दोनों स्कूलों का जायजा लेने के बाद एस. सिद्धार्थ ने कहा कि विद्यालय का निरीक्षण करने आए थे, यहां बच्चे अच्छी संख्या में हैं। देखने आए थे कि स्कूलों में क्या है और विकास के लिए और क्या कुछ हो सकता है। ऊपर क्लास का जो भी सेक्शन है और टीचर की व्यवस्था का जायजा लिया है। विद्यालय के मेंटेनेंस की स्थिति अच्छी नहीं है। मेंटेनेंस की हालत ठीक करने का निर्देश दिया गया है। हम लोग चाहते हैं कि गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई हो। लोग स्कूल में कम कमरे की बात करते हैं, लेकिन जहां कमरा है, वहां कबाड़ भरा रहता है, यह चिंता का विषय है। यहां कमरे में पढ़ाई कराने के बदले कचरा भरकर रखा गया है, यह अच्छी बात नहीं है। हमने प्रिंसिपल को सफाई रखने का निर्देश दिया है।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, रविवार, 20 जुलाई, 2025

6

www.ksnewsupdates.com

जब हाईकोर्ट का जज सुप्रीम कोर्ट से न्याय मांगे

भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है। जब एक हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट और न्याय की कार्यप्रणाली को असंवैधानिक बता दिया है। वह शीर्ष अदालत से न्याय मांगने पहुंचे हैं। यह मामला जितना कानूनी है, उतना ही संस्थागत, नैतिक और संवैधानिक संकट को भी दर्शाता है। संविधान प्रदत्त न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र की विश्वसनीयता और मूल सिद्धान्त पर भी एक प्रश्न चिन्ह है। जस्टिस वर्मा के दिल्ली आवास पर "जली हुई नकदी" कांड के बाद गंभीर सवाल खड़े है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस कमेटी की जांच में उनके खिलाफ ठोस आरोप सामने आए। उनके आवास से नकदी मिलना, असामान्य व्यवहार, सबूतों को लेकर सवाल और जांच में जस्टिस वर्मा का सहयोग नही करने का उल्लेख है। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने उन्हें जज के पद से हटाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने वर्मा को इस्तीफा देने का मौका दिया था। वर्मा ने पेशकश नहीं मानी उन्होंने अंतिम दांव चलते हुए खुद सुप्रीम कोर्ट में इन हाउस जांच प्रक्रिया को असंवैधानिक घोषित करने की याचिका सुप्रीम कोर्ट में पेश की है। एक हाईकोर्ट जज ही न्यायपालिका की प्रक्रिया पर भरोसा नहीं कर रहा है। फिर आम आदमी न्यायपालिका से क्या उम्मीद करे? वर्मा का कहना है, संसद के अनुच्छेद 124 और 218 के अंतर्गत ही न्यायाधीशों को पद से हटाने की शक्ति निहित है। सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच असंवैधानिक है। उन्होंने न्याय प्रक्रिया के मूल सिद्धांत, प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन करने का आरोप जांच करने वाले न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश पर लगाया है। सवाल यह है, क्या यह एक दोषी व्यक्ति के बचाव की रणनीति है, या वाकई संवैधानिक बहस की जरूरत? क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ कोई साजिश रची गई है। उस साजिश के तहत यह सब किया जा रहा है। यदि वर्मा दोषी हैं, तो उन्हें कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए। यदि न्यायपालिका की प्रक्रिया में खामियां हैं, तो उनमे बहस और सुधार जरूरी है। बर्मा ने अपनी याचिका में जिस तरह के तथ्य रखे हैं। अपराध की जिस तरह से जांच होनी चाहिए। उन नियमों का पालन उनके आरोपों पर नहीं किया गया है। यह भी स्पष्ट रूप से याचिका मे प्रदर्शित हो रहा है। यह मामला सिर्फ वर्मा बनाम सुप्रीम कोर्ट का नहीं है। न्यायपालिका की आंतरिक पारदर्शिता, संविधान के प्रति जवाबदेही तथा नागरिक के मौलिक अधिकारों से संबंधित है। संविधान सम्मत न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका की भी अग्निपरीक्षा है। देश देख रहा है, क्या सुप्रीम कोर्ट न्यायपालिका को निष्पक्ष न्याय का प्रतीक बनाकर रख पायेगा। या न्यायपालिका की साख को संस्थागत घेरे में चुप्पी साध कर इस मामले को रफा दफा करने का प्रयास करेगा। पिछले एक दशक में न्यायपालिका जिस दबाव में कार्य कर रही है। न्यायपालिका की कार्यवाही सुझाव और फैसला भी आए दिन चर्चाओं में बने रहते हैं। पिछले एक दशक में सरकार के प्रति न्यायपालिका का झुकाव यह साबित करता है। न्यायपालिका के ऊपर वह भरोसा आम आदमियों को नहीं रहा, जो न्यायपालिका को लेकर 2014 के पहले था। सरकार भी जब बार-बार यह कहती है, सरकार से सहमत नहीं हो तो कोर्ट चले जाओ। पिछले एक दशक में जिस तरह की कार्यवाही न्यायपालिका की होनी चाहिए थी। वह नहीं हुई। न्यायपालिका से सरकार को समय-समय पर संरक्षण मिलता रहा है। जस्टिस लोया जैसे मामले में भी न्यायपालिका ने जिस तरह से फैसला किया। उसके बाद यह माना जाने लगा न्यायपालिका के ऊपर यह सरकार का दबाव है। पिछले एक दशक में कॉलेजियम की अनुशंसाओं पर सरकार ने जिस तरह का पलीता लगाया है। वह भी जग जाहिर है। सरकार अब न्यायपालिका को शायद अपने अधीनस्थ मानकर चल रही है। सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्य कारण बताकर बंद लिफाफे में जानकारी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दे रही है। सरकार की जांच एजेंसियों द्वारा असंवैधानिक रूप से जो कार्यवाही की गई है। उस पर भी न्यायपालिका लंबे समय तक चुप्पी साध कर रखती है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में भी अभी तक यह उजागर नहीं हुआ है, कि उनके यहां जले हुए नोट कितने थे, वह नोट कहां से आए थे, उसके संबंध में फायर ब्रिगेड और दिल्ली पुलिस ने सारी जानकारी एकत्रित क्यों नहीं की। जिसके कारण जस्टिस वर्मा को यह कहने का मौका मिल रहा है, कि उन्हें फसाया गया है। उनके खिलाफ यह एक साजिश है। जांच प्रक्रिया का पालन सही तरीके से नहीं किया गया। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के ऊपर जिस तरह से उन्होंने संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं करने का तथ्य अपनी याचिका में पेश किया है। उससे न्यायपालिका की साख पर प्रश्न चिन्ह लगा है। जैसे वर्मा ने अपने बचाव के लिए जिस तरह से न्यायपालिका और सरकार के बीच का संघर्ष उजागर किया है। इसमें फैसला कुछ भी हो, भारत की न्यायिक परंपरा या तो मजबूत होगी, या और कमजोर होगी। जिस तरह की स्थितियां वर्तमान में देखने को मिल रही हैं। उसमें बार-बार विपक्ष संविधान को खत्म करने जैसी बात कर रहा है। न्यायपालिका की कमजोरी का लाभ, सरकार और कार्यपालिका उठा रही है। आम लोगों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।न्यायपालिका और संविधान के प्रति लोगों का विश्वास डिग गया है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। जस्टिस वर्मा की याचिका के मंथन से अमृत निकलेगा या विष निकलेगा। इसके लिए समय का इंतजार करना ही पड़ेगा। समय के साथ सारी चीजों में परिवर्तन आता है, स्थायी कुछ भी नहीं है।

तीन चीज़ें : सबसे गंदी सबसे क़रीब सबसे अज़ीज़

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में स्वच्छ व साफ़ सुथरा रहने की हरसंभव वह कोशिशें करता है जिससे वह स्वस्थ व आरोग्य रह सके। नित्य नहाना धोना,साफ़ सुथरे कपड़े पहनना,साफ़ जगह पर बैठना,स्वास्थ्य वर्धक खाद्य सामग्री ग्रहण करना,स्वास्थ्यकारी वातावरण में रहना आदि सब इन्हीं स्वच्छता सम्बन्धी उपायों के मद्देनज़र किया जाता है। परन्तु क्या आप जानते कि स्वच्छता सम्बन्धी सभी उपायों को अपनाने के बावजूद हमें अपने जीवन में रोज़ाना दिन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जबकि जाने अनजाने में हम गंदिगी ही नहीं बल्कि घोर गंदिगी के शिकार हो जाते हैं। बल्कि हम चाहते हुये भी इनका शिकार होने से भी नहीं बच पाते? और ऐसी तीन चीज़ें हर समय हमारे साथ रहती हैं जिन्हें न तो हम बार बार धो सकते हैं न ही इन्हें साफ़ करने के कोई उपाय अपना सकते हैं और न ही इनकी उपेक्षा कर सकते हैं । इनमें सबसे पहला है हमारा अपना दोनों हाथ। हम सारा दिन अपने हाथों से क्या क्या छूते हैं ,किस किस से हाथ मिलाते हैं,शरीर के किन भागों पर हाथ लगाते हैं,कब सिर,कान नाक आँख फोड़ा फुंसी सहलाते या खुजलाते हैं,कब कुत्ता बिल्ली या अन्य किसी जानवर पक्षी से अपना प्यार जताते हैं। कार स्कूटर चप्पल जूतों में कब कहाँ हाथ लगते हैं,हमें कुछ ध्यान नहीं रहता। और खाने पीने में अपने उन्हीं हाथों का प्रयोग हम दिन भर करते रहते हैं। इसी तरह दूसरी चीज़ है नोट अर्थात करेंसी। यह किन किन हाथों से होकर कहाँ कहाँ पहुँचती है किसी को नहीं पता। परन्तु हर व्यक्ति इन आवारा गर्दी करने वाली करेंसी को अपनी छाती से लगाकर रखता है। कई लोग तो नोट गिनते समय उंगलियों के साथ अपने थूक का भी इस्तेमाल करते हैं। निश्चित रूप से नोट अर्थात करेंसी भी घोर गंदी होने के बावजूद हमारी सबसे प्रिय चीज़ है। जिससे दूरी बनाकर रखना या इसे स्वच्छ रूप में रख पाना हमारे लिये बिल्कुल असंभव है। तीसरी चीज़ है हमारा मोबाईल या सेल फ़ोन। हमारे आधुनिक जीवन का यह हमसफ़र हर व्यक्ति से उसके बीवी बच्चों व माता पिता से भी क़रीबी स्थान बना चुका है। बाथरूम से लेकर डायनिंग टेबल तक हर जगह साथ रहता है। और आपके पहले सबसे अज़ीज़ हमसफ़र यानी हाथ की रौनक़ बना रहता है। कई बार खाना खाते समय कोई फ़ोन काल आ जाती है तो लोग खाने के दौरान ही फ़ौरन कॉल रिसीव करते हैं। इसकी भी नित्य सफ़ाई का निर्धारित तरीक़ा शायद ही कोई अपनाता हो। गोया गंदे हाथों में गन्दा मोबाईल और गंदे हाथों में गंदी करेंसी,और कभी कभी हमारे जेब में एक साथ इकट्ठी यह तीनों गंदी चीज़ें, अधिकांश लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इससे निजात पाना असंभव नहीं तो बेहद मुश्किल ज़रूर है परन्तु हमें स्वस्थ रहने के लिये गंदिगी के इस कुचक्र से निजात पाने के उपाय ज़रूर करने चाहिये।

सावन मास का आध्यात्मिक महत्व एवं भगवान शिव की महिमा

> सावन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय लोक-संस्कृति का भी एक उल्लासमयी पर्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस महीने को बहुत उल्लास से मनाती हैं। झूले पड़ते हैं, सावन के गीत गूंजते हैं—"कजरी", "झूला", "सोहर" जैसी लोक विधाओं में शिव-पार्वती का वर्णन होता है। स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और सौंदर्य के प्रतीकों के माध्यम से शिव-पार्वती के सौभाग्य की कामना करती हैं। यह मास स्त्री-शक्ति के भी जागरण का समय होता है, जब गौरी के रूप में नारियों की साधना की जाती है। सावन का महीना योग, ध्यान और तपस्या का सर्वोत्तम काल है।

पूनम चतुर्वेदी शुक्ला

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक ऋतु, माह, दिन और क्षण का एक विशिष्ट धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसी क्रम में 'सावन मास'—जो कि वर्षा ऋतु के मध्य में आता है—एक ऐसा पवित्र कालखंड है जो पूर्णतः भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन मास में वातावरण का नैसर्गिक सौंदर्य, वर्षा की शीतलता, धरती की हरियाली, मनुष्य के भीतर भक्ति की ऊर्जा को जाग्रत करती है। भारतीय पंचांग के अनुसार यह महीना चातुर्मास का आरंभिक काल होता है, जिसे धर्म और तपस्या का काल कहा जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, नेपाल और शिवभक्तों के लिए सावन मास अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इसी समय भगवान शिव की आराधना की जाती है और कांवड़ यात्रा जैसी श्रद्धा से परिपूर्ण परंपराएं आरंभ होती हैं।

हिंदू धर्म में सावन मास को 'श्रावण मास' के रूप में जाना जाता है और यह मास पूर्णतः शिव भक्ति के लिए आरक्षित माना जाता है। पुराणों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान जब हलाहल विष निकला था, तब संपूर्ण ब्रह्मांड को उसकी ज्वाला से बचाने हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ कहलाए। सावन मास में इसी घटना का स्मरण करते हुए भगवान शिव को जलाभिषेक किया जाता है ताकि उनकी तपन को शीतलता मिल सके। यह जलाभिषेक भक्तों द्वारा गंगाजल, दूध, शहद और अन्य पवित्र द्रव्यों से किया जाता है।

इस मास में सोमवार का विशेष महत्व होता है जिसे 'श्रावण सोमवर' कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि सावन के सोमवार को विधिपूर्वक उपवास रखकर शिवजी की पूजा-अर्चना करने से इच्छित फल की प्राप्ति होती है। स्त्रियां सौभाग्य की प्राप्ति और सुयोग्य वर की कामना से यह व्रत करती हैं, जबकि पुरुष भी आरोग्य, समृद्धि और आत्मिक शुद्धि के लिए इस व्रत को रखते हैं।

भगवान शिव केवल एक देवता नहीं बल्कि एक तत्त्व हैं—वह ब्रह्मांड के अद्वैत सिद्धांत के जीवंत प्रतीक हैं। वे संहारक हैं, परंतु उसी संहार में नवसृजन की संभावना छिपी होती है। वे योग के आदि स्रोत हैं—आदि योगी, आदि गुरु। शिव की उपस्थिति ध्यान, मौन और आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया में होती है। शिव का हर स्वरूप, हर प्रतीक एक गूढ़ दार्शनिक भाव लिए हुए है। त्रिशूल उनके तीन गुणों—सत्व, रज और तम—पर नियंत्रण का प्रतीक है। डमरू से सृष्टि की ध्वनि—'नाद' उत्पन्न होती है, जिससे सृष्टि के बीज मंत्र निकलते हैं। जटाजूट से बहती गंगा जीवन और पवित्रता का संकेत देती है। वृषभ (नंदी) उनके वाहन रूप में धर्म, संयम और सेवा का प्रतीक है। श्मशान में निवास करने वाले शिव इस बात का बोध कराते हैं कि जीवन और मृत्यु का भेद कृत्रिम है—परम सत्य केवल आत्मा है जो अमर है।

सावन का महीना केवल पूजा का समय नहीं होता, यह आत्मान्वेषण, शुद्धिकरण और ध्यान का उपयुक्त काल होता है। वर्षा के शीतल जल की तरह यह महीना मन को भी शीतलता प्रदान करता है। जल की बूँदों की तरह शिव की कृपा भी भक्तों पर बरसती है। भौतिक जगत की कोलाहल से अलग होकर जब व्यक्ति शिव के ध्यान में लीन होता है, तब उसे परम शांति का अनुभव होता है। शिव को अर्धनारीश्वर रूप में भी पूजा जाता है, जो जीवन के संतुलन का प्रतीक है—पुरुष और स्त्री, शक्ति और शिव, संकल्प और क्रिया—सभी का एकत्व। सावन मास में प्रकृति भी इसी संतुलन की झलक देती है—धरती की प्यास बुझती है, आकाश नाचता है, पेड़ हरे-भरे होते हैं और जीव-जंतु उल्लासित होते हैं। यह सब शिव की जटाओं से बहती कृपा के ही रूप हैं।

सावन मास में 'कांवड़ यात्रा' एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान होता है जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगोत्री, हरिद्वार, गढ़मुक्तेश्वर, देवघर आदि से गंगाजल लेकर पैदल यात्रा करके शिवलिंगों पर जल चढ़ाते हैं। ये भक्त कांवड़िए कहलाते हैं और पूरे अनुशासन, ब्रह्मचर्य और नियमों का पालन करते हुए यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक आयोजन होती है बल्कि संयम, श्रद्धा और समर्पण का ऐसा उदाहरण होती है जो भारत की आध्यात्मिक चेतना को प्रमाणित करती है। 'शिव महापुराण' में सावन मास की महिमा अत्यंत भावपूर्ण रूप से वर्णित है। इसमें कहा गया है कि इस मास में एक बार 'ओम् नमः शिवाय' का जप करने से सहस्त्र बार जपने के समान फल प्राप्त होता है। इस मास में बिल्वपत्र, धतूरा, आक, गंगा जल और भस्म से की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। शिवपुराण के अनुसार श्रावण मास में शिव का पूजन करने वाला जीव इस जीवन में भी सुख प्राप्त करता है और मृत्यु के बाद शिवलोक को प्राप्त करता है।

सावन केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह भारतीय लोक-संस्कृति का भी एक उल्लासमयी पर्व है। विशेष रूप से महिलाएं इस महीने को बहुत उल्लास से मनाती हैं। झूले पड़ते हैं, सावन के गीत गूंजते हैं—"कजरी", "झूला", "सोहर" जैसी लोक विधाओं में शिव-पार्वती का वर्णन होता है। स्त्रियां हरी चूड़ियां पहनती हैं, हाथों में मेहंदी लगाती हैं और सौंदर्य के प्रतीकों के माध्यम से शिव-पार्वती के सौभाग्य की कामना करती हैं। यह मास स्त्री-शक्ति के भी जागरण का समय होता है, जब गौरी के रूप में नारियों की साधना की जाती है। सावन का महीना योग, ध्यान और तपस्या का सर्वोत्तम काल है। भगवान शिव को योग का अधिपति माना जाता है। 'शिव सूत्र' और 'विज्ञान भैरव तंत्र' जैसे ग्रंथों में शिव ने ध्यान और योग की विविध विधियों को बताया है, जिनका अभ्यास विशेष रूप से सावन में किया जाता है। इस मास में शरीर और मन का शुद्धिकरण करते हुए उपवास, प्राणायाम और मंत्रजप से व्यक्ति शिव के समीप पहुंच सकता है। महाशिवरात्रि की तरह सावन भी एक रात्रि रूपी अंधकार को चीरकर आत्मा के उजाले की ओर ले जाने वाला अवसर है। भगवान शिव का तपस्वी रूप, उनका वैराग्य, उनका मौन और उनका करुणा से परिपूर्ण स्वरूप, साधक को आत्मा के मूल स्वरूप की याद दिलाता है। भगवान शिव को 'महादेव' कहा गया है—देवों के देव। वे शक्ति और शांति, विनाश और सृजन, ध्यान और तांडव, करुणा और न्याय का समन्वय हैं। उनका स्वरूप हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन, संयम, स्वच्छता और साधना के बिना ईश्वरत्व प्राप्त नहीं होता। शिव वह जड़ नहीं हैं जो केवल मूर्तियों में समाहित हैं, वे चेतना हैं, जो हर व्यक्ति के भीतर विद्यमान है। उनका आशीर्वाद केवल पूजा से नहीं, जीवन के आचरण से प्राप्त होता है।

क्या बिहार में सुशासन अब जंगलराज में बदल रहा है?

> बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है।

ललित गर्ग

बिहार में एक बार फिर कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। बेखौफ अपराधियों का आतंक, दिन-दहाड़े हत्याएं, लूट, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध यह संकेत दे रहे हैं कि 'सुशासन बाबू' के नाम से मशहूर नीतीश कुमार का प्रशासन कहीं अपने वादों और आदर्शों से भटकता नजर आ रहा है।

आगामी विधानसभा चुनाव की दस्तक के बीच आमजन में यह सवाल तेजी से उभर रहा है कि क्या बिहार में सुशासन अब फिर से जंगलराज में तब्दील हो रहा है? क्योंकि व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई लगातार हत्याओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस इन घटना के लिए अवैध हथियारों और गोला-बारूद की व्यापक उपलब्धता को ज़िम्मेदार ठहरा रही है, पुलिस के उच्च अधिकारियों के कुछ बेतूके बयान हास्यास्पद एवं शर्मनाक होने के साथ चिन्ताजनक है। उनके हिसाब से जून में ज्यादा वारदात होती हैं, क्योंकि मॉनसून आने के पहले तक किसान खाली बैठे होते हैं। राज्य की राजधानी पटना के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में दिनदहाड़े 5 शूटर्स ने जिस तरह एक गैंगस्टर की हत्या की, उससे यही लगता है कि कानून-व्यवस्था का डर खत्म हो चुका है। पिछले 10 दिनों में एक के बाद एक कई आपराधिक घटनाओं में व्यापारी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, एक 60 वर्षीय महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई हत्याओं ने चुनावी राज्य को हिलाकर रख दिया है।

बिहार में कानून और व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर है। विपक्ष, खासकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस, जहां नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर लगातार हमलावर है, वही एनडीए इन मुद्दों पर जबावी एवं रक्षात्मक हमला करते हुए चुनाव पर इनके असर को बेअसर करने में जुटी है। लालू यादव के शासनकाल के 'जंगलराज' की भी याद दिलाने की कोशिश एनडीए की पार्टियां कर रही है ताकि विपक्ष इन मामलों पर ज्यादा हावी ना हो। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का कहना है कि बिहार की जनता लालू राज में जो जंगलराज था, उसे भूली नहीं हैं। विपक्ष चाहे जो भी आरोप लगाए बिहार में आज सुशासन का राज है और जो घटनाएं हुई हैं वह योजनागत अपराध के तहत है, जिस पर सरकार कड़ी करवाई कर रही है।' हॉस्पिटल में जिसकी हत्या हुई, वह खुद हत्या के मामले में जेल में बंद था और फिलहाल पैरोल पर बाहर आया था। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वारदात में विरोधी गैंग शामिल हो सकता है। इसका मतलब कि राज्य में संगठित अपराध फिर सिर उठा रहा है। इसी महीने, 4 जुलाई को बिहार के बड़े व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या हुई थी और उसमें भी भाड़े के शूटर्स का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी हत्याएं बार-बार हो रही हैं, यह सिलसिला कहीं रुकता नहीं दिख रहा।

पक्ष एवं विपक्ष के राजनीतिक दल एवं नेता चाहे जो बयान दें, लेकिन बिहार में अपराध तो बढ़ ही रहे हैं, आमजनता में भय एवं असुरक्षा व्याप्त है।। हाल ही में राजधानी पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, और गया जैसे प्रमुख शहरों में हुईं हत्या और डकैती की घटनाएं न केवल भयावह हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि अपराधी अब पुलिस और प्रशासन से नहीं डरते और पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण खत्म होता जा रहा है। सड़क पर चल रहे आम लोगों को दिनदहाड़े गोली मार दी जाती है, व्यापारियों से रंगदारी मांगी जाती है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि बिहार भले अपराध में कई दूसरे राज्यों से पीछे दिखता हो, लेकिन सच यही है कि आंकड़े पूरी कहानी नहीं बताते। राज्य में ये अपराध तब हो रहे हैं, जब पूरा फोकस क्राइम कंट्रोल पर है। बिहार में पिछले तीन वर्षों में अपराध दर में निरंतर वृद्धि हुई है। हत्या, बलात्कार, अपहरण, और लूट जैसे संगीन अपराधों में राज्य शीर्ष स्थानों में शामिल हो गया है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि चुनावी राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है। एक समय था जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उल्लेखनीय सुधार किए थे। लालू-राबड़ी शासन के समय जिसे जंगलराज कहा जाता था, उसके मुकाबले एक उम्मीद जगी थी कि बिहार अब विकास, सुरक्षा और शांति की राह पर है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में जनता फिर से असुरक्षा, भय और अराजकता के वातावरण में जीने को मजबूर है। इन स्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार के पास प्रशासनिक अनुभव है, गठबंधन के रूप में राजनीतिक ताकत है, तो फिर अपराधियों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? बिहार में कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे के साथ हमेशा राजनीति का पहलू जुड़ा रहा है। राज्य के लोगों के जहन में कई बुरी यादें हैं और राजनीतिक बाजीगरी में यह कोशिश होती है कि वे यादें कभी कमजोर न पड़ें। अभी तक इसका फायदा सीएम नीतीश कुमार को मिला है। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हमेशा 'जंगलराज' के तौर पर पेश किया। लेकिन, अब वही सवाल पलट कर उनकी ओर आ रहे हैं, जो आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिन्ता एवं चेतावनी का सबब बनना ही चाहिए।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण और गठबंधनों की जोड़तोड़ हमेशा से हावी रही है। लेकिन अब जो नया परिदृश्य बन रहा है, उसमें अपराध और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी आम हो गए हैं। हाल ही में कई मामलों में नेताओं और जनप्रतिनिधियों के आपराधिक तत्वों से संबंध उजागर हुए हैं। यह स्थिति न केवल लोकतंत्र के लिए खतरा है, बल्कि जनविश्वास की भी अवहेलना है। यदि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलेगा, तो फिर आम जनता के लिए न्याय और सुरक्षा केवल एक सपना बनकर रह जाएगा। हाल के अपराधों की घटनाओं ने विपक्ष को सरकार की नाकामी उजागर करने का मौका दिया है, जबकि भाजपा और जदयू रक्षात्मक रुख अपना रहे हैं और इन घटनाओं को योजनागत घटनाओं का नाम देकर राजद सरकार के समय की आपराधिक घटनाओं के साथ तुलना कर रहे हैं।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है। नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई। विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

सुइया पहाड़ लेता है कांवरियों की परीक्षा

पहाड़ी पार पहुंचते ही निढाल हो जाते हैं भक्त कई तो चले जाते हैं वापस

ऊपर पहाड़ और नीचे नुकीले पत्थरों पर चलने से पैर लहूलुहान हो जाते थे लेकिन, भक्ति ऐसी कि लोग बिना कुछ सोचे उत्तर वाहिनी गंगा से जल भरकर 120 किलोमीटर तक पैदल यात्रा कर लेते थे. आपको बता दें कि करीबन 35 से 40 साल पहले कांवरिया पथ केसरिया पहाड़ का नाम सुनते ही रूह कांप जाती थी लेकिन, फिर भी श्रद्धालु बहुत ही श्रद्धा से बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने के लिए पैदल ही यात्रा करते थे. अब कुछ सुविधाएं जरूर बढ़ा दी गई हैं. आपको बता दे कि बांका जिला के चांदन प्रखंड सुईया बाजार सूइया पहाड़ के नाम से ही प्रसिद्ध हो गया.

ग्रामीण बताते हैं कि बेहद दुर्गम होने के बाद भी सूईया पहाड़ को पार कर कांवरिया बाबा धाम की ओर बढ़ते चले जाते हैं. यों तो बांका जिले में पड़ने वाला संपूर्ण कांवरिया पथ दुर्गम पहाड़ों और जंगलों से होकर गुजरता है लेकिन, सुईया पहाड़ी की चढ़ाई कांवरियों के लिए अग्नि परीक्षा होती है. इस क्षेत्र में करीब 10 किलोमीटर कांवरिया पथ नुकीले पत्थरों से आच्छादित है. यह खड़ी चढ़ाई वाला पथ है. संकीर्ण पगडंडी, खड़ी चढ़ाई और नुकीले पत्थरों से बावस्ता कांवरिया शिव भक्त बाबा बैद्यनाथ का स्मरण, नाम जप एवं बोलबम के महामंत्र के भरोसे ही इस पथ की यात्रा तय कर पाते हैं. हालांकि सूईया पहाड़ी के उस पार पहुंचते ही कांवरिया निढाल हो जाते हैं जहां उन्हें विश्राम की जरूरत होती है.

सुलतानगंज से चल कर कांवरिया मुंगेर जिले के कुमरसार के समीप नदी पार करने के बाद धौरी के पास बांका जिले की सीमा में प्रवेश करते हैं. धौरी से आगे बढ़ने पर जिलेबियामोड़ के पास से पहाड़ों और जंगलों से उनका सामना होता है. इसके बाद हालांकि कुछ स्थानों पर रास्ते सुगम भी हैं लेकिन, आम तौर पर कांवरियों को दुर्गम जंगलों और पहाड़ों से ही होकर गुजरना होता है. इस क्षेत्र में कांवरियों को अपेक्षाकृत ज्यादा सुविधा और सुरक्षा की जरूरत होती है. लेकिन विडंबना है कि सरकारी से लेकर निजी स्तर पर कांवरियों के लिए सबसे कम सुविधा और सुरक्षा इंतजाम इसी क्षेत्र में होते हैं. ग्रामीण बताते है की इस यात्रा में सबसे अधिक खतरनाक और कष्ट देने वाला को स्थान है तो वह सुईया पहाड़ है इसे पार करना किसी परीक्षा से काम नहीं होता कई लोग यहां पर आकर ही वापस चले जाते थे।

बोल बम नारे लगाते सुईया पहाड़ पर चढ़े कांवरिया, बेहद खास है मान्यता

सावन का पावन महीना चल रहा है, जिसे लेकर लोगों में आस्था, उमंग और उत्साह का माहौल है. कांवरिया मार्ग की बात करें तो, गेरुआ रंग में पूरा मार्ग रंगा हुआ है और धूप, अगरबत्ती आदि के खुशबू से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है. इसी कड़ी में सुल्तानगंज से देवघर की बीच की बात करें तो कई ऐसे महत्वपूर्ण जगह हैं जो प्राकृतिक और सौंदर्यकरण से भरा हुआ है. जैसे सुईया पहाड़ कांवरिया मार्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो बांका जिले में स्थित है. यह पहाड़ अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है. सुल्तानगंज से देवघर कांवर लेकर पैदल यात्रा करने वाले कांवरिया अपनी कठिन चढ़ाई के लिए इस पहाड़ को अग्नि परीक्षा मानते हैं. माना जाता है कि, जो कांवरिया सुल्तानगंज से पैदल यात्रा कर इस पहाड़ पर पहुंचते हैं उनकी बाबाधाम पहुंचने की इच्छा तेज हो जाती है. साथ ही सारा थकान दूर हो जाता है.

सुईया पहाड़ की बेहद खास मान्यता

सुईया पहाड़ धार्मिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कांवरिया मार्ग का एक हिस्सा है और शिव भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है. सुईया पहाड़ की चढ़ाई कांवरियों के मन और शरीर को चुनौती देती है. जिससे उनकी भक्ति और दृढ़ संकल्प मजबूत होता है. वहीं, इस मार्ग से पैदल गुजरने वाले शिव भक्तों की माने तो, सावन के महीने में इस पहाड़ का एक अलग ही महत्व है. बताया जाता है कि, सावन के पवित्र महीने में शिव अपने पूरे परिवार के साथ इस पहाड़ी पर विराजमान रहते हैं. सुल्तानगंज से पदयात्रा कर यहां पहुंचने वाले कांवरिया श्रद्धालु जो भी अपनी आस्था के साथ मन्नते रखते हैं, बाबा भोले उन भक्तों की मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं. इसीलिए इस पहाड़ के सबसे ऊंचाई पर जैसे ही कांवरिया पहुंचते हैं, सबसे पहले छोटे और बड़े पत्थर के टुकड़े को एक-दूसरे के ऊपर रखकर मकान के स्वरूप को तैयार करते हैं.

मनोकामना होती है पूरी

वहीं, पत्थर इकठ्ठा करने के बारे में कहा जाता है कि, सुईया पहाड़ पर अगर आस्था के साथ जो भी भक्त अपने मन में मनोकामना रखते हैं, उन भक्तों की कामना अवश्य पूरी होती है. ऐसा दृश्य पूरे सुईया पहाड़ पर जगह-जगह देखने को मिलता है. जबकि ऐसा भी कहा जाता है कि, सुल्तानगंज से पैदल यात्रा करने में जिस कांवरिया को रास्ते में परेशानी होती है, इस पहाड़ को पार करने के बाद उनकी सारी परेशानी दूर हो जाती है. इसके बाद तेजी से वे बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर निकलते है.

'किंग' के सेट पर घायल हुए शाहरुख खान, फिलहाल फिल्म की रोकी गई शूटिंग

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' पिछले काफी समय से सुर्खियों में है। यह प्रोजेक्ट इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें पहली बार वह अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फैंस इस अनोखी जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। हालांकि ताजा जानकारी के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग फिलहाल टाल दी गयी है। वजह ये है कि शूट के दौरान एक एक्शन सीन करते समय शाहरुख खान घायल हो गए हैं। चोट की गंभीरता को देखते हुए मेकर्स ने शूटिंग को कुछ समय के लिए रोकने का फैसला लिया है।

शाहरुख खान हाल ही में मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में फिल्म 'किंग' के लिए एक बड़े एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे, जब वह अचानक घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख को मांसपेशियों में गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, चोट की स्थिति को देखते हुए शाहरुख की सर्जरी भी कराई जाएगी और डॉक्टरों ने उन्हें करीब एक महीने का आराम करने की सलाह दी है। इसी के चलते फिल्म 'किंग' की शूटिंग को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है। अब इसका अगला शेड्यूल सितंबर या अक्टूबर में शुरू होने की संभावना है, जब तक कि शाहरुख पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते।

शाहरुख खान अब पूरी तरह से ठीक होने के बाद ही फिल्म 'किंग' के सेट पर वापसी करेंगे। राहत की बात यह है कि उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई है। यह पहली बार नहीं है जब शाहरुख शूटिंग के दौरान चोटिल हुए हों। पिछले कई वर्षों में वह कई बार मेडिकल इमरजेंसी का सामना कर चुके हैं। उनके कंधे, घुटने और पीठ की सर्जरी हो चुकी है, लेकिन इन तमाम मुश्किलों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वह हमेशा की तरह डटकर खड़े रहे और दर्शकों के दिलों में 'किंग' की तरह राज किया।

शाहरुख खान और सुहाना खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' की शूटिंग मई 2025 में शुरू हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का पहला शेड्यूल मुंबई में फिल्माया जा रहा है, जिसके बाद टीम यूरोप रवाना होगी, जहां फिल्म का मुख्य हिस्सा शूट किया जाएगा। इस फिल्म में शाहरुख और सुहाना के साथ दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी, जो शाहरुख की पूर्व प्रेमिका की भूमिका निभा रही हैं। वहीं, अभिषेक बच्चन फिल्म में खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे। 'ठान' फेम निर्देशक सिद्धार्थ आनंद इस एक्शन ड्रामा को डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज अगले साल ईद के मौके पर तय मानी जा रही है।

माधवन ने फिल्म आप जैसा कोई के अनुभवों को साझा किया

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृसत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं।फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें।फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था।

इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है।आप जैसा कोई फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं।

इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है।

फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

14 अगस्त 2025 को रिलीज होगी फिल्म 'कुली'

लोकेश कनगराज के निर्देशन में बन रही फिल्म 'कुली' 14 अगस्त 2025 को रिलीज होगी। फिल्म में रजनीकांत और श्रुति हासन के अलावा दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज कलाकार नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहीर और सथ्याराज जैसे सितारे भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इतना ही नहीं, बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्सुकता है। वहीं हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म 'कुली' के सेट पर बिताए अपने अनुभव को लेकर एक्ट्रेस श्रुति हासन ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि सुपरस्टार रजनीकांत को लेकर उनकी समझ पहले केवल अपने पिता कमल हासन के नजरिए से बनी हुई थी। उन्होंने कहा कि हालांकि लोग मानते थे कि वह रजनीकांत के करीब रही होंगी, लेकिन असल में वह उन्हें अपने पिता की कहानियों और उनके दृष्टिकोण से ही जानती थीं। फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें रजनीकांत का बिल्कुल अलग रूप देखने को मिला। श्रुति ने बताया कि रजनीकांत न सिर्फ बेहद शार्प और चतुर व्यक्ति हैं, बल्कि उनमें गजब की गर्मजोशी भी है। उन्होंने कहा कि शूटिंग के वक्त उन्होंने रजनीकांत से यह भी कहा कि उनसे बात करना बेहद सुखद और आसान है। श्रुति के मुताबिक रजनीकांत का स्वभाव बेहद विनम्र और मिलनसार है, और वह सेट पर हमेशा पॉजिटिव एनर्जी लेकर आते हैं, जिससे हर कोई सहज और खुश महसूस करता है। उनके साथ काम करने का अनुभव श्रुति के लिए बेहद खास और सीख से भरा रहा। श्रुति ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि रजनीकांत की मौजूदगी ही सेट का माहौल बदल देती थी। उनकी बातें, उनका ह्यूमर और उनका सहज व्यवहार सबको प्रभावित करता था। उन्होंने यह भी माना कि तमिल सिनेमा में रजनीकांत और कमल हासन दो मजबूत स्तंभ हैं और उनके बीच का आपसी सम्मान और प्यार वाकई प्रेरणादायक है।

महिलाओं के लुक को लेकर टिप्पणी न करें

असली सुंदरता खुद को वैसे ही स्वीकार करने में है जैसे हम हैं : नेहा धूपिया

बालीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने कहा कि महिलाओं के लुक को लेकर 20 की उम्र हो या 40 की, हर बार उन्हें जांचने और आंकने की आदत अब बंद होनी चाहिए। दरअसल एक कार्यक्रम में मौजूद त्वचा विशेषज्ञों ने नेहा से उनकी 40 की उम्र में भी जवां दिखने का राज पूछा था। इसके जवाब में नेहा ने बताया कि वे सालों से योग कर रही हैं, जिसने उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित और स्वस्थ बनाए रखा है और इसका असर उनके चेहरे पर भी दिखता है। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी पसंद से खुद को सुंदर और स्वस्थ रख सकता है लेकिन खासकर महिलाओं के लुक या उम्र को लेकर टिप्पणियां करना सही नहीं है। नेहा ने कहा कि महिलाओं से उनके खूबसूरत या जवां दिखने का रहस्य पूछना अब बहुत आम हो गया है जो एक तरह की छिपी हुई आलोचना है और ऐसे सवालों और टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं को 20 या 40 की उम्र में उनके रूप के आधार पर जांचने की नजर से देखना बंद होना चाहिए। नेहा ने योग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह अभ्यास उन्हें खास महसूस कराता है और असली सुंदरता खुद को वैसे ही स्वीकार करने में है जैसे हम हैं। उनकी यह बेबाक टिप्पणी इस सोच में बदलाव की जरूरत को रेखांकित करती है जिसमें महिलाओं को उनके रूप के बजाय उनके व्यक्तित्व और उपलब्धियों के लिए सराहा जाए। वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहा हाल ही में फिल्म बैड न्यूज में नजर आई थीं जिसमें उनके साथ विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म 2019 में आई गुड न्यूज का सीक्वल है। इसके अलावा नेहा एमटीवी के लोकप्रिय रियलिटी शो रोडीजः डबल क्रॉस के 20वें सीजन में गैंग लीडर के रूप में नजर आईं।

कास्टिंग काउच पर आफताब शिवदासानी का चौंकाने वाला खुलासा

फिल्म इंडस्ट्री में काम करते वक्त कई कलाकारों को निर्देशकों या निर्माताओं की ओर से अजीबोगरीब प्रस्तावों का सामना करना पड़ता है। कास्टिंग काउच का मुद्दा सिर्फ अभिनेत्रियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कई पुरुष कलाकारों ने भी इसके कड़वे अनुभव शेयर किए हैं। हाल ही में अभिनेता आफताब शिवदासानी ने खुलासा किया कि उन्होंने भी करियर की शुरुआत में कास्टिंग काउच जैसी स्थिति का सामना किया था। आफताब ने अपने अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि इंडस्ट्री का यह काला सच कितना परेशान करने वाला हो सकता है।

आफताब शिवदासानी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ टीवी शो में नजर आए, जिसे रितेश देशमुख और साजिद खान होस्ट कर रहे थे। इस शो के दौरान आफताब ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि अपने करियर की शुरुआत में उन्हें भी कास्टिंग काउच जैसी स्थिति का सामना करना पड़ा था। आफताब ने कहा कि इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना व्यक्ति उन्हें देर रात कॉल करके होटल में बुलाने की कोशिश करता था, जिससे वह काफी असहज हो जाते थे। आफताब शिवदासानी ने शो में आगे बताया कि शुरुआत में वह शख्स उन्हें देर रात कॉल कर यह कहता था कि वह उन्हें मॉडलिंग के साथ-साथ किसी फिल्म में भी काम दिला सकता है लेकिन आफताब को जल्द ही समझ आ गया कि कुछ तो गड़बड़ है। उन्होंने महसूस किया कि उस व्यक्ति की मंशा ठीक नहीं है। इसके बाद आफताब ने उसके कॉल उठाने बंद कर दिए। हालांकि, उन्होंने उस शख्स का नाम नहीं लिया लेकिन इतना जरूर बताया कि वह इंडस्ट्री में एक अच्छी-खासी पहचान रखता था। आफताब ने 1999 में फिल्म मस्त से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया। अब वह 'वेलकम टू द जंगल', 'मस्ती 4' और 'कसूर 2' जैसी फिल्मों के साथ एक बार फिर दर्शकों को मनोरंजन का तगड़ा डोज़ देने के लिए तैयार हैं।

सबसे वजनदार 5 किलो 430 ग्राम के बच्चे का जन्म

इंदौर (ईएमएस)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में प्रकाश चंद सेठी अस्पताल में शुक्रवार की दोपहर एक महिला ने 5 किलो 430 ग्राम के बच्चे को जन्म दिया है। इस बच्चे की मां का नाम रीता पति नंदकिशोर है। अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है, कि जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अस्पताल प्रबंधन का यह दावा है। अभी तक मध्य प्रदेश में जन्मे बच्चों में यह सबसे ज्यादा वजन का बच्चा है। सामान्यतः ढाई किलो से 3.7 किलो के बीच में नवजात शिशु का जन्म होता है। वजन के मामले में यह बच्चा असाधारण है। गर्भवती महिला और डॉक्टर के प्रयास से यह डिलीवरी हुई है।

शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करना क्रूरता : हाईकोर्ट

मुंबई (ईएमएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पति से शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करने को क्रूरता मानते हुए तलाक का आधार माना है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने पति के तलाक के फैमिली कोर्ट के फैसले को सही माना है। महिला अपने पति पर एक्स्ट्रा मटेरियल अफेयर का शक करती थी। पति के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करती थी। पति ने फैमिली कोर्ट में मामला दाखिल किया था। फैमिली कोर्ट ने इसे तलाक के लिए जायज माना, और तलाक मंजूरी दे दी थी। इसके खिलाफ महिला ने मुंबई हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह मामला महाराष्ट्र के पुणे का है। पति पत्नी की शादी 2013 में हुई थी। 2014 से ही दोनों अलग-अलग रहने लगे थे। 2015 में पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगाई थी। फैमिली कोर्ट ने तलाक मंजूर कर लिया था। इसकी अपील हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा।

सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण के डीडीए को आदेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मुखर्जी नगर स्थित सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट के निवासियों से अपने फ्लैट खाली करने का आग्रह किया, ताकि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) इन इमारतों को गिराने और पुनर्निर्माण का काम शुरू कर सके, जिन्हें संरचनात्मक रूप से असुरक्षित घोषित किया है। डीडीए द्वारा 2007 से 2010 के बीच बने 336 फ्लैटों को आईआईटी-दिल्ली द्वारा किए गए संरचनात्मक ऑडिट के बाद असुरक्षित पाया गया। इसके बाद, 2023 में, दिल्ली नगर निगम ने इन्हें ध्वस्त करने के आदेश जारी किए। हालाँकि, कई निवासियों ने आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। दिसंबर में न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा ने इमारत को खतरनाक और रहने के लिए असुरक्षित बताकर ध्वस्तीकरण के आदेश को बरकरार रखा और डीडीए को पुनर्निर्माण का निर्देश दिया। निवासियों को खाली करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था, और डीडीए को नए फ्लैट सौंपे जाने तक प्रत्येक मालिक को मासिक किराया देने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने पाया कि 218 फ्लैटों में अब भी लोग रह रहे हैं। डीडीए की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय जैन ने कहा कि लगातार कब्जे के कारण तोड़फोड़ शुरू होने में देरी हो रही है। निवासियों के वकील ने प्रतिवाद किया कि जिन लोगों ने घर खाली कर दिए हैं, उनमें से कई को डीडीए से किराया नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि न्यायमूर्ति पुष्करणा ने दिसंबर के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इन तर्कों पर विचार करते हुए न्यायालय ने कहा कि इस बीच, विध्वंस का मार्ग प्रशस्त करने के लिए, याचिका लंबित रहने पर भी खाली कराने की प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए... अतिरिक्त फर्श क्षेत्र अनुपात का प्रश्न तय किया जाएगा, लेकिन योजना तैयार करने से पहले, विध्वंस शुरू होना चाहिए।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, जालौन निवासी युवक की मौत

अलीगढ़,(ईएमएस)। उत्तरप्रदेश में यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक बड़ा हादसा हो गया। एक कार आगे चल रहे वाहन में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरीतरह से क्षतिग्रस्त हुई और जालौन निवासी चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे का कारण कार की तेज गति होना बताया जा रहा है। टप्पल क्षेत्र में यह हादसा शनिवार सुबह करीब छह बजे हुआ। जालौन निवासी राम सुंदर निरंजन कार से जा रहे थे। एक्सप्रेस-वे पर गांव नूरपुर के 46 किलोमीटर पत्थर प्वाइंट के पास पर अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन में जा घुसी। इसमें चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने स्वजन को सूचित कर शव जेवर के कैलाश अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

उत्तराखंड में 23 साल पुराने नियम को लेकर कर्मचारियों में गुस्सा, अब धामी सरकार संशोधन को तैयार

देहरादून,(ईएमएस)। उत्तराखंड में सरकारी कर्मचारियों के बीच एक पुराना नियम फिर से चर्चा का केंद्र बन गया है, इसके तहत उन्हें 5,000 से ज्यादा की किसी भी संपत्ति की खरीद के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारी से अनुमति लेनी होती है। यह नियम, राज्य कर्मियों की आचरण नियमावली 2002 के नियम-22 का हिस्सा है, लेकिन हाल ही में मुख्य सचिव आनंदबर्द्धन द्वारा इसके कड़ाई से पालन के आदेश जारी होने के बाद कर्मचारियों में रोष व्यापत हो गया है। दरअसल यह नियम करीब 23 साल पुराना है और कर्मचारी आज नियम को अव्यावहारिक मान रहे हैं, क्योंकि सातवें वेतनमान और मौजूदा महंगाई दर को देखकर 5,000 की सीमा बहुत कम है। इस पर कर्मचारियों का तर्क है कि आजकल मोबाइल फोन, घरेलू उपकरण और यहां तक कि वाहन के पुर्जे जैसी सामान्य वस्तुओं की कीमत भी 5,000 से अधिक होती है, इसकारण इस नियम का पालन करना असंभव हो जाता है। कर्मचारियों का मानना है कि यह नियम उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन करता है। जो कि बिल्कुल भी सहीं नहीं है। 23 साल पुराने नियम-22 के अनुसार, कोई भी कर्मचारी अपने बॉस को जानकारी दिए बिना 5,000 से ज्यादा की संपत्ति नहीं खरीद सकता।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- मीडिया रिपोर्ट्स सिर्फ अटकलें: अमेरिकी अधिकारी बोलीं- भारत को पूरी जांच करने दें

नई दिल्ली: अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सामने आईं मीडिया रिपोर्ट्स को लेकर अमेरिकी एजेंसी ने सावधान रहने की सलाह दी है। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा, जो बातें सामने आई हैं वो सिर्फ अटकलें लगाने वाली हैं। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अभी अपनी शुरुआती रिपोर्ट जारी की है। इस तरह की जांच में समय लगता है। होमेंडी की यह टिप्पणी अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट को लेकर है। तीन दिन पहले जारी इस रिपोर्ट में दावा किया गया कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट AI 171 टेकऑफ के 32 सेकेंड देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी।

एफआईपी बोला- इससे पश्चिमी मीडिया को चेतावनी मिलेगी

डब्ल्यूएसजे ने बताया था कि यह खुलासा दोनों पायलटों के बीच बातचीत की कॉकपिट रिकॉर्डिंग से हुआ है। वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चला कि बोइंग विमान उड़ा रहे को-पायलट क्लाइव कुंदर ने कैप्टन सुमीत सभरवाल से पूछा, 'आपने फ्यूल स्विच को 'CUTOFF' पोजिशन में क्यों कर दिया?' सवाल करते समय को-पायलट हैरान थे। उनकी आवाज में घबराहट थी, जबकि कैप्टन सुमीत शांत लगे। भारतीय पायलट महासंघ (एफआईपी) के अध्यक्ष कैप्टन सी.एस. रंधावा ने एनटीएसबी के इस बयान का स्वागत किया और कहा कि इससे पश्चिमी मीडिया को चेतावनी मिलेगी जो बिना पुख्ता आधार के कहानियां छापता है। उन्होंने कहा, "हमारी अपनी जांच प्रक्रिया है और हमें इसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए।"

एफआईपी ने डब्ल्यूएसजे और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भेजा

रंधावा ने कहा कि एफआईपी ने फ्लाइट AI-171 की दुर्घटना पर पब्लिश रिपोर्टों को लेकर अमेरिका की दो प्रमुख मीडिया संस्थाओं वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) और रॉयटर्स को कानूनी नोटिस भी भेजा है। संघ का आरोप है कि दोनों मीडिया संस्थानों ने बिना पुष्टि के भ्रामक और गलत सूचनाएं पब्लिश कीं, जिससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गहरा नुकसान पहुंचा है। रंधावा ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि डब्ल्यूएसजे और रॉयटर्स को भेजे गए ईमेल में यह साफ कहा गया है कि उनकी रिपोर्टिंग न सिर्फ तथ्यहीन थी, बल्कि इससे भारत की विमानन सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गलत धारणा भी बनी है। एफआईपी ने विशेष रूप से रॉयटर्स से यह अपेक्षा जताई है कि वह 17 जुलाई को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट की समीक्षा करे, उसे संशोधित करे और उसमें यह स्पष्ट अस्वीकरण जोड़े कि फिलहाल कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है और उनकी रिपोर्ट स्रोतों पर आधारित थी, न कि तथ्यों पर। संघ का कहना है कि ऐसी रिपोर्टिंग से न केवल मृतक पायलटों की छवि धूमिल हुई है, बल्कि उनके परिजनों को भी अनावश्यक मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी है। इससे पायलट समुदाय का मनोबल भी प्रभावित हुआ है, जो पहले से ही उच्च दबाव में कार्य करता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने यह बात जांच से जुड़े अमेरिकी सूत्रों के हवाले से दी है। इसके बाद एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने कहा है कि सभी लोग अंतिम रिपोर्ट आने का इंतजार करें। जांच अभी चल रही है और अभी किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा। इससे पहले एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12 जुलाई को प्लेन क्रैश पर अपनी शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया था कि फ्यूल स्विच अचानक 'RUN' से 'CUTOFF' पोजिशन में चले गए थे, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि फ्यूल स्विच कैसे बंद हुए। एएआईबी की रिपोर्ट में बताया कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर पर एक पायलट को दूसरे से यह पूछते हुए सुना गया कि उसने फ्यूल क्यों बंद कर दिया। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।

ऑपरेशन सिंदूर, ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस के 3 सवाल: जयराम बोले- हमें संसद में पीएम से जवाब चाहिए

नई दिल्ली: भारत-पाकिस्तान जंग पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दावों पर कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार से 3 सवाल किए हैं। पहला- क्या ट्रम्प ने वाकई सीजफायर रुकवाई, वे इसका 24 बार जिक्र कर चुके हैं। दूसरा- क्या ट्रम्प ने व्यापार की धमकी देकर जंग रुकवाई, तीसरा- जंग में 5 लड़ाकू विमान किसके गिरे। दरअसल, ट्रम्प ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान दावा किया कि मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में 5 जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। कांग्रेस ट्रम्प के इन्हीं दावों पर मानसून सत्र में केंद्र सरकार से जवाब चाहती है। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं।

जयराम बोले- संसद में पीएम से ही जवाब चाहिए

- 'संसद शुरू होने वाली है और प्रधानमंत्री को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। कोई और नेता नहीं चलेगा। कांग्रेस और पूरा विपक्ष विशेष चर्चा की मांग करेगा और प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। हमें कोई सब्स्टीट्यूट बल्लेबाज नहीं चाहिए। केवल प्रधानमंत्री को ही जवाब देना होगा।'
- 'पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प की लंबे समय से दोस्ती रही है। फिर चाहे सितंबर 2019 में हाउडी मोदी और फरवरी 2020 में नमस्ते ट्रम्प का आयोजन हो, दोनों का गले मिलने का रिश्ता रहा है। अब पीएम मोदी को संसद में खुद बयान देना होगा।'

'प्रधानमंत्री जी, अब अपनी चुप्पी तोड़िए। ट्रम्प बार-बार इशारा कर रहे हैं कि व्यापार रोकने की धमकी के चलते प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की गरिमा से समझौता किया है, लेकिन 56 इंच के सीने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला है।'

भारत-पाक संघर्ष विराम पर कांग्रेस पहले भी उठाती रही है सवाल

18 जूनः अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंक के खिलाफ शानदार सहयोगी बताया जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने आतंक विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को शानदार सहयोगी बताया। पाकिस्तान जिसने ओसामा बिन लादेन को शरण दी, वो शानदार सहयोगी कैसे बन सकता है? पाकिस्तान शानदार अपराधी है। अपराधी को सहयोगी कहना भारत के लिए झटका है।

6 जूनः ऑपरेशन सिंदूर क्या ट्रम्प के दबाव में रोका, पीएम चुप क्यों हैं रमेश ने पूछा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर को अमेरिका के दबाव में रोका गया? कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? क्या अमेरिकी दबाव में भारत ने युद्ध रोका ताकि व्यापार समझौते हो सकें? उन्होंने कहा कि यह सवाल सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं।

3 जूनः राहुल बोले- ट्रम्प के फोन से नरेंद्र तुरंत सरेंडर हो गए राहुल गांधी ने 3 अप्रैल को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ऑपरेशन सिंदूर और प्रधानमंत्री मोदी पर बयान दिया। राहुल बोले कि ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। उन्होंने कहा, इतिहास गवाह है, यही BJP-RSS का कैरेक्टर है।

गुजरात में फर्जी तहसील पंचायत का पर्दाफाश, सरकारी जमीन की नीलामी कर आदेश भी जारी कर दिए

राजकोट (ईएमएस)। गुजरात में नकली खाद्य चीज-वस्तुओं, पुलिस, वकील, जज, कलेक्टर जैसे नकली अफसरों के बाद अब पूरा तहसील पंचायत कार्यालय ही नकली निकला है। इतना ही नहीं इस फर्जी कार्यालय द्वारा फर्जी बैनामा आदेश भी जारी किए गए थे। इस फर्जी कार्यालय में डमी दस्तावेज बनाकर सरकारी जमीन के फर्जी बैनामे का घोटाला किया गया था। यह घटना राजकोट जिले के गोंडल की है, जहां पूरा तहसील कार्यालय ही फर्जी निकला है। इस कार्यालय ने फर्जी दस्तावेज बनाकर फर्जी सरकारी जमीन के कागजात बनाने का गोरखधंधा किया था। इसी क्रम में त्राकुडा गाँव में भी फर्जी सरकारी जमीन के कागजात जारी किए गए। सरकारी ज़मीन की नीलामी कर फ़र्ज़ी दस्तावेज़ और आदेश जारी किए गए। कार्यालय के फ़र्ज़ी होने का शक न हो, इसके लिए आरोपियों ने 300 रुपये प्रति वर्ग मीटर की रिश्वत भी ली। सर्वे क्रमांक 91 में 5 एकड़ सरकारी ज़मीन पर अवैध प्लॉटिंग दिखाई गई थी। हालाँकि, पूरा घोटाला तब सामने आया जब कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए सभी दस्तावेज और कागजात फर्जी पाए गए। गोंडल में एक फ़र्ज़ी पंचायत कार्यालय बनाकर सरकारी ज़मीन पर प्लॉटिंग करके डीड दे दी गई। जब यह पूरा मामला सामने आया तो पूरे हड़कंप मच गया। इस पूरे घोटाले में कागज़ों पर प्लॉटिंग दिखाकर लोगों को ठगा गया। किसी को शक न हो, इसके लिए आरोपियों ने 300 रुपये प्रति वर्ग मीटर की रिश्वत भी ली। इतना ही नहीं, पूरे घोटाले में असली लेटर पैड और सिक्कों का इस्तेमाल किया गया। यह तथ्य इस बात की ओर इशारा करता है कि किसी सरकारी कर्मचारी और अंदरूनी व्यक्ति ने ही पूरे घोटाले को अंजाम दिया होगा। इस घोटाले के बारे में तलाटी ने दावा किया है कि ग्राम पंचायत में ऐसा कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

ओडिशा में नाबालिग लड़की को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया:हालत गंभीर; थाने से डेढ़ किलोमीटर दूर की घटना

भुवनेश्वरः ओडिशा के पुरी में शनिवार को 15 साल की नाबालिग लड़की को तीन लोगों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। लड़की को गंभीर हालत में एम्स भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना पुरी जिले के बायाबर गांव में उस वक्त हुई जब पीड़ित लड़की अपने दोस्त के घर जा रही थी। तीन हमलावरों ने उसे रास्ते में रोका और पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना स्थल बालंगा थाने से डेढ़ किलोमीटर दूर घटी। तीनों आरोपी फरार हैं, पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। छात्रा को आग क्यों लगाई, अभी तक इसकी कोई वजह सामने नहीं आई है। इससे पहले, 12 जुलाई को ओडिशा के बालासोर के फकीर मोहन कॉलेज में छात्रा के साथ सेक्शुअल हैरेसमेंट का मामला सामने आया था। छात्रा ने इससे तंग आकर खुद पर केरोसिन छिड़िक लिया था और प्रिंसिपल ऑफिस के बाहर खुद को आग लगा ली थी। 14 जुलाई को इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई थी।

नवीन पटनायक बोले- राज्य में अपराधी बेखौफ हो गए हैं

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि इस घटना की मुझे बेहद पीड़ा है। दिनदहाड़े एक बच्ची को जलाने की कोशिश की गई, यह बेहद डरावनी बात है। एक हफ्ते पहले ही एफएम कॉलेज की छात्रा ने न्याय न मिलने पर खुद को आग लगा ली थी। एक महीना पहले गोपालपुर में भी एक भयानक घटना हुई थी। पटनायक ने सवाल किया, 'क्या अब सरकार जागेगी? क्या अपराधियों को जल्द पकड़ा जाएगा? और क्या आगे ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे? ओडिशा की बेटियां इसका जवाब चाहती हैं।'

टीएमसी बोली-बेटी बचाओ का नारा कहां गया?

तृणमूल कांग्रेस ने इस मामले को आपराधिक लापरवाही बताया। टीएमसी ने X पर लिखा, 'बेटी बचाओ का नारा कहां गया? पीएम मोदी, यह आपके हाथों पर खून है।' वहीं, लड़की के परिवार ने किसी निजी दुश्मनी या प्रेम संबंध से इनकार किया है।

12 जुलाई- छात्रा ने आत्मदाह किया, आरोपी अरेस्ट

छात्रा फकीर मोहन कॉलेज में इंटीग्रेटेड BEd कोर्स में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट थी। उसने 12 जुलाई को हेड ऑफ डिपार्टमेंट के सेक्शुअल हैरेसमेंट से परेशान होकर कॉलेज कैंपस में खुद पर केरोसीन छिड़ककर आग लगा ली थी। घटना से पहले वह प्रिंसिपल के पास गई थी, लेकिन प्रिंसिपल ने उसे अपनी शिकायत वापस लेने को कहा था। इसके बाद उसने आत्मदाह कर लिया था। छात्रा को पहले बालासोर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने एम्स भुवनेश्वर रेफर कर दिया था। ओडिशा पुलिस ने 12 जुलाई को ही आरोपी एचओडी समीर कुमार साहू को गिरफ्तार कर लिया था। राज्य सरकार ने कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप घोष को सस्पेंड किया था।

फिर आई एयर इंडिया के विमान में खराबी, उड़ान भरते ही वापस की लैंडिंग

हैदराबाद,(ईएमएस)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाइलैंड के फुकेट के लिए शनिवार सुबह रवाना हुई एयर इंडिया का एक विमान तकनीकी कारणों से उड़ान भरने के थोड़ी ही देर बाद वापस लौट आया। फ्लाइट संख्या आईएक्स110 सुबह 6:40 बजे हैदराबाद से रवाना हुई थी, जो तय समय से करीब 20 मिनट की देरी में थी। यह विमान फुकेट में सुबह 11:45 बजे लैंड होना था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौट आया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विमान ने उड़ान तो भरी, लेकिन बहुत दूर नहीं जा सका और हैदराबाद में वापस सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि, इस समय तक एयरलाइन या एयरपोर्ट अधिकारियों की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है कि विमान को वापस क्यों लौटाया गया। यह एक बोइंग 737 मैक्स 8 विमान था। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में भारत में उड़ानों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसी सप्ताह दिल्ली से इम्फाल जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5118 में तकनीकी खराबी आने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद उसे लौटना पड़ा था। तकनीकी जांच के बाद विमान दोबारा दोपहर 12:30 बजे रवाना हुआ और 2:53 बजे इम्फाल पहुंचा, जो उसके निर्धारित समय 1:10 बजे से काफी देरी से था।

गुजरात की रिफाइनरी पर यूरोपीय संघ ने लगाया बैन, भारत ने दी प्रतिक्रिया

-हम एकतरफा प्रतिबंध को नहीं मानते, ऊर्जा क्षेत्र में नहीं हों दोहरे मापदंड

नई दिल्ली,(ईएमएस)। गुजरात के वाडिनार में नायरा एनर्जी की रिफाइनरी पर लगाए यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों पर भारत ने साफ कहा है कि वह किसी एकतरफा प्रतिबंध को नहीं मानेगा। जो संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर हों। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। बता दें कि गुजरात की यह रिफाइनरी यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के दायरे में आ गई है क्योंकि ईयू ने रूसी तेल निर्यात पर नई पाबंदियां लगा दी हैं। यूरोपीय संघ द्वारा इन पाबंदियों का मकसद रूस का युद्ध के लिए फंडिंग रोकना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख ने कहा कि पहली बार, हम भारत में रोसनेफ्ट की सबसे बड़ी रिफाइनरी को बैन कर रहे हैं। भारत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह किसी भी एकतरफा प्रतिबंध को नहीं मानता। भारत एक जिम्मेदार देश है और अपनी कानूनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत सरकार ऊर्जा सुरक्षा को अपने नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए सबसे अहम मानती है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ऊर्जा व्यापार के मामले में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। वहीं यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों से गुजरात की रिफाइनरी पर असर पड़ सकता है। इससे निर्यात में कमी आ सकती है। नए नियमों में रूसी तेल की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल तय की गई है। इससे बाहर के देश पश्चिमी जहाजों और बीमा सेवाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा 105 और जहाजों पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब तक कुल 223 जहाज बैन हो चुके हैं। इससे रूस की तेल की कीमत से बेचने की क्षमता कम हो जाएगी। रोसनेफ्ट ने 2017 में कमोडिटीज ट्रेडर और रूसी निवेश फर्म के साथ मिलकर एस्सार ऑयल से 12.9 बिलियन डॉलर में रिफाइनरी खरीदी थी। इस रिफाइनरी की क्षमता 20 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। रोसनेफ्ट की इस वेंचर में 49.1 फीसदी हिस्सेदारी है।

यूपी में बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर, वाराणसी में गंगा का कहर

वाराणसी,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में भी बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर हैं। वाराणसी में गंगा और वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है। काशी में गंगा और वरुणा नदी के किनारे करीब 30,000 घर डेंजर जोन में हैं, और लोगों ने पलायन की तैयारी शुरू कर दी है। दशाश्वमेध घाट पर जल पुलिस बूथ और गंगा मंदिर में पानी घुस गया है। मणिकर्णिका घाट की गलियों में पानी भरने से दुकानें बंद हो गई हैं और अब यहाँ नावें चल रही हैं। शवों का अंतिम संस्कार ऊपरी सीढ़ियों और छतों पर हो रहा है, जिससे शवों की कतारें लग गई हैं। पुराने अस्सी घाट की ओर भी पानी गलियों में बहने लगा है और नए अस्सी घाट पर सुबह-ए-बनारस का मंच डूब गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और पांच सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ रहा है। गुरुवार रात 8 बजे से शुक्रवार शाम 4 बजे तक 20 घंटे में गंगा का जलस्तर 83 सेमी बढ़ गया था। वरुणा नदी से जुड़े नालों के किनारे के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में धूप निकलने के साथ ही गंदगी की सड़न से दुर्गंध फैल रही है, जिससे लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। नगर निगम द्वारा कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं किया गया है। सलारपुर, पुलकोहना, दनीयलपुर जैसे इलाकों के दर्जनों मकानों में बाढ़ का पानी घुस गया है और गंदगी से बीमारियाँ फैलने का खतरा बढ़ गया है। गंगा का पानी बढ़ने से ढाब क्षेत्र के मोकलपुर, गोबरहां, रामपुर, रामचंदीपुर, मुस्तफाबाद रेता पर के गांवों में किसानों की लौकी, नेनुआ, करैला, परवल और कोहड़ा जैसी फसलें डूबने लगी हैं। इस मानसून सीजन में देशभर में अब तक सामान्य से प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। हरियाणा, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव ऐसे राज्य हैं जहाँ बहुत ज्यादा बारिश हुई है। 1 जून से 16 जुलाई तक देश में 331.9 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है, जो सामान्य 304.2 मिमी से अधिक है।

ढाब क्षेत्र में किसानों की फसलें डूबीं

गंगा का पानी बढ़ने से तटवर्ती गांवों संग ढाब क्षेत्र के मोकलपुर, गोबरहां, रामपुर, रामचंदीपुर, मुस्तफाबाद रेता पर के लोगों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। गंगा की तलहटी और गंगा सोता के किनारे खेतों में लगी लौकी, नेनुआ, करैला, परवल और कोहड़ा संग हरे चारे की फसलें डूबने लगी हैं। अंत्येष्टि स्थल मुस्तफाबाद रेता पर जाने वाले मार्ग सहित चारों तरफ बाढ़ का पानी भर गया है। पानी का तेज बहाव होने से किसानों संग आमजन की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। उपजिलाधिकारी सदर का कहना है कि ढाब क्षेत्र के साथ बाढ़ से प्रभावित होने वाले संभावित गांवों में राजस्व विभाग के लोग जा रहे हैं। रामपुर प्राथमिक विद्यालय में बाढ़ प्रभावितों के लिए आश्रय स्थल बनकर तैयार है। वहां पर राजस्व टीम भी सक्रिय है।

राजस्थान में औसत से 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश, अजमेर तेज बारिश में कई लोग बहे

जयपुर,(ईएमएस)। भारत के कई राज्यों में वर्तमान में भारी बारिश और बाढ़ का कहर जारी है, इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुए डिप्रेशन सिस्टम के कारण राजस्थान के 6 जिले जोधपुर, नागौर, पाली, अजमेर, सिरोही, जालोर भारी बारिश की चपेट में हैं। अजमेर और टोंक में बाढ़ जैसे हालात हैं, और कई इलाकों में पानी भर गया है। शनिवार को कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर, बूंदी, राजसमंद और नागौर के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। अजमेर के दरगाह बाजार में शुक्रवार रात हुई तेज बारिश में कई लोग बह गए। मानसून के इस सीजन में राजस्थान में अब तक औसत से 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। बीते चार दिनों में बारिश से जुड़े हादसों में 23 लोगों की मौत हो चुकी है, राजसमंद में तालाब फूटने (बांध टूटने) से 3 स्कूली बच्चों सहित 7 लोग पानी के बहाव में फंस गए। जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में डूबने से युवक की मौत हो गई। सीकर में 13 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। राजस्थान में बारिश से हुए हादसों में बीते चार दिन में 23 लोगों की जान गई है। वहीं मध्यप्रदेश में भी बारिश का मजबूत सिस्टम सक्रिय है, जिससे ग्वालियर, छतरपुर, पन्ना सहित 16 जिलों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 जेट गिरेः किस देश के यह नहीं बताया

वॉशिंगटन डीसी. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। साथ ही उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में सच में पांच जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे।

ट्रम्प ने ये बात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान कही। ट्रम्प अब तक 24 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की बात कह चुके हैं। पहली बार ऐसा दावा उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर किया था। दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने लड़ाई में 5 भारतीय विमान मार गिराए थे। वहीं, भारत ने भी कहा था कि पाकिस्तान के कुछ विमान गिराए गए हैं। पाकिस्तान ने अपने किसी भी विमान के नुकसान से इनकार किया, लेकिन हवाई ठिकानों को निशाना बनाने की बात मानी थी। ट्रम्प बोले थे- हम संघर्षों को निपटाने में बहुत सफल रहे इससे पहले 14 जुलाई को ट्रम्प ने अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को बढ़ने से रोक दिया था। ट्रम्प ने ये टिप्पणियां नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ अपनी बैठक के दौरान कीं। ट्रम्प ने कहा, 'हम युद्ध को निपटाने में बहुत सफल रहे हैं।' उन्होंने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हमने व्यापार के माध्यम से ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते, हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे, और उन्होंने ऐसा किया।'

ट्रंप ने ब्रिक्स को फिर दी 10 प्रतिशत टैरिफ की धमकी

ट्रंप की बड़ी तकलीफ ब्रिक्स है। ट्रंप ब्रिक्स से बौखलाए हुए हैं और अपनी बौखलाहट छिपाने के लिए वह ब्रिक्स का मजाक उड़ा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की जुबान एक बार फिर आग उगल रही है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका के साथ अब 11 देशों को उन्होंने निशाना बनाया। एक बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स को 'छोटा ग्रुप' करार देते हुए कहा कि वह 'तेजी से खत्म हो रहा है' और चेतावनी दी कि जो भी देश ब्रिक्स के साथ खड़ा होगा, उस पर अमेरिका 10 प्रतिशत आयात शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। ट्रंप का आरोप है कि ब्रिक्स एंटी अमेरिका नीति चला रहा है। ब्रिक्स समूह अब केवल एक प्रतीकात्मक गठबंधन नहीं रह गया है। 2024-25 में इसके साथ मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और यूएई भी जुड़ गए हैं, जिससे इसकी सदस्य संख्या 10 हो गई है। अमेरिका इसे हमेशा एक पश्चिम विरोधी गुट के तौर पर देखता रहा है। कई बार ब्रिक्स मुद्रा की बात होती रही है, जिसे अमेरिकाडॉलर के खिलाफ खतरे के तौर पर देखता है। यह वैश्विक सत्ता संतुलन में बदलाव और आईएमएफ जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग भी कर रहा है।

पाकिस्तान का कश्मीर पर नया राग, समाधान ही क्षेत्र में शांति की एकमात्र गारंटी

लौहार,(ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फिर कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ जहर उगला है। उन्होंने कथित कश्मीर विलय दिवस (जो पाकिस्तान हर साल 19 जुलाई को मनाता है) के मौके पर कहा कि कश्मीर मुद्दे का समाधान ही क्षेत्र में शांति की एकमात्र गारंटी है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार कश्मीर मुद्दे के समाधान की मांग कर कहा कि पाकिस्तान सरकार और जनता कश्मीरियों को राजनयिक, नैतिक और राजनीतिक समर्थन देना जारी रखेगी। शहबाज ने भारत के खिलाफ यह आरोप भी लगाया कि 1947 में शुरू हुई कश्मीरियों के बलिदानों की कहानी आज भी जारी है और जम्मू-कश्मीर में भारतीय सैनिकों की तैनाती को क्रूरता बताया। उन्होंने दावा किया कि दमन भी कश्मीरियों के संकल्प को तोड़ने में नाकाम रहा है और कश्मीरियों की तीसरी पीढ़ी भी आत्मनिर्णय के अपने अधिकार को हासिल करने के लिए मजबूत है। पाकिस्तान लगातार कश्मीर में आतंकवाद फैलाने में शामिल रहा है। इसी साल अप्रैल में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी समूह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले के बाद भारत ने नियंत्रण रेखा पार कर पीओके और पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों पर बमबारी की थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिनों तक सैन्य टकराव चला, जिसमें दोनों पक्षों ने विमानों, मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। 10 मई को युद्धविराम से पहले भारतीय विमानों ने पाकिस्तान के 11 सैन्य हवाई अड्डों को निशाना बनाया था, जिसमें रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के पास स्थित रहीम यार खान (चकलाला) एयरबेस भी शामिल था।

लॉस एंजेलिसः जहां विस्फोटकों से निपटने की देते थे ट्रेनिंग वहीं हुआ धमाका 3 की मौत

वॉशिंगटन(ईएमएस)। लॉस एंजेलिस काउंटी शेरिफ डिपार्टमेंट के ट्रेनिंग फैसिलिटी में शुक्रवार को एक बड़ा धमाका हुआ। ये हादसा उस ट्रेनिंग सेंटर में हुआ जहां ये अधिकारी खुद दूसरों को विस्फोटक से निपटने की ट्रेनिंग देते थे। यहां हुए धमाके में उसके सबसे अनुभवी आर्सन एंड एक्सप्लोसिव यूनिट के तीन डिप्टी मारे गए।

शेरिफ रॉबर्ट लूना ने गहरी पीड़ा के साथ बताया कि मारे गए तीनों अधिकारी उनकी सबसे बेहतरीन टीम के सदस्य थे। एक ने 33 साल, दूसरा 22 साल और तीसरे ने 19 साल इस विभाग को दिए थे। भावुक आवाज में लूना ने कहा, 'ये सिर्फ डिप्टी नहीं थे, ये विशेषज्ञ थे। हर साल 1000 से ज्यादा केस सुलझाते थे। और आज... आज मैंने अपनी टीम के तीन चमकते सितारे खो

दिए।' फिलहाल, एफबीआई और अमेरिकी फेडरल एजेंसी एटीएफ (ब्यूरो ऑफ अल्कोहल, टोबैको, फायरआर्म्स एंड एक्सप्लोसिव्स) के साथ मिलकर विभाग की हत्या जांच इकाई इस धमाके की जांच कर रही है। शुरुआती जांच इस ओर इशारा कर रही है कि ये एक संभावित ट्रेनिंग एक्सीडेंट हो सकता है। हालांकि, जब तक सबूत नहीं मिलते, विभाग कोई निष्कर्ष नहीं निकाल रहा। यह भीषण विस्फोट शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। जगह थी बिस्कैलुज ट्रेनिंग सेंटर जो शेरिफ डिपार्टमेंट का एक खास ट्रेनिंग ठिकाना है। यहां बॉक्स ट्रकों और पेट्रोलिंग कारों से भरी पार्किंग में अचानक तेज धमाका हुआ। चश्मदीद रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक ट्रक के पास तीन शव पड़े मिले जिन पर सफेद चादरें ढंकी थीं। पास खड़ी एक पुलिस कार का रियर व्यू मिरर तक उड़ गया। इस हिला देने वाले हादसे की गंभीरता को देखते हुए लॉस एंजेलिस पुलिस डिपार्टमेंट की बम स्क्वॉड, लॉस एंजेलिस फायर डिपार्टमेंट के विस्फोटक विशेषज्ञ और स्टेट फायर मार्शल की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। गवर्नर गेविन न्यूजॉम और मेयर करेन बास लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। शेरिफ लूना ने यह भी बताया कि 1857 में एक साथ चार अधिकारियों की गोलीबारी में मौत के बाद यह विभाग की सबसे बड़ी क्षति है।

चीन ने पहलगाम हमले की निंदा कीः कहा- हम हर तरह के आतंकवाद के विरोधी

बीजिंग. चीन ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में शुक्रवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन हर तरह के आतंकवाद का सख्त विरोध करता है और 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने आगे कहा, "चीन सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता बनाए रखने की अपील करता है।" चीन का यह बयान अमेरिका के पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किए जाने के बाद आया है। चीन ने पहलगाम हमले की निंदा तो की है, लेकिन अमेरिका की तरह न तो टीआरएफ का नाम लेकर उसकी आलोचना की और न ही टीआरएफ को सीधेतौर पर आतंकी संगठन कहा। टीआरएफ पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन है। इसने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी। हमले के कुछ ही देर बाद टीआरएफ ने घटना की जिम्मेदारी ली थी और बयान जारी कर कहा था कि भारत सरकार कश्मीर में मुस्लिमों

को बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक बना रही है। हालांकि, 26 अप्रैल को टीआरएफ इससे मुकर गया था। संगठन के प्रवक्ता अहमद खालिद ने कहा था कि पहलगाम हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार ठहराना गलत है। खालिद ने कहा कि उनकी वेबसाइट को हैक कर लिया गया था। टीआरएफ मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है। यह अक्सर ऐसे लोगों को भर्ती करता है जो आम नागरिकों जैसे दिखते हैं, लेकिन गुप्त रूप से आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन्हें हाइब्रिड आतंकवादी कहा जाता है। भारत सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया था।

अमेरिकी राजदूत का ऐलान, इजराइल-सीरिया के बीच हुआ युद्धविराम

अंकारा,(ईएमएस)। इजराइल और सीरिया एक दूसरे के साथ युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। तुर्की में अमेरिकी राजदूत ने इसकी घोषणा की और बताया कि तुर्की, जॉर्डन और पड़ोसी देशों ने इस युद्धविराम का समर्थन किया है। बराक सीरिया में भी विशेष दूत हैं। सीरिया के दक्षिणी ड्रूज बहुल प्रांत में हिंसा भड़कने के बाद इजराइल ने बुधवार को दमिश्क में हमले किए थे। यरुशलम ने कहा कि इजराइल का उद्येश्य सीरिया के ड्रूज समुदाय की रक्षा करना है। सीरिया में ड्रूज एक छोटा लेकिन प्रभावशाली अल्पसंख्यक समुदाय है, जिसके अनुयायी लेबनान और इजराइल में भी हैं। मीडिया रिपोर्ट में बराक ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के समर्थन से तुर्की, जॉर्डन और अन्य अज्ञात पड़ोसियों द्वारा स्वीकार किए गए युद्धविराम पर सहमत हुए हैं। युद्धविराम के बारे में कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा कि हम ड्रूज, बेडोइन और सुन्नियों से अपने हथियार डालने के साथ ही मिलकर एक नई और एकजुट सीरियाई पहचान बनाने का आह्वान करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीरियाई रक्षा मंत्रालय ने बेडोइन मिलिशिया को स्वेदा शहर छोड़ने का आदेश दिया है। इसके बाद सीरियाई सुरक्षा बल युद्धविराम प्रावधानों को लागू करने के लिए शहर में प्रवेश करेंगे। अभी तक इजराइली पीएम कार्यालय या सीरिया के राष्ट्रपति की तरफ से युद्धविराम को लेकर कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। इजराइली मीडिया के मुताबिक युद्धविराम की घोषणा अमेरिका की तरफ से संघर्ष को खत्म करने के प्रयासों के बाद हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि परेशान करने वाली और भयावह स्थिति को खत्म करने के लिए कदमों पर सहमति बन गई है।

गर्मी से राहत पाने अफगानिस्तानी टैक्सी वालों ने निकाला गजब का जुगाड़

कंधार,(ईएमएस)। भीषण गर्मी में जहां आम लोग एसी का सहारा लेते हैं, वहीं अफगानिस्तान के कंधार शहर में टैक्सी ड्राइवरों ने गर्मी से लड़ने के लिए एक अनोखा जुगाड़ निकाला है। यहां का तापमान अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है और एसी रहित टैक्सियों में यात्रा करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होता। लेकिन देसी इंजीनियरिंग से तैयार किया गया यह घरेलू जुगाड़ वाला 'कूलर' अब राहत पहुंचा रहा है। ऐसे ही एक टैक्सी चालक के हवाले से बताया गया है कि उसने अपने वाहन की छत पर पाइप और टेप की मदद से एक कूलिंग सिस्टम बनाया, जो दिखने में तो सामान्य लगता है, लेकिन काम बड़े शानदार तरीके से करता है। उनका दावा है कि यह देसी कूलर कार के आम एसी से भी ज्यादा असरदार है, क्योंकि यह पूरी गाड़ी को ठंडा कर देता है। कार चालक अपने कूलर को बैरल से जोड़ते हैं और खिड़की के जरिये ठंडी हवा कार के भीतर भेजते हैं। हालांकि इसमें थोड़ी मेहनत जरूर है, क्योंकि हर दिन दो बार कूलर में पानी भरना पड़ता है, लेकिन राहत इतनी है कि ड्राइवरों को यह करना मंजूर है। इसी तरह एक अन्य टैक्सी ड्राइवर ने भी तकरीबन 3,500 रुपये में एक लोकल टेक्नीशियन से ऐसा ही कूलर कार की छत में फिट करवाया है। यह जुगाड़ अब यात्रियों को भी खूब पसंद आ रहा है। इस जुगाड़ से टैक्सी के सवार भी खासी खुश नजर आ रहे हैं। फिलहाल इन नॉनऐसी टैक्सियों में भी सफर करना राहत भरा अनुभव बन गया है। गर्मी से जूझ रहे देशों में यह अफगानी जुगाड़ मिसाल के तौर पर काम कर सकता है, क्योंकि यह सस्ता, असरदार और बिल्कुल देसी जुगाड़ है।

एक महिला ने बौद्ध भिक्षुओं के 80,000 अश्लील वीडियो बनाए, हर एक मठ की होगी जांच

बैंकाक(ईएमएस)। थाईलैंड में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि उसने प्रभावशाली और वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं को अपने हनी ट्रैप में फंसाया, उनके साथ यौन संबंध बनाकर न सिर्फ उनकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो तैयार किए, बल्कि ब्लैकमेल करके उनसे मोटी रकम भी ऐंठ ली। तीन वर्षों में यह रकम लगभग 102 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पूरा रैकेट तब उजागर हुआ जब एक वरिष्ठ भिक्षु ने अचानक अपना ब्रह्मचर्य जीवन त्याग दिया। उस भिक्षु ने बताया कि महिला ने दावा किया था कि वह उसके बच्चे की मां बनने वाली है और उसने यह रहस्य छिपाने के बदले करीब 72 लाख थाई बहत की मांग की थी। महिला की धमकियों और ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर भिक्षु ने खुद को धर्मसंघ से अलग कर लिया। जब मामला पुलिस तक पहुंचा और जांच शुरू हुई, तब पता चला कि ऐसे कुल 9 भिक्षु इस महिला के जाल में फंस चुके हैं। इनमें से कुछ भिक्षुओं ने स्वीकार भी किया कि वे महिला से रिश्ते में थे और उसे उपहार भी देते थे – जैसे कि कार और पैसे। एक भिक्षु ने बताया कि जब उसे यह पता चला कि वह महिला किसी और भिक्षु के साथ भी संबंध में है, तब उसने खुद को ठगा महसूस किया और महिला ने यहीं से पैसों की मांग शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाईलैंड के सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने पूरे देश के बौद्ध मठों और भिक्षुओं की जांच शुरू करने का आदेश दिया है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला धर्म और समाज की छवि को भारी नुकसान पहुंचा सकता है और ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विलेवन ने जो पैसा ऐंठा, उसमें से अधिकांश रकम जुए में गंवा दी। महिला की गिरफ्तारी के बाद वह यह स्वीकार भी कर चुकी है कि उसके भिक्षुओं के साथ रिश्ते थे, लेकिन उसने यह दावा किया कि उसने पैसे लिए नहीं, बल्कि कई बार खुद दिए। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य भी सामने आया कि महिला के बैंक खाते में बड़ी रकम एक बौद्ध मंदिर के खाते से ट्रांसफर की गई थी। इस ट्रांजैक्शन के बाद पुलिस ने मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध वसूली और चोरी के सामान को रखने के आरोपों में विलेवन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि उसने करीब 80,000 से ज्यादा अश्लील फोटो और वीडियो एकत्र किए थे, जिनके बल पर वह भिक्षुओं को डरा-धमका कर मोटी रकम वसूलती थी। गिरफ्तार महिला की पहचान विलेवन एम्सवाट उर्फ मिस गोल्फ के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि विलेवन एक सुनियोजित तरीके से उन भिक्षुओं को अपना निशाना बनाती थी, जो समाज में उच्च पदों पर थे या जिनके पास आर्थिक संसाधन थे। वह पहले उनसे सोशल मीडिया के ज़रिए संपर्क करती, फिर निजी संबंध बनाकर उनका भरोसा जीतती। इसके बाद वे अंतरंग पलों की रिकॉर्डिंग करती और उन्हीं तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल कर उन्हें ब्लैकमेल करने लगती।

युद्ध रोकने के लिए रूस को घेरने में जुटे 27 देश, उधर ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन को भेजे 49 टैंक

ब्रसेल्स,(ईएमएस)। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ नया और अब तक का सबसे कड़ा प्रतिबंध पैकेज पेश किया। इन प्रतिबंधों का मकसद रूस पर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए दबाव बनाना है। इस नए कदम में मॉस्को के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और रूस की खुफिया एजेंसी के कर्मियों को निशाना बनाया गया है। वहीं दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि कि आस्ट्रेलिया ने यूक्रेन को 49 टैंकों की एक खेफ भेजी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, रूस की ओर से युद्ध में इस्तेमाल सभी बुनियादी ढांचे को अवरुद्ध किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन यूरोपीय संघ के साथ अपने प्रतिबंधों को समन्वयित करेगा और जल्द ही खुद के अतिरिक्त उपाय पेश करेगा। वहीं, रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इन प्रतिबंधों को 'गैरकानूनी' बताया। उन्होंने कहा, 'हमें कुछ छूट भी मिली है और अब हम प्रतिबंधों के साथ जीना सीख गए हैं।' उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'साथ ही, हमें प्रतिबंधों से कुछ छूट भी मिली है। हम प्रतिबंधों के बीच जीने के लिए खुद को ढाल चुके हैं। हमें नये पैकेज का विश्लेषण करना होगा, ताकि इसके नकारात्मक प्रभावों को कम से कम किया जा सके।'इस बीच, ब्रिटेन ने रूस की सैन्य खुफिया सेवा, जीआरयू की इकाइयों पर प्रतिबंध लगाए हैं। प्रतिबंध सूची में 18 ऐसे अधिकारियों को भी शामिल किया गया है, जिनके बारे में ब्रिटेन ने कहा कि उन्होंने 2022 में दक्षिणी यूक्रेन के एक थिएटर पर बम हमले की योजना बनाने और एक पूर्व रूसी जासूस के परिवार को निशाना बनाने में मदद की थी, जिसे बाद में एक नर्व एजेंट के साथ जहर दिया गया था। मार्च 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद मारियुपोल के थिएटर में हुए बम हमले में वहां शरण लिए हुए सैकड़ों नागरिक मारे गए थे।

एपस्टीन फाइल्सः ट्रंप ने रूपर्ट मर्डोक और वॉल स्ट्रीट जनरल पर ठोका मुकदमा

10 बिलियन डॉलर का हर्जाना मांगा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वॉल स्ट्रीट जर्नल और रूपर्ट मर्डोक सहित उसके मालिकों पर मुकदमा दायर कर 10 बिलियन डॉलर यानी 10 अरब डॉलर का हर्जाना मांगा है। उन्होंने अपने वादे को पूरा करते हुए यह कदम उठाया है। दरअसल अखबार ने खबर दी थी कि ट्रंप ने साल 2003 में जेफरी एपस्टीन को जन्मदिन की शुभकामना संदेश भेजा था, जिसमें एक न्यूड महिला का स्केच और सेक्सुअल शेप में हस्ताक्षर था। रिपोर्ट के मुताबिक, कथित तौर पर गिस्लेन मैक्सवेल द्वारा संकलित एक बर्थडे एल्बम में एक नग्न महिला का स्केच था, जिस पर ट्रंप के हस्ताक्षर अश्लील तरीके से हुए थे। लेकिन ट्रंप ने पुरज़ोर खंडन करते हुए पत्र को मनगढ़ंत बताया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक फर्जी खबर छापी है, जो कथित तौर पर एपस्टीन को लिखा गया है। ये मेरे शब्द नहीं हैं, न ही मैं बात करता हूं, और मैं स्केच भी नहीं बनाता। ट्रंप ने लिख कि मैंने रूपर्ट मर्डोक से कहा था कि यह एक स्कैम है, उन्हें यह फ़र्ज़ी स्टोरी नहीं छापनी चाहिए, लेकिन उन्होंने छापी और अब मैं उन पर और उनके घटिया अख़बार पर मुकदमा करने जा रहा हूं। ट्रंप ने कहा कि मर्डोक ने मामले की जांच करने का वादा किया था। ट्रंप ने दावा किया, मर्डोक ने कहा था कि वे इस मामले को देखूंगा। लेकिन ज़ाहिर है कि उनके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। इसके बजाय, वे एक झूठी, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक स्टोरी छाप रहे हैं।

ट्रंप और एपस्टीन मामला

एक अमीर अमेरिकी फाइनेंसर, एपस्टीन पर पहली बार 2006 में यौन अपराधों का आरोप लगाया गया था, जब एक 14 वर्षीय लड़की के माता-पिता ने पुलिस को बताया था कि उसने अपने फ्लोरिडा स्थित घर में उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की थी। इसके बाद एपस्टीन को करीब 13 महीने की जेल हुई। जुलाई 2019 में, एपस्टीन को न्यूयॉर्क में फिर से गिरफ्तार किया गया और उस पर दर्जनों लड़कियों की तस्करी करने और पैसे के बदले उनके साथ यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया गया। एपस्टीन ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इंकार किया। 10 अगस्त, 2019 को, जब वह हिरासत में था, अधिकारियों ने बताया कि वह जेल की कोठरी में फांसी लगाने के बाद मरा हुआ मिला। न्यूयॉर्क के एक प्रॉपर्टी कारोबारी के रूप में एपस्टीन के साथ काम करने वाले ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा चुनाव लड़ते वक्त कहा था कि वह शायद इस मामले से जुड़ी फाइलें जारी करुं। लेकिन पदभार ग्रहण करने के बाद से, ट्रंप के कई समर्थक इस बात से निराश हैं कि वे इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठा पाए हैं।

लॉस एंजिलिस में कार सवार ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ाईः28 घायल, 10 की हालत गंभीर; हादसे की वजह साफ नहीं

वॉशिंगटन डीसी. अमेरिका के लॉस एंजिलिस में शनिवार को एक कार सवार में भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में 28 लोग घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। यह हादसा लोकल समयानुसार सुबह करीब 2 बजे वेस्ट सांता मोनिका बुलेवार्ड पर हुआ, जो एक म्यूजिक वेन्यू के पास है। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट की टीम ने मीडिया को बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम जारी है। अधिकारियों ने अभी तक वाहन या चालक की पहचान नहीं की है। यह भी क्लियर नहीं है कि यह हादसा जानबूझकर किया गया या गलती से हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में घटनास्थल पर दर्जनों फायर फाइटर्स और पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं। सड़क पर एक ग्रे रंग की कार डैमेज हालत में दिख रही है,

जिसके आसपास मलबा बिखरा पड़ा है। हादसे के समय मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि अचानक एक तेज रफ्तार गाड़ी भीड़ में घुसी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने इलाके को घेर लिया है और लोगों से वहां न आने की अपील की है। एक महिला ने मीडिया बताया कि उसने कार के भीड़ में घुसने से पहले गोली चलने की आवाज सुनी थी। उसने कहा कि ड्राइवर हादसे के बाद गाड़ी में ही था, बाद में सिक्योरिटी गार्ड्स ने उसे पकड़कर जमीन पर गिरा दिया।

ब्रिटेन में 16-17 साल के किशोरों को भी मिलेगा वोटिंग का अधिकार

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में अब 16 और 17 साल के किशोर भी मतदान कर सकेंगे। सरकार ने वोटिंग की न्यूनतम उम्र 18 से घटाकर 16 कर दी है। यह बदलाव अगले आम चुनाव से प्रभावी होगा। सरकार ने इसे 'न्यायसंगत और समावेशी लोकतांत्रिक सुधार' बताया है। उनका मानना है कि जब युवा सेना में शामिल हो सकते हैं और नौकरी कर सकते हैं, तो उन्हें वोट देने का अधिकार भी मिलना चाहिए।

ओबामा ने रची थी ट्रंप को सत्ता से हटाने की साजिश

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनके प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों पर मुकदमा चलाने की मांग की है। डीएनआई ने ओबामा पर साल 2016 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत को नुकसान पहुंचाने और बाद में उनके राष्ट्रपति पद के कार्यकाल को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

तुलसी गबार्ड ने एक्स पर लिखा- ओबामा का मकसद राष्ट्रपति ट्रंप को सत्ता से हटाना और अमेरिकी जनता की इच्छा को कुचलना था। इस साजिश में शामिल हर शख्स की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए। कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। लोकतांत्रिक गणराज्य की विश्वसनीयता इस पर निर्भर करती है। हम आपराधिक जांच के लिए सभी दस्तावेज न्याय विभाग को सौंप रहे हैं। शुक्रवार को तुलसी गबार्ड ने सबूत पेश किए, जिसमें बताया गया कि कैसे राष्ट्रपति ट्रंप के हिलेरी क्लिंटन के खिलाफ 2016 का चुनाव जीतने के बाद, ओबामा और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के सदस्यों ने जानबूझकर खुफिया सूचनाओं को गढ़ा और राजनीतिक रूप दिया, ताकि ट्रंप के खिलाफ तख्तापलट जैसी साजिश की नींव रखी जा सके। प्रेस रिलीज के मुताबिक यह एक राजनीतिक मकसद से तैयार की गई खुफिया रिपोर्ट थी, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रपति ट्रंप की जीत को गलत साबित करने, मुलर जांच जैसे लंबे समय तक चलने वाले मामलों, दो बार महाभियोग चलाने, कई अधिकारियों की जांच, गिरफ्तारी और जेल भेजने और अमेरिका व रूस के बीच तनाव बढ़ाने के लिए किया गया था।

रूस को 27 देशों ने घेरा, प्रतिबंध लगाए तभी भारत ने पुतिन का साथ देकर निभाई दोस्ती

मास्को,(ईएमएस)। भारत और रुस की दोस्ती पूरी दुनिया जानती है। यही कारण है कि यूरोपियन यूनियन के 27 देशों ने रुस पर प्रतिबंध लगाकर उसे अलग थलग करने की कोशिश की। लेकिन भारत रुस के साथ खड़ा हुआ और दोस्ती निभाई। ये स्थिति तब बनी जब यूक्रेन से जंग रोकने के लिए रुस अमेरिका की बात नहीं मान रहा था।

रूस पर यूरोपीय यूनियन के इस एक्शन पर भारत अपने दोस्त के साथ है। भारत अपने दोस्त रूस के लिए संकटमोचक के रूप में उभरा है। भले ही किसी ने अब तक यूरोपीय यूनियन को जवाब नहीं दिया, मगर रूस के साथ खड़ा होकर भारत ने जवाब दिया है। भारत ने यूरोपीय यूनियन के इस कदम की कड़ी आलोचना की और इसे 'दोहरा मापदंड' करार दिया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत एकतरफा सैंक्शनों का समर्थन नहीं करता। ऊर्जा व्यापार में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। हमारी प्राथमिकता 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस तरह से भारत ने साफ कर दिया है कि वह ऐसी घड़ी में रूस के साथ है। भारत का यह स्टैंड सीधे-सीधे यूरोपीय यूनियन और पश्चिमी देशों की उस नीति पर सवाल उठाता है, जहां वे खुद ऊर्जा खरीद जारी रखते हैं, मगर अन्य देशों पर प्रतिबंधों का पालन करने का दबाव डालते हैं। अमेरिका समेत वेस्टर्न कंट्री भी भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाते आए हैं। मगर भारत भी अब पहले वाला भारत नहीं। भारत ने सबको मुंहतोड़ जवाब दिया है और कहा है कि भारत का जहां से मन होगा वहां से तेल खरीदेगा।

अब सवाल है कि अमेरिका और यूरोपीय यूनियन को इस बात से क्यों मिर्ची लगी है कि भारत रूस से तेल खरीदता है। तो इसका कारण यह है कि ईयू और अमेरिका का का दावा है कि भारत के तेल वाले पैसे का यूज रूस युद्ध में कर रहा है। इनका दावा है कि भारत के तेल खरीदने से रूस को युद्ध के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने का मौका मिलता है। जबकि इसके जवाब में भारत ने तर्क दिया कि पश्चिमी देश स्वयं रूसी गैस और तेल उत्पादों का आयात जारी रखे हुए हैं, खास तौर पर स्पेन और बेल्जियम जैसे देश रूसी एलएनजी के बड़े खरीदार हैं। अब जानते हैं कि यूरोपीय यूनियन ने क्या किया। यूरोपीय यूनियन ने शुक्रवार को रूस के खिलाफ अपना 18वां प्रतिबंध पैकेज जारी किया। इसका मकसद रूसी तेल निर्यात से होने वाली आय को कम करना है। मतलब पुतिन के पर कतरने के समान है। कारण कि तेल के आय से ही रूस अबतक युद्ध में टिका है। सैंक्शन पैकेजमें सबसे प्रमुख है रूसी कच्चे तेल पर एक नया 'मूविंग प्राइस कैप', जो बाजार मूल्य से 15% कम होगा। अपने नए प्रतिबंधों से ईयू ने रूस के ऊर्जा क्षेत्र, पुराने तेल टैंकरों के बेड़े और सैन्य खुफिया सेवा के कर्मियों को निशाना बनाया।

तेल खरीद पर भारत का स्टैंड

भारत 2022 से रूस से कच्चे तेल के आयात को लगातार बढ़ा रहा है। यह एक मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हो गया है। जो युद्ध से पहले करीब शून्य था। यह तेल रियायती दरों पर खरीदा जाता है, जिससे भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है। भले ही अमेरिका समेत पश्चिमी देश भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दवाब बनाएं, मगर भारत तेल के खेल में डरेगा नहीं। भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह अपनी ऊर्जा नीति को वैश्विक दबावों से प्रभावित नहीं होने देगा। वह रूस का साथ भी नहीं छोड़ेगा।

लॉस एजिल्स पुलिस प्रमुख जिम मैकडोनाल्ड लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ की मीडिया से हो रही बातचीत को सुनते हुए।

बुमराह की किसी अन्य से तुलना नहीं कर सकते : डोएशे

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तुलना किसी और से नहीं की जा सकती है। इससे पहले इरफान पठान सहित कई क्रिकेटरों ने कहा था कि जिस प्रकार इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स कार्यभार प्रबंधन की जगह खेल को अधिक महत्व देते हैं। उसी प्रकार बुमराह को भी खेलना चाहिये। पठान ने कहा था कि भारत अपने सबसे अच्छे गेंदबाज का बेहतर उपयोग कर सकता था और उन्हें छोटे-छोटे स्पेल में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए था। पठान ने कहा कि स्टोक्स ने तीसरे टेस्ट के अंतिम दिन सुबह में लंबा स्पेल फेंका और केएल राहुल का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिससे भारत की पारी दबाव में आ गयी थी। पठान ने यह भी कहा कि बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को लेकर चिंता नहीं होनी चाहिए

थी क्योंकि उन्होंने एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट छोड़कर आराम कर लिया था। इसी को लेकर डोएशे ने कहा कि बुमराह छोटे स्पेल में अधिक प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, 'स्टोक्स बहुत प्रभावशाली थे।पांचवें दिन उस तेजी से गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाज और उनकी फील्डिंग भी शानदार थी पर हम अपने गेंदबाजों की तुलना दूसरों से नहीं कर रहे हैं। हमारे पास अपनी ताकत है। बुमराह छोटे स्पेल में अधिक अच्छा प्रदर्शन करते हैं।' डोएशे ने गुरुवार को कहा. 'कुछ गेंदबाज जैसे मौहम्मद सिराज अपने स्पेल में धीरे-धीरे रंग में आते हैं और अपने 7वें, 8वें, या 9वें ओवर में शीर्ष पर पहुंचते हैं पर र कोई एक जैसा नहीं होता और हम उसी के अनुसार योजना बनाते हैं।,'इससे पहले पठान ने कहा था कि टीम प्रबंधन और बुमराह कार्यभार प्रबंधन को जरुर से ज्यादा महत्व दे रहे हैं जबकि ऐसा होना नहीं चाहिये।

परांजपे को बुमराह के अगले दो टेस्ट खेलने और भारतीय टीम के वापसी करने की उम्मीद

पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे के अनुसार भारतीय टीम अब भी इंग्लैंड सीरीज में वापसी करते हुए एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। परांजपे के अनुसार युवा खिलाड़ियों से भरी इस टीम को कम आंकना भूल होगी क्योंकि ये वापसी करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि टीम ने अब तक इस दौरे में बेखौफ होकर खेला है। उसे जो हार मिली है वह भी करीबी अंतर से मिली है। परंपजे ने ये भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बचे हुए दो टेस्ट मैचों में खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज के पहले कहा था कि वह पूरे मैच नहीं खेल पायेंगे। ऐसे में उन्हें एक मैच खेलना है और वो कौन सा होता है ये देखना होगा।
भारतीय टीम ने पहले मैच में मिली हार के बाद दूसरे मैच में जीत के साथ ही 5 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबरी पर ला दिया था लॉर्ड्स में हालांकि टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब सीरीज में बराबरी के लिए भारतीय टीम को किसी भी हाल में चौथा टेस्ट जीतना होगा। परांजपे का मानना है कि इस युवा टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता क्योंकि टीम पहले ही विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से आगे बढ़ चुकी है और ये युवा टीम मैनचेस्टर में वापसी करने की क्षमता रखती है।
परांजपे ने कहा "इस टीम को खारिज करना सही नहीं होगा। अगला टेस्ट रोमांचक होने वाला है।" चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता को लेकर संशय की स्थिति को देखते हुए उन्होंने कहा कि वह अगले दो टेस्ट खेल खेलेंगे ऐसा मुझे लगता है।" वहीं भारतीय बोर्ड इस सीरीज से पहले ही कह दिया था कि बुमराह दौरे में केवल तीन मैच ही खेलेंगे।

शुभमन को विफल करनी होगी स्टोक्स की रणनीति, तीसरे टेस्ट में बनाया था निशाना : जाफर

मैनचेस्टर (ईएमएस)। भारतीय किकेट टीम को अब तक इंग्लैंड दौरे में उतनी सफलता नहीं मिली है जिसकी उसे उम्मीद थी। भारतीय टीम ने तोनो ही टेस्ट मैचों में मेजबानों से बेहतर खेला पर हालात का लाभ वह नहीं उठा पायी जिससे इंग्लैंड को सीरीज में 1-2 से बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफ़र ने कहा है कि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लॉर्ड्स में भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर अंकुश लगाने की जो रणनीति अपनायी थी। वह सफल रही और शुभमन दोनो ही पारियों में अधिक रन नहीं बना पाये। ऐसे में अब मैनचेस्ट में भी इंग्लैंड का लक्ष्य शुभमन को शुरुआत में आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा।
जाफ़र ने कहा कि एजबेस्टन में शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने 430 रन बनाए और मेजबान टीम समझ गयी थी कि अगर भारतीय टीम को कम रनों पर रोकना है तो शुभमन को जल्द आउट करना होगा। इंग्लैंड की ये रणनीति तीसरे टेस्ट में सफल रही।
जाफ़र ने कहा कि शुभमन को अंदर आती गेंदों पर परेशानी होती है जिसका लाभ विरोधी टीम ने उठाया जिससे शुभमन दोनों पारियों में 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। जाफ़र ने ये भी कहा कि अब तक भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन शुभमन ने बनाये हैं और उम्मीद है कि कि वह मैनचेस्टर में मेजबान टीम की रणनीति को फेल करने के इरादे से उतरेंगे। साथ ही कहा कि शुभमन अभी दो और शतक लगा सकते हैं बस वो थोड़ा संयम से खेलें और पहले 20-25 रन बना लें। इसी कारा

गिल ने अभ्यास सत्र में बल्लेबाज़ी कोच सितांशु कोटक के साथ काफ़ी देर तक काम भी किया। उन्होंने इन स्विंग का सामना करने के लिए कई थ्रो डाउन भी लिया।
जाफ़र ने आगे कहा कि टीम युवा है और इस टीम को सलाह की जरुर । नियंत्रित आक्रामकता के साथ खेलने पर टीम इंडिया अभी भी सीरीज़ जीत सकती है। साथ ही कहा कि इस सीरीज में अब तक भाग्य भी भारतीय टीम से रुठा नजर आया। अगर ऐसा नहीं होता तो भारतीय टीम अब तक इस सीरीज में तीनो ही मैच जीती होती। . लीड्स में 372 रन बनवा दिए और लॉर्ड्स में टीम 192 नहीं बना पाई। पहले टेसट में पांच शतक के बाद भी टीम को हार का सामना करना पड़ा

सिराज को भी आराम देने पर सोचे बीसीसीआई : चोपड़ा

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन पर तो काफी बातें कहीं हैं जो ठीक भी हैं पर दूसरे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लेकर कुछ नहीं कहा है। चोपड़ा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले सिराज के कार्यभार प्रबंधन की कोई भी बात नहीं सुनी गयी जो ठीक नहीं है। आकाश के अनुसार सिराज भी काफी ओवर फेंकते हैं और फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्हें भी आराम दिया जाना जरुरी है। बीसीसीआई ने टेस्ट सीरीज से पहले ही साफ कर दिया था कि बुमराह तीन ही मैच खेलेंगे। चोपड़ा ने सिराज के समर्थन में कहा कि वह टेस्ट मैचों में लंबे स्पेल करते हैं, लेकिन उन्हें आराम देने के बारे में अब तक कुछ नहीं कहा गया है।
उन्होंने कहा, वह बहुत कड़ी मेहनत करते हैं। वह बहुत सारे ओवर फेंकते हैं। इसके बाद भी कोई उनके बारे में बात नहीं कर रहा है हालांकि, वह अपना 100 प्रतिशत देते हैं। जब भी वह गेंदबाजी करने आते हैं तो पूरे दिल से और तेजी से दौड़कर गेंदबाजी करते हैं। कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह दूसरे टेस्ट मैच में मैदान पर नहीं उतरे थे, तो सिराज ने पूरी जिम्मेदारी उठाई थी। तब युवा आकाश दीप सिंह के साथ गेंदबाजी की अगुवाई करते हुए सिराज ने दूसरे टेस्ट मैच में कुल 7 विकेट अपने नाम किए थे। उनके इस दमदार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया ने इस मैच में जीत हासिल की थी। इस पूरी सीरीज की बात की जाए तो सिराज ने अब तक खेले तीन टेस्ट मैचों में कुल 13 विकेट लिए हैं। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन दूसरे टेस्ट मैच में रहा था।

सिंगापुर में महिलाओं की विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में भाग लेती हुई यिवेटी एन।

टर्नर के नाम है ये अनौखा रिकार्ड

बर्मिंघम (ईएमएस)। क्रिकेट में आम तौर पर नये रिकार्ड बनते रहते हैं। ऐसे ही साल 1975 में इंग्लैंड में हुए एकदिवसीय विश्व कप में बना एक ऐसा रिकार्ड है। जो ऐजबेस्टन मैदान पर बना था और आज 50 साल बाद भी बरकरार है। ये रिकार्ड न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज ग्लेन टर्नर ने बनाया था। विश्व कप में टर्नर ने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा गेंद खेलने का रिकॉर्ड बनाया। ईस्ट अफ्रीका के साथ हुए इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। तब सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे टर्नर पूरे 60 ओवर बल्लेबाजी करते रहे। इस दौरान उन्होंने 201 गेंदों पर 171 रन बनाये। टर्नर ने अपनी इस पारी में 16 चौके और दो छक्के लगाए। तब एकदिवसीय में 60 ओवर होते थे। ये तब के समय की एक बेहतरीन पारी थी।

ड्यूक्स गेंद की जांच करायेगी निर्माता कंपनी

लंदन (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल हो रही 'ड्यूक्स' गेंद को लेकर कई शिकायतें आने के बाद कंपनी ने कहा कि वह गेंद के जल्दी खराब होने के मामले की जांच करेगी। ड्यूक्स गेंद की गुणवत्ता पर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने सवाल उठाये थे। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान शुभमन ने अंपायरों की दी हुई गेंद को लेकर नाराजगी जतायी थी नई गेंद को मैच के दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में बदलना पड़ा था। जहां जसप्रीत बुमराह ने शुरुआत में मिली गेंद से कम ओवरों में तीन विकेट लिए थे पर बदलाव के बाद वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। बुमराह ने भी कहा था कि गेंद अधिक नरम होने के कारण गेंदबाजी में परेशानी हुई। ब्रॉड ने कहा था कि ड्यूक्स बॉल अब वैसी नहीं रही जैसी पहले हुआ करती थी। मैच के दौरान कई बार ऐसा हुआ जब गेंद का आकार बदल गया। कुछ खिलाड़ियों ने यह भी कहा कि गेंद बहुत जल्दी नरम हो रही है। इस वजह से गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट हासिल करने में परेशानी ल हो रही है। ईसीबी अब इन सभी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए ड्यूक्स बॉल बनाने वाली कंपनी के साथ मिलकर काम करेगा। वे यह पक्का करना चाहते हैं कि आगे से टेस्ट मैचों में अच्छी गुणवत्ता की गेंद का प्रयोग हो। वहीं इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अब इस्तेमाल की गई ज्यादा से ज्यादा गेंदों को इस सप्ताह के अंत तक ड्यूक्स गेंद बनाने वाली कंपनी को लौटा देगा जिससे वह इनकी जांच करेगी। ड्यूक्स बनाने वाली कंपनी 'ब्रिटिश क्रिकेट बॉल्स लिमिटेड' के प्रमोटर ने कहा, ''हम इन इस्तेमाल हुई गेंदों का निरीक्षण करेंगे और फिर इसके निर्माण से जुड़े लोगों से बातचीत करेंगे। हम इस मामले में जो भी जरूरी होगा वह कदम उठायेंगे। इसकी समीक्षा में अगर हमें लगेगा कि कुछ बदलाव करने की जरूरत है, तो हम वह भी करेंगे। '' गौरतब है कि पांच मैचों की इस सीरीज के दौरान मैदानी अंपायरों को नियमित रूप से गेंदों को बदलना पड़ा क्योंकि वे जल्दी नरम हो जा रही थीं। गेंद लगभग 30 ओवर के प्रयोग के बाद ही खराब हो जा रही थी। इस पूरी प्रक्रिया के कारण मैचों में देरी भी हुई। गौरतलब है कि टेस्ट सीरीज के लिए इस्तेमाल होने वाली गेंद का फैसला मेजबान बोर्ड करता है। इंग्लैंड में ड्यूक्स गेंद का उपयोग किया जाता है जबकि भारत में टेस्ट मैच एसजी गेंद से खेले जाते हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया में कूकाबूरा की गेंद रहती है। ड्यूक्स गेंद का उत्पादन 1760 से हो रहा है पर हाल में काउंटी क्रिकेट में भी उसकी शिकायतें आई हैं।

बीसीसीआई बांग्लादेश में एसीसी बैठक का बहिष्कार करेगा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी माह 24 जुलाई को बांग्लादेश के ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। इससे सितंबर में होने वाले एशिया कप के आयोजन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं क्योंकि बीसीसीआई सहित एसीसी के कई अन्य सदस्य देश भी खराब राजनीतिक हालातों के कारण इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे। बीसीसीआई ने एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को आधिकारिक तौर पर ये जानकारी दे है कि अगर यह बैठक ढाका में होती है, तो वह इसमें शामिल नहीं होगा। इसका कारण दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों को बताया गया है। वहीं एसीसी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ढाका में बैठक आयोजित करने पर अड़े हुए हैं। बीसीसीआई के अलावा, श्रीलंका, ओमान और अफगानिस्तान के क्रिकेट बोर्ड ने भी बांग्लादेश जाने से इंकार कर दिया है।
एसे में माना जा रहा है कि एशिया कप तभी हो सकता है जब बैठक का स्थान ढाका से बदला जाए जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा। एसीसी के अध्यक्ष नकवी ने बैठक में भाग लेने के लिए बीसीसीआई पर दबाव बनाने का भी प्रयास किय पर उसमें वह सफल नहीं रहे। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि अगर नकवी ढाका में बैठक करते हैं, तो बीसीसीआई किसी भी प्रस्ताव का बहिष्कार करेगा। एसीसी के नियमों के अनुसार, ढाका में होने वाली बैठक में प्रमुख सदस्य बोर्डों की भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी फैसले का काई मतलब नहीं रह जाएगा क्योंकि ये लागू नहीं किया जा सकता।

मुरलीधरन से बेहतर गेंदबाज थे वार्न : लारा

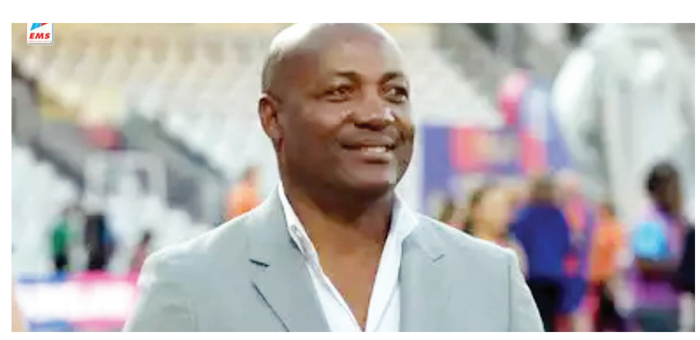

जमैका (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत शेन वार्न और श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन सबसे अधिक विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। इन दोनो की गेंदबाजी का सामना करना बड़े से बड़े बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है। वार्न ने जहां टेस्ट में 708 विकेट जबकि मुरली ने 800 विकेट लिए है। ऐसे में कई बार सवाल उठता है कि इन दोनो में से कौन अधिक बेहतर है। वहीं को लेकर अब वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने कहा है कि ये दोनों ही बेहतरी गेंदबाज रहे हैं पर वह वार्न को सबसे अच्छा मानते हैं। लारा पूर्व क्रिकेटर फिल टफनेल, एलेस्टेयर कुक, माइकल वान और डेविड लॉयड से एक कार्यक्रम में बात कर रहे थे।
लारा ने कहा, वार्न सबसे बेहतर हैं। साथ ही कहा कि मैं मुरली के खिलाफ बल्लेबाज में मैं घबरा जाता। संशय में आ जाता हूं।तीन मैच की सीरीज में 688 रन बनाए थे और पहले ही हाफ में मुरली की एक गेंदबाजी पर परेशान हो गयार था पर मुरली ने ज्यादा मुझे वार्न की गेंदों पर परेशानी रही।
वार्न के बारे में लारा ने कहा कि वह उनकी गेंदों को अच्छे से खेलते थे पर उनकी गेंदें काफी अच्छी होती थी और उनके स्पेल फेंकने की क्षमता काफी अच्छी थी। अगर दोनों महान गेंदबाजों के आंकड़ों पर नजर डालें तो मुरलीधरन ने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 495 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1347 विकेट लिए हैं। इसमें 77 तो 5 विकेट हॉल हैं। उन्होंने 22 बार मैच में 10-10 विकेट लिए। वहीं वार्न ने टेस्ट और एकदिवसीय में 339 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1001 विकेट लिए।

ऋषभ पूरी तरह से फिट होने पर ही चौथे टेस्ट में उतरें : शास्त्री

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर विकेटकीपर बल्लेबाज और उपकप्तान ऋषभ पंत पूरी तरह से फिट होते हैं तो ही मैनचेस्टर टेस्ट में उतरें। शास्त्री के अनुसार अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं होते हैं और विकेटीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें बल्लेबाज के तौर पर भी नहीं खेलना चाहिये। ऋषभ तीसरे टेस्ट में चोटिल हो गये थे और ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने को लेकर आशंकाएं लगायी जा रही हैं। शास्त्री के अनुसार उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं खेलना चाहिए, जब तक कि वह विकेटकीपर के मौर पर न खेल पायें। तीसरे टेस्ट में ऋषभ को विकेटकीपिंग के दौरान बांए हाथ की उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। इसी कारण वह मैच में बचे हुए समय में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर

ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी। इसी को लेकर शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर भी मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि तब उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो गेंद लगने से उनकी चोट और खराब हो जाएगी। विकेटकीपिंग के दौरान दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है तो इससे उनकी चोट और बिगड़

जाएगी।शास्त्री ने कहा कि जब आप अगले टेस्ट के लिए टीम चुनेंगे, तो उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होंगी। वह दोनों में से एक नहीं कर सकते। बेहतर होगा कि वह पूरी तरह से फिट हों। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा था कि पंत खेलने के लिए फिट होंगे। वहीं टीम के अभ्यास सत्र के दौरान, सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था कि टीम इस विकेटकीपर बल्लेबाज को पूरी तरह से फिट होने और ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देगी।

क्लार्क बोले कुलदीप को शामिल करे भारतीय टीम

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि भारतीय टीम को चाइनामैन स्पिन कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। क्लार्क के अनुसार पिछले तीन टेस्ट मैच में कुलदीप बैंच पर ही बैठे रह गये हैं। उन्हें अब जगह नहीं मिलेगी तो कब मिलेगी। क्लार्क ने कहा कि मैं अभी भी कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में चाहूंगा हालांकि स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी की है। साथ ही कहा कि कलाई के स्पिनर कुलदीप को अभी तक इस सीरीज में अवसर नहीं मिलना अजीब सी बात है जबकि वह टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं। भारतीय टीम ने इस सीरीज में बल्लेबाजी को मजबूत करने स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को रखा है। क्लार्क का मानना है कि अब कुलदीप को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना इसलिए भी कठिन हो रहा है क्योंकि सुंदर ने 40 रन बनाने के साथ ही चार विकेट भी पिछले मैच में लिए थे।
पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए रविंद्र जडेजा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तीसरे टेस्ट में जडेज ने काफी प्रयास किया था पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। भारतीय टीम ने लॉर्ड्स में हार से उबरकर मैनचेस्टर टेस्ट के लिए अभ्यास शुरू कर दिया है। इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। क्लार्क का मानना है कि तीसरे टेस्ट में अगर भारतीय टीम ने अंतिम पलों में अपना संयम बनाये रखा होता तो उसे जीत मिल जाती क्योंकि मैच भारतीय टीम के पास आ गया था।

डब्ल्यूडब्ल्यूई अनरियल से सामने आयेगी सच्चाई

मुम्बई (ईएमएस)। डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलिंग के शौकीनों को आने वाले दिनों में इसका एक नया शो दिखने को मिलेगा। डब्ल्यूडब्ल्यूई अनरियल नाम के इस शो से डब्ल्यूडब्ल्यूई के प्रशंसकों को इसके पीछे की बातें भी देखने को मिलेंगी। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे लेखक और पहलवान मिलकर कहानियां बनाते हैं। शो में शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक के बीच एक बातचीत भी दिखाई जाएगी। इसमें वे रिंग में पेशाब और पॉटी करने के बारे में बात कर रहे हैं। यह शो अंदर की कुछ सच्चाईयों को उजागर करेगा। इस शो से पता चलेगा कि लेखक के कमरे का क्या माहौल होता है। यह पहली बार है जब प्रशंसक इस शो के अंदर की बातें जान सकेंगे। शो में पहलवान और लेखकर किस प्रकार कहानियां बनाते हैं है इसमें कई ऐसी बातों भी होंगी जो प्रशंसकों को अच्छी न लगें। शार्लेट फ्लेयर और सीएम पंक की बातचीत से पता चलता है कि शो में कुछ कड़वी बातें भी दिखाई जाएंगी। इस सब बातों का मकसद ये पता करना है कि वास्तव में होता क्या है। रेसलिंग एक बहुत ही कठिन खेल है। इसमें कई बार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। अब यह देखना भी दिलचस्प होगा कि इसके पीछे की कितनी बातें सामने आती हैं। इसमें कुछ बातों पर विवाद भी हो सकता है। अब देखते हैं क्या होता है।

ऋतुराज ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार तोड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने इंग्लैंड के काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया अपना करार तोड़ दिया है। ऋतुराज ने इस क्लब के साथ कांउटी क्रिकेट के 5 मैचों के लिए करार किया था और वह 22 जुलाई से खेलने भी वाले थे पर इसके ठीक पहले उन्होंने निजी कारणों से इंग्लैंड जाने से इंकार कर दिया। इस प्रकार अचानक ही अपना नाम वापस लेकर ऋतुराज ने यॉर्कशायर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। टीम को अब उनके जैसा बल्लेबाज तलाशने के लिए काफी प्रयास करना होगा। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह निजी कारणों ने नाम वापस ले रहे हैं। यॉर्कशायर ने गायकवाड़ के नाम वापस लेने की पुष्टि की है। गायकवाड़ ने हाल में इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए के लिए कुछ मैच खेले थे जिसके बाद उनके काउंटी खेलने की संभावनएं काफी बढ़ गयी थीं। इस बल्लेबाज को आईपीएल 2025 के दौरान चोट लगी थी जिस वजह से वह 5 ही मैच खेल पाए थे। टीम के मुख्य कोच एंथनी मैकग्राथ ने गायकवाड़ के हटने पर निराशा व्यक्त की और कहा कि टीम उनके विकल्प की तलाश करेगी हालांकि उन्हें भरोसा नहीं है कि उनके पास विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त समय है। मैकग्राथ ने कहा, बदकिस्मती से, गायकवाड़ निजी कारणों से अभी नहीं आ रहे हैं। वह बच हुए सत्र के लिए भी टीम में नहीं रख पाएंगे। यह निराशाजनक है। उन्होंने आगे कहा, अब बस दो या तीन दिन ही बचे हैं, इसलिए मुझे नहीं पता कि हमें कोई अन्य खिलाड़ी मिल पाएगा। गायकवाड़ ने 38 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं और 41.77 की औसत से 2632 रन बनाए हैं।

डब्ल्यूसीएल में आज होगा इंडिया चैम्पियंस व पाकिस्तान चैम्पियंस का मुकाबला

लंदन (ईएमएस)। भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 के तहत रविवार को मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें 20 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में टकरायेंगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार रात 9 बजे शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कई रिटायर्ड पूर्व क्रिकेटर खेल रहे हैं। इंडिया चैम्पियंस टीम में युवराज सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन और पठान ब्रदर्स जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान चैम्पियंस टीम में शाहिद अफरीदी और मिस्बाह उल हक जैसे पुराने दिग्गज दिखेंगे। पाक की टीम ने पहले ही मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम अपने पहले ही मुकाबले में पाक के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना चाहेग। दोनो ही देशों के मुकाबल रोमांचक होने के साथ ही तनावपूर्ण भी होते हैं। इस दौरान रोमांच अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाता है। प्रशंसक एक बार फिर अपने पसंदीदा सितारों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते देखना चाहते हैं। इस मैच से प्रशंसकों का पुराने स्टार खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। वहीं इसके जरिये पूर्व क्रिकेटर खेल से जुड़े रहते हैं।
इंडिया चैम्पियंसः युवराज सिंह, शिखर धवन, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, यूसुफ पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, पीयूष चावला, स्टुअर्ट बिन्नी, वरुण आरोन, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, सिद्दार्थ कौल, गुरकीरत मान।
पाकिस्तान चैम्पियंसः मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, सरफराज अहमद, शरजील खान, वहाब रियाज, आसिफ अली, शाहिद अफरीदी, कामरान अकमल, आमेर यामीन, सोहेल खान, सोहेल तनवीर।

स्पिनर फरहान ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के स्पिनर फरहान अहमद ने विटैलिटी ब्लास्ट में हैट्रिक लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। फरहान ने नॉटिंघमशायर की ओर से खेलते हुए लंकाशायर के खिलाफ पांच विकेट लिए। 17 साल के फरहान नॉटिंघमशायर की और से टी20 इतिहास में हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 5 ओवर में 25 रन देकर कुल 5 विकेट लिए। पिछले साल फरहान ने 16 साल की उम्र में टीम की ओर से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसी साथ ही वह क्लब के सबसे युवा एफसी क्रिकेटर बन गये थे। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में 140 रन देकर 7 लिए थे। फरहान ने हैट्रिक और पहली बार सीमित ओवर क्रिकेट में पांच विकेट लिए हैं। पिछले सत्र में ब्रिटेन में एफसी क्रिकेट में एक मैच में उन्होंने 10 विकेट लिए थे. फरहान ऐसा करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर भी बने थे। उन्होंने लंकाशायर को केवल 126 रन पर पेवेलिया भेज दिया। वहीं उनके भाई रेहान अहमद ने गत वर्ष पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की ओर से सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू का रिकार्ड बनाने के साथ ही पहले पांच विकेट भी लिए थे।

जब पाक अभिनेत्री को कीवी क्रिकेटर नीशम ने दिया था उसी अंदाज में जवाब

लाहौर (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर जिमी नीशम सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। इसी कारण कई बार वह मुश्किलों में भी पड़े हैं। एक बार पाकिस्तानी अभिनेत्री सेहर शिनवारी ने उनसे पूछा था कि क्या वह उनके होने वाले बच्चों के पापा बनेंगे। नीशम ने भी इसका करारा जवाब दिया था। शिनवारी ने इस कीवी खिलाड़ी को ट्रोल करने के लिए इस प्रकार का सवाल पूरा था पर नीशम इसस काफी अच्छा जवाब दिया। ये मामला साल 2019 विश्व कप के फाइनल का है। इंग्लैंड की टीम को तब फाइनल में अधिक बाउंड्री के आधार पर विजेता घोषित कर दिया गया था। टीम को हार के बाद सहानभूति मिल रही थी और तभी पाक अभिनेत्री शिनवारी ने नीशम से ये पेशकश कर दी। नीशम ने लिखा, "मुझे लगता है कि एयरपोर्ट से कुछ बार आने जाने के बाद मुझे मिलने वाली सजा का डर कम हो गया है।" वहीं पाक अभिनेत्री शिनवारी ने इस ट्वीट पर अजीब सी प्रतिक्रिया देते हुए नीशम से पूछा कि क्या वह उनके भविष्य के बच्चों के पिता बनना चाहेंगे ? इसपर कीवी खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में कहा कि इसके बाद मुझे लगता है कि अब इमोजी की कोई जरूरत नहीं रही।

टोक्यो में जापान बैडमिंटन ओपन में खेलती हुई खिलाड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत अमेरिका को बनाएंगे क्रिप्टो की राजधानी, कई बड़े समझौते भी होंगे

न्यूयॉर्क,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जल्द ही कुछ बड़े व्यापारिक समझौते हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ये समझौते तकरीबन तैयार हैं और किसी भी समय घोषित किए जा सकते हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि हम इसे आज ही कर सकते हैं... शायद थोड़ी देर बाद। हम करेंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि जब मैं किसी देश को यह पेपर भेजता हूं कि उन्हें 35 या 40 फीसदी टैरिफ देना होगा, तो वहीं से डील शुरू हो जाती है। फिर वे कॉल करते हैं और कहते हैं कि क्या कुछ अलग तरह की डील हो सकती है, जैसे कि अपने देश को व्यापार के लिए खोलना।

ट्रंप ने कहा कि जीईएनआईयूएस एक्ट एक साफ और सरल नियामकीय ढांचा प्रदान करता है, जो डॉलर समर्थित स्टेबलकॉइनों की जबरदस्त संभावनाओं को सामने लाएगा। यह अधिनियम स्टेबलकॉइन के लिए मानक तय करता है, जो अमेरिकी डॉलर या अन्य फिएट मुद्राओं से जुड़े डिजिटल करेंसी होते हैं। इसकी निगरानी फेडरल रिजर्व और मुद्रा नियंत्रक कार्यालय द्वारा की जाएगी। इसके तहत जारीकर्ताओं को जानकारी साझा करना अनिवार्य होगा कि उनके पास आरक्षित निधियों के रूप में अमेरिकी मुद्रा, मांग जमा, सरकारी प्रतिभूतियां और अन्य स्वीकृत परिसंपत्तियां मौजूद हैं। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह अमेरिका को क्रिप्टो की राजधानी बनाना चाहते हैं। उनके मुताबिक स्टेबलकॉइनों का इस्तेमाल अमेरिकी ट्रेजरी में मांग को बढ़ाएगा, ब्याज दरों को कम करेगा और डॉलर को वैश्विक आरक्षित मुद्रा के रूप में मजबूत बनाएगा।

ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत अमेरिका द्वारा लगाए टैरिफ की 90 दिनों की स्थगन अवधि को 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त तक कर दी गई है। इस दौरान कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ वार्ता जारी है। ट्रंप ने साफ कहा कि 1 अगस्त की समय-सीमा के बाद कोई और बदलाव या विस्तार नहीं होगा और उस दिन से टैरिफ लागू होना शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर ट्रंप ने एक ऐतिहासिक स्टेबलकॉइन अधिनियम पर भी हस्ताक्षर किए, जो इस क्षेत्र में अमेरिका का पहला संघीय विनियमन है।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में भारत को सतर्क रहने की जरूरतः रघुराम राजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाशिंगटन में इस सप्ताह भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर पांचवें दौर की बातचीत हुई। भारत ने अमेरिका से अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क, इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत शुल्क तथा वाहनों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने की मांग दोहराई है। वार्ता के बीच पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने भारत को कृषि और डेयरी क्षेत्र को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विकसित देश अपने कृषि उत्पादकों को भारी सब्सिडी देते हैं, जबकि भारत के किसान छोटे और सीमित संसाधनों वाले हैं। ऐसे में यदि आयात पर अधिक रियायतें दी गईं तो इससे देश के किसानों को नुकसान हो सकता है। राजन ने कहा कि भारत को चाहिए कि वह डेयरी जैसे क्षेत्रों में विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर मूल्यवर्धन की दिशा में काम करे, न कि विदेशी दुग्ध उत्पादों के आयात के लिए बाज़ार खोले। उन्होंने यह भी जोड़ा कि व्यापार समझौते करते समय भारत को संतुलित और रणनीतिक रुख अपनाना चाहिए। वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, हालांकि आगे इसमें थोड़ी गिरावट संभव है। साथ ही यदि अमेरिका चीन और अन्य देशों पर उच्च शुल्क बनाए रखता है, तो इससे भारत के लिए नए व्यापार और विनिर्माण अवसर खुल सकते हैं। भारत अब तक किसी भी व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी पर शुल्क रियायत नहीं देता रहा है, और इस रुख को फिलहाल बरकरार रखा गया है।

ईयू के नए तेल प्रतिबंध से रिलायंस और नायरा पर पड़ेगा असर

- ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल की

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस पर अपने 18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत कड़े कदम उठाए हैं, जिनका सीधा असर भारत की दो प्रमुख तेल कंपनियों—रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी पर पड़ सकता है। ईयू ने रूसी कच्चे तेल की कीमत सीमा को घटाकर 47.6 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो 3 सितंबर 2025 से लागू होगी। इसके अलावा रूसी संबंधों वाली कंपनियों और तेल परिवहन सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नायरा एनर्जी, जिसमें रूसी कंपनी रोजनेट की 49 फीसदी हिस्सेदारी है, अब यूरोप को ईंधन निर्यात नहीं कर सकेगी। साथ ही उसे यूरोपीय बैंकिंग और तकनीकी सेवाओं से भी वंचित किया जा सकता है।

वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज जो रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर यूरोप में डीजल निर्यात करती है, उसे अब या तो रूस से तेल खरीदना बंद करना होगा या यूरोपीय बाजार से हाथ धोना पड़ेगा। भारत सरकार ने ईयू के इस कदम का विरोध करते हुए कहा कि वह ऐसे किसी एकतरफा प्रतिबंध को मान्यता नहीं देती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि है और वैश्विक नियमों में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि इन प्रतिबंधों को लागू करना ईयू के लिए भी आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकतर तेल व्यापार अमेरिकी डॉलर में होता है और भारतीय कंपनियां अक्सर बिचौलियों के जरिए लेनदेन करती हैं। ऐसे में यह प्रतिबंध भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती जरूर हैं, लेकिन पूर्ण रूप से प्रभावी होंगे, यह कहना जल्दबाज़ी होगा।

दुर्लभ मैग्नेट की पाबंदियों में भारत को ढील दे सकता है चीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन सरकार के अधिकारियों ने भारत को सूचना दी है कि दुर्लभ खनिज कच्चे माल की आपूर्ति चाहने वाले भारतीय आयातकों से हासिल हुए आवेदनों को निपटाया जा रहा है। चीन ने हाल में दुर्लभ खनिज मैग्नेट (आरईएम) के निर्यात पर लाइसेंसिंग मानदंडों को लागू किया है। दुर्लभ मैग्नेट 4 अप्रैल से चीन द्वारा लगाए गए निर्यात प्रतिबंध के दायरे में है। यह वाहन एवं वाहन कलपुर्जा उद्योग के अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा और यहां तक कि रक्षा जैसे उद्योगों के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। अमेरिका द्वारा चीन के उत्पादों पर बढ़ाए गए शुल्क के जवाब में यह प्रतिबंध लगाया गया था। पिछले महीने भारतीय वाहन उद्योग ने दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति के बारे में चिंता जताई थी। उद्योग ने चीन द्वारा लगाई गई निर्यात पाबंदियों पर सरकार के समक्ष अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने कहा था कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय से इन दुर्लभ खनिज कच्चे माल के आयात की मंजूरी मिलने में देरी के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों सहित भारतीय वाहन विनिर्माताओं

का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, आवेदनों को निपटाने में देरी हुई है क्योंकि चीन के पास निर्यात मंजूरी के लिए आवेदनों की अचानक बाढ़ सी आ गई है। एक अधिकारी ने कहा कि चीन ने लाइसेंस हासिल करने की प्रक्रिया को काफी लंबा और जटिल बना दिया है। आवेदनों की अचानक आई बाढ़ को संभालने के लिए फिलहाल वे पूरी तरह समर्थ नहीं हैं। मगर हमें सूचित किया गया है कि उन्होंने आवेदनों को निपटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसलिए हमारा मानना है कि अब यह मामला कुछ समय में ही हल हो जाएगा।

भारत और यूरोपीय संघ एफटीए के लिए वार्ता पर आगे बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर हाल ही में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। ब्रसेल्स में 7 से 11 जुलाई के बीच आयोजित 12वें दौर की वार्ता में दोनों पक्षों ने डिजिटल ट्रेड अध्याय और धोखाधड़ी रोधी प्रावधानों पर सैद्धांतिक सहमति जताई है। हालांकि कुछ तकनीकी विषयों पर चर्चा अभी शेष है। यूरोपीय आयोग के अनुसार डिजिटल व्यापार का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से व्यापार को सुगम बनाना और उपभोक्ताओं तथा व्यवसायों के लिए सुरक्षित व भरोसेमंद ऑनलाइन वातावरण बनाना है। इस अध्याय में सीमा पार डेटा प्रवाह, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, ई-इनवॉइसिंग, ई-अनुबंध, डिजिटल पहचान, और कागज रहित व्यापार जैसे विषय शामिल हैं। भारत की ओर से इन मुद्दों पर संवेदनशीलता दिखाई गई है, खासकर डेटा संरक्षण और गोपनीयता को लेकर।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की नई चुनौती- टेस्ला बनाम बीवायडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की होड़ तेज होती जा रही है और अब इस प्रतिस्पर्धा का अगला बड़ा मैदान भारत बनने जा रहा है। अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी एंट्री कर दी है, वहीं चीन की प्रमुख ईवी निर्माता कंपनी बीवायडी भी भारतीय बाजार में कदम रख चुकी है। दोनों कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलने वाली है। बीवायडी ने पिछले महीने भारत में 500 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं। हालांकि यह संख्या कंपनी की वैश्विक बिक्री के मुकाबले बहुत कम है, लेकिन बीवायडी की तकनीक दुनियाभर में तेजी से उन्नत हो रही है। चीन में बीवायडी के नवीनतम मॉडल सिर्फ पांच मिनट के चार्ज में 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज प्रदान करते हैं, जो भारतीय ईवी मॉडल्स की तुलना में लगभग 50 गुना तेज है। बीवायडी की स्थापना 1995 में हुई थी। कंपनी ने 2009 में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन लॉन्च किया था। कंपनी में 2008 में वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने 23 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो अब कई गुना बढ़ चुका है। भारत में बीवायडी ने 2022 में अटटो 3 एसयूवी लॉन्च की है, जिसे चेन्नई में असेंबल किया जाता है, लेकिन अभी इसकी बाजार हिस्सेदारी केवल 4 फीसदी से कम है। वहीं टेस्ला, अगस्त 2025 से भारत में अपनी आधिकारिक शुरुआत कर रही है और हर महीने 5 लाख कारें बनाने की योजना बना रही है।

पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्सः सेबी अध्यक्ष

मुंबई,(ईएमएस)। सेबी अध्यक्ष तुहिनकांत पांडे ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पार्टिसिपेंट्स को मूल्य अनिश्चितता का प्रबंधन कर, राजस्व जोखिमों को कम कर और बिजली क्षेत्र में निवेश आकर्षित कर ज्यादा प्रभावी ढंग से योजना बनाने में मदद करेंगे। एनएसई ने कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के तहत मंथली इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट और नए स्पॉट मार्केट डैशबोर्ड के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया। इस प्रोडक्ट का उद्देश्य भारत के बढ़ते बिजली क्षेत्र में पार्टिसिपेंट्स के लिए अत्यंत जरुरी हेजिंग और प्राइस विजिबिलिटी लाना है।

पांडे ने कहा कि ये भारत के पावर मार्केट सुधारों के अगले चरण का प्रतीक है। एक विश्वसनीय, सस्टेनेबल और निवेशक-अनुकूल बिजली क्षेत्र के लिए गहन और लिक्विड इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स मार्केट जरुरी होगा। एनएसई के एमडी और सीईओ ने कहा कि यह लॉन्च भारत के बिजली बाजार में एक अहम मोड़ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाता है और साथ ही हमारे घरेलू बिजली क्षेत्र की विशिष्ट जरुरतों को भी पूरा करता है। सेबी, सीईआरसी और कई बाजार सहभागियों की मदद से यह प्रोडक्ट भारत के ऊर्जा उपभोक्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लिए एक जोखिम प्रबंधन उपकरण के रूप में काम करेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एनएसई में इसके शुभारंभ के शुरुआती सप्ताह में ही इस उत्पाद में अच्छी भागीदारी नजर आई। 17 जुलाई तक तीन कॉन्ट्रैक्ट महीनों अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में 14 जुलाई से कुल मिलाकर 20,822 लॉट का कारोबार हुआ, जिसमें कुल कारोबार मूल्य 450 करोड़ रुपए को पार कर गया।

अगस्त महीने के कॉन्ट्रैक्ट के लिए 17 जुलाई तक, 20,421 लॉट का कारोबार हुआ, जिनकी कीमतें 4,356 रुपए एमडब्ल्यूएच से लेकर 4,364 रुपए एमडब्ल्यूएच तक थीं। इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट नकद-निपटान वाले होते हैं, 50 एमडब्ल्यूएच के लॉट आकार में उपलब्ध होते हैं और वर्तमान और तीन फ्यूचर मंथ के लिए लिस्ट होते हैं। यह सेटलमेंट तीनों पावर एक्सचेंजों में डे-अहेड मार्केट के वॉल्यूम-भारित औसत मूल्य पर आधारित है। एनएसई के मुताबिक इस प्रोडक्ट को वर्तमान में 31 दिसंबर, 2025 तक लेनदेन शुल्क से मुक्त रखा गया है, ताकि शीघ्र भागीदारी को प्रोत्साहन मिल सके। सीईआरसी के अध्यक्ष ने कहा कि इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव्स पर एक दशक से ज्यादा समय से चर्चा चल रही है और यह प्रोडक्ट डिस्कॉम, औद्योगिक उपयोगकर्ताओं और रिन्यूएबल जनरेटर्स की आवश्यकताओं के अनुरूप फाइनेंशियल इनोवेशन लाता है।

दैनिक पंचांग

20 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

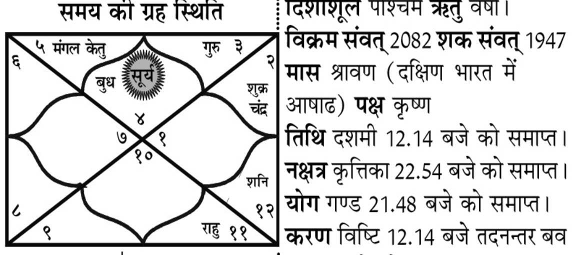

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	**कर्क**	05.10 बजे से
चंद्र	वृष में	**सिंह**	07.30 बजे से
मंगल	सिंह में	**कन्या**	09.42 बजे से
बुध	कर्क में	**तुला**	11.53 बजे से
गुरु	मिथुन में	**वृश्चिक**	14.07 ब.से
शुक्र	वृष में	**धनु**	16.23 बजे से
शनि	मीन में	**मकर**	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	**कुंभ**	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	**मीन**	21.48 बजे से
राहुकाल		**मेष**	23.18 बजे से
4.30 से 6.00		**वृष**	00.58 बजे से
बजे तक		**मिथुन**	02.57 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 201 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 12.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 22.54 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 21.48 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.14 बजे तदनन्तर बव 22.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20^{0} 39'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872411
जूलियन दिन 2460876.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 24
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	**शुभ**	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	**अमृत**	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	**चर**	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	**रोग**	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	**काल**	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	**लाभ**	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	**उद्वेग**	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	**शुभ**	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7352

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ
1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे
1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली - 7351 का हल

■	त	ल	वा	र	■	वि	■	■
■	क	■	द्य	■	अ	रा	ज	क
क	रा	र	■	क	प	ट	■	हा
■	र	ज	त	■	ना	■	आं	सु
अ	■	क	मी	ना	प	न	■	नी
चा	बी	■	ज	■	न	ज	ला	■
न	■	स	वा	ल	■	र	ज	त
क	र	ब	ला	■	आ	■	वा	■
■	■	ल	■	अ	स	बा	ब	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6893

■	10	7	23	15	21	■	27	33	■
30	5		9		5	■	8		15
25		3		2		■		4	7
■	■	■	2		7		3		34
14		5		■		5		8	22
22	9		3		■		6		18
25		6		5		5	■	■	■
9	6		■		7		8		32
14	8		■	1		7		2	18
■	28	22	■	18	14	39	11	7	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6892 का हल

■	15	15	38	36	■	■	27	16	■
20	6	3	4	7	■	8	8	5	21
22	4	9	2	7	■	5	8	7	20
■	5	3	8	2	7	3	4	2	34
■	■	■	6	7	9	3	7	2	34
34	5	7	2	5	7	8	■	■	■
43	9	2	3	8	5	6	7	3	■
15	6	4	5	■	5	5	8	6	24
18	4	6	8	■	7	3	5	6	21
■	24	19	■	■	40	41	20	15	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5837

	6		4		3	
2	28		33	7	35	
		5	6		7	
5	28	3	38	6	34	1
	2		3	5		
	31	2	31		30	6
	1		4		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5836 का हल

3	2	5	6	4	7	1
4	33	4	40	7	31	2
7	2	6	3	5	1	4
1	29	3	37	6	35	5
2	1	7	4	3	5	6
6	30	2	24	1	30	3
5	6	1	4	2	3	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1951 जार्डन के शाह अब्दुल्ला की हत्या यरुशलम में हुई.
1958 संयुक्त अरब गणराज्य ने जार्डन से संबंध तोड़ दिए.
1968 फिलीपींस ने मलेशिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया.
1969 अमरीकी अंतरिक्ष यात्री नील ए.आर्मस्ट्रांग ने चांद पर पहला कदम रखा.
1976 अमरीकी अंतरिक्षयान वाइकिंग-1 ग्यारह महीने की यात्रा के बाद मंगल ग्रह पर पहुंचा.
1987 पुर्तगाल के चुनावों में प्रधानमंत्री एनिबल कवाल्को सिल्वा की पार्टी को भारी बहुमत मिला.
1993 रूस में सरकारी दफ्तरों में राजनीतिक गतिविधियों पर पाबंदी लगाई गई .
1993 वाक्लाव हावेल ने चेकोस्लावाकिया के राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया.
2002 केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष विजय आंनद ने त्यागपत्र दिया.

गणित पहेली - 5197

40		25		50		25	=	40
	■		■		■		■	
30		40		40		10	=	40
	■		■		■		■	
10		5		36		2	=	28
	■		■		■		■	
10		1		1		25	=	36
=	■	=	■	=	■	=	■	=
10		60		46		5	=	64 / 19

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5196

20	+	50	+	90	÷	4	=	40
+	■	+	■	-	■	+	■	-
28	÷	7	+	60	-	33	=	31
-	■	-	■	÷	■	-	■	x
30	-	10	x	2	÷	8	=	5
+	■	-	■	+	■	-	■	-
20	x	2	-	25	+	5	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
38	+	45	-	40	-	24	=	25 / 19

शब्दजाल - 6884

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्वा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद

शब्दजाल - 6883 का हल

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में विकास योजनाओं को गति देने के लिए उद्योग सचिव ने दिल्ली में की बैठक

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा निर्देश पर राज्य में विकास योजनाओं को गति देने के उद्देश्य को लेकर उद्योग सचिव अरवा राजकमल और ज़ियाडा के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन ने शनिवार को दिल्ली में विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की। झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में जापानी अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) इंडिया की अपर मुख्य विकास विशेषज्ञ अदिति पुरी के साथ एक बैठक की। इसमें जेआईसीए ने औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य अवसंरचना और कौशल विकास पर झारखंड के कार्यों की सराहना की और रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं में गहरी रुचि व्यक्त की। उद्योग सचिव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेईटीआरओ) इंडिया के मुख्य महानिदेशक सुजुकी ताकाशी से मुलाकात की। जेईटीआरओ ने झारखंड को जापानी निवेशकों से जोड़ने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। दोनों पक्ष नए निवेश अवसरों को खोलने के लिए आउटरीच कार्यक्रमों पर सहमति बनी है। जबकि एक बैठक नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में एनईसी कॉर्पोरेशन के कॉरपोरेट स्ट्रेटेजी के रयोहेई आइबा के साथ हुई। आईटी सॉल्यूशन, दुर्लभ मृदा खनिज खनन के लिए डिजिटल तकनीकों और एनईसी के सहयोग से एक जापानी भाषा अकादमी की स्थापना में संयुक्त उद्यम के अवसरों की खोज करेगी। एनईसी ने झारखंड की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में उसके साथ साझेदारी करने में गहरी रुचि व्यक्त की।

हिंदी साहित्य गोष्ठी 27 को, मुख्य अतिथि होंगी मंत्री दीपिका सिंह पांडेय

रांची: हिंदी साहित्य भारती (झारखंड प्रदेश इकाई) और केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 27 जुलाई 2025 (रविवार) को रांची स्थित पुराना विधानसभा सभागार, सेक्टर 2 में एक दिवसीय हिंदी साहित्य गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका सिंह पाण्डेय शामिल होंगी। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने पर अपनी सहमति दे दी है। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक अजय राय ने शनिवार को प्रेस रिलीज के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्री के आवास में उनकी मुलाकात के बाद मंत्री ने कार्यक्रम में शामिल होने पर सहमति दी। राय ने कहा कि इस गोष्ठी का विषय होगा भारतीय ज्ञान परंपरा और हम, जो वर्तमान समय में हिंदी भाषा की प्रासंगिकता, सांस्कृतिक चेतना और युवा पीढ़ी को भारतीय मूल्यों से जोड़ने के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। साहित्यिक आयोजन में झारखंड सहित देशभर के साहित्यकार, शिक्षाविद, चिंतक, मीडिया प्रतिनिधि और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में भाग लेंगे। गोष्ठी का उद्देश्य हिंदी भाषा और साहित्य की सामाजिक भूमिका को उजागर करना, भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान उपयोगिता पर विमर्श करना और युवाओं में वैचारिक संवाद की भावना को बढ़ावा देना है।

पाकुड़ पुलिस ने जाली नोट छापने वाले गिरोह के तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नकली नोट भी किए गए बरामद

पाकुड़: जिला पुलिस ने जाली नोट छापने और उसके कारोबार में शामिल एक गिरोह का पर्दाफाश करने में बड़ी सफलता हासिल की है. पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से जाली नोट, नोट छापने की मशीन, अन्य उपकरण, दो मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं. गिरफ्तार अपराधियों में बादशाह खान, दीपक पंडित और चमकलाल पंडित शामिल हैं।

गिरोह का सरगना बादशाह खान: पाकुड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) निधि द्विवेदी ने बताया कि गिरोह का सरगना बादशाह खान है, जो पाकुड़िया थाना क्षेत्र के राजपोखर गांव का निवासी है. अन्य दो आरोपी, दीपक पंडित और चमकलाल पंडित, गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के धमनी गांव के रहने वाले हैं. एसपी ने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर पाकुड़िया थाना क्षेत्र के राजपोखर गांव में छापेमारी की गई, जिसके बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

यूट्यूब से सीखा जाली नोट छापना: पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यूट्यूब से जाली नोट छापने की तकनीक सीखी थी. इसके बाद उन्होंने इस धंधे को शुरू किया और हाट-बाजारों में 100 और 500 रुपये के जाली नोट खपाने का काम शुरू किया. एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि गिरोह के पास से जाली नोट छापने वाला प्रिंटर, अन्य उपकरण, दो मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

पाकुड़िया थाना पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर राजपोखर गांव में छापेमारी की गई. इस दौरान पुलिस ने जाली नोट छापने की मशीन और 100 व 500 रुपये के जाली नोट बरामद किए. इसके अलावा, गिरोह के संचालन में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण भी जब्त किए गए. पुलिस ने इस कार्रवाई को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया, जिससे गिरोह का भंडाफोड़ संभव हो सका।

एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस गिरोह का नेटवर्क कितना बड़ा है और किन-किन क्षेत्रों में जाली नोट खपाए गए. पत्रकार सम्मेलन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार, दयानंद आजाद, मुख्यालय डीएसपी जितेंद्र कुमार, पाकुड़िया थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, पुलिस अवर निरीक्षक सन्नी सुप्रभात और पप्पू कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

लातेहार में अपराधियों ने मचाया उत्पात, दो गाड़ियों में लगाई आग

लातेहार: जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत चमातू कोलियरी परिसर में बीती रात अपराधियों ने जमकर उत्पात मचाया है. अपराधियों ने दो गाड़ियों में आग लगा दी. घटना के बाद जिला एसपी के निर्देश पर पूरे इलाके को सील कर दिया गया है. वहीं, पुलिस टीम द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है. दरअसल, बीती रात लगभग 6 की संख्या में अपराधी कोलियरी परिसर में पहुंचे और वहां खड़े एक हाइवा और एक अन्य वाहन में आग लगा दी. इस घटना में दोनों गाड़ियां पूरी तरह जल गई. मौके पर अपराधियों ने वहां उपस्थित लोगों को धमकी भी दी. घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए. इसके बाद तुरंत लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी. सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी शुरू कर दी.

बता दें कि अपराधियों के द्वारा पिछले 15 दिनों के अंतराल में तीन अलग-अलग स्थान पर गाड़ियों को फूंकने की घटना को अंजाम दिया गया है. हालांकि पुलिस के द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान तेज कर दी गई है. लातेहार पुलिस के द्वारा क्षेत्र में काम कर रहे संवेदक और कारोबारी को भी आश्वासन दिया गया है कि उन्हें पूरी सुरक्षा दी जाएगी.

किसी भी हाल में अपराधी को नहीं छोड़ा जाएगा: एसपी

घटना की पुष्टि करते हुए लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है. हिंसक घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस के द्वारा छापेमारी भी की जा रही है. उन्होंने कहा कि किसी भी अपराधी को छोड़ा नहीं जाएगा.

रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर वेस्ट ने मनाया स्थापना दिवस

जमशेदपुर: रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर वेस्ट ने इंटरैक्ट और रोटरैक्ट क्लब्स के नए पदाधिकारियों के लिए एक भव्य संयुक्त स्थापना समारोह आयोजित किया। इंटरैक्ट क्लब 12 से 18 वर्ष के स्कूल छात्रों के लिए होता है, जहाँ सेवा, नेतृत्व और मित्रता को बढ़ावा दिया जाता है। रोटरैक्ट क्लब 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं के लिए होता है, जिसमें वे सामाजिक सेवा और नेतृत्व के माध्यम से खुद को निखारते हैं। रोटरी क्लब की तरह, इन क्लबों में भी हर साल जुलाई में नई टीम का कार्यभार संभालना होता है। RCJW ने बेल्डीह चर्च स्कूल, नरभेराम हंसराज स्कूल, मोतीलाल नेहरू स्कूल, विकास विद्यालय, काशीडीह स्कूल ,डी बी एम एस कैरियर अकादमी, केरला समाज माडल स्कूल, बारीडीह होगा स्कूल और करीम सिटी कॉलेज में एक रोटरैक्ट क्लब को प्रायोजित किया है।

कांवरियों को ठहरने में नहीं होगी परेशानी, हेमंत सरकार ने की है शानदार व्यवस्था

देवघर: संजीत मंडल-राजकीय श्रावणी मेला-2025 शुरू होते ही देवघर में कांवरियों का तांता लग गया है. कई बार यहां के होटलों और धर्मशालाओं के भर जाने से श्रद्धालुओं को रहने के लिए इधर-उधर घूमते देखा जाता था. उनके इसी कष्ट को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा देवघर में निःशुल्क टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है, ताकि यहां आए कांवरियों को रहने संबंधी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े. यहां सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं.

कांवरियों के लिए तीन टेंट सिटी: इस वर्ष यहां आने वाले कांवरियों के लिए बाघमारा में एक और कोठिया में दो चिन्हित स्थलों पर टेंट सिटी का निर्माण कराया है. इन टेंट सिटी में थके-हारे कांवरियों को राहत मिल रही है, जिन्हें भीड़ की वजह से होटलों और धर्मशालाओं में जगह नहीं मिल पाती थी. वे यहां आकर निश्चिंत होकर आराम कर रहे हैं. स्वच्छ देवघर, स्वस्थ्य देवघर को ध्यान में रखते हुए टेंट सिटी में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है एवं सभी मूलभूत सुविधाएं शौचालय, बिजली, पानी, पंखा, बेड, मोबाइल चार्जिंग, स्नानगृह, आरओ वाटर, अग्निशमन यंत्र उपलब्ध करायी गयी हैं।

टेंट सिटी में फ्री रहने की है व्यवस्था: टेंट सिटी में रहने पर कांवरियों को किसी प्रकार का शुल्क चुकाने की आवश्यकता नहीं है. ये बिल्कुल निःशुल्क है. इसके अतिरिक्त टेंट सिटी में रहने वाले कांवरियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए यहां सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के साथ-साथ cctv कैमरा के माध्यम से सभी टेंट सिटी में हो रही गतिविधियों की निगरानी भी की जा रही है. टेंट सिटी में हेल्प डेस्क का भी निर्माण कराया गया है, ताकि किसी प्रकार की जानकारी वे आसानी से प्राप्त कर सकें।

टेंट सिटी में विश्राम करने वाले कटिहार (बिहार) के शंकर, निवेश और आनंद बम से जब टीम जनसंपर्क विभाग के सदस्यों ने बात की तो उन्होंने कहा कि सरकार ने यह बहुत अच्छा कदम उठाया है. इसमें उन्हें होटल जैसा ही निःशुल्क सुविधा मिल रही है. उन्होंने साफ-सफाई के साथ एक ही स्थान पर निःशुल्क इतनी अच्छी सुविधाएं देने के लिए सरकार के प्रति धन्यवाद प्रकट किया।

अबुआ साथी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों से संबंधित समीक्षात्मक बैठक हुई

संवाददाता रांची: उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार अबुआ साथी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। नोडल पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, समेकित जनजातीय विकास अभिकरण संजय भगत द्वारा अबुआ पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निष्पादन के संबंध में ऑनलाइन बैठक कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। विभागावार प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को उन्होंने त्वरित निष्पादन करने को कहा।

अंधविश्वास! चतरा में वज्रपात की शिकार महिला को घंटों गोबर में लपेटकर रखा, मौत

चतरा: आजादी के 78 साल बाद भी सुदूरवर्ती क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता के अभाव के कारण लोग अंधविश्वास में जी रहे हैं. ऐसा ही एक मामला चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र से सामने आया है. यहां वज्रपात से घायल एक महिला को उसके परिवार और गांव वालों ने कई घंटों तक इस उम्मीद से गोबर में लपेटे रखा कि वो जिंदा हो जाएगी, लेकिन जब उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी.

क्या है पूरा मामला: दरअसल, हेसातू गांव के बिलेश्वर भुईयां की 56 वर्षीय पत्नी उगनी देवी अपने आठ महीने के पोते के साथ घर के बाहर बैठी थीं. इसी दौरान अचानक वज्रपात हो गया, जिसकी चपेट में महिला और मासूम दोनों आ गए. घटना के बाद लोग किसी तरह बच्चे को बाइक पर बैठाकर निजी अस्पताल ले गए. वहीं, एंबुलेंस के इंतजार में घायल महिला को कई घंटों तक गोबर में लपेटकर रखा गया।

घटना के करीब एक-डेढ़ घंटे बाद एम्बुलेंस पहुंचा. इसके बाद महिला को गोबर से बाहर निकाला गया. तब तक महिला की मौत हो चुकी थी. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं, इस घटना ने गांव में व्याप्त अंधविश्वास के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. घायल मासूम का उपचार अस्पताल में चल रहा है. फिलहाल उसकी स्थिति ठीक है. इस संबंध में थाना प्रभारी उमेश राम ने घटना की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है. अंधविश्वास को लेकर ग्रामीणों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

एग्रिको मैदान में होगा 21 जुलाई को भव्य भजन संध्या

जमशेदपुर: श्री नीलकंठ महादेव संघ द्वारा सावन की दूसरी सोमवारी के पावन अवसर पर 21 जुलाई को एग्रिको के ट्रांसपोर्ट मैदान में भव्य भजन संध्या और विशाल महा भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक रितेश पांडेय और बिहार की लोकप्रिय गायिका सिद्धि पाठक अपनी भक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति के सागर में सराबोर करेंगे। शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए श्री नीलकंठ महादेव संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि यह आयोजन लगातार नौवां वर्ष है और संघ के सभी सदस्य इस आयोजन को लेकर पूर्ण रूप से उत्साहित और संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि इस भजन संध्या के माध्यम से श्रद्धालु शिव भक्ति के अलौकिक अनुभव से जुड़ेंगे।

आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ ईडी ने अदालत से मांगी अभियोजन स्वीकृति

रांची: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ से अदालत से अभियोजन की स्वीकृति मांगी है। इससे ईडी ने झारखंड सरकार से मनी लांड्रिंग की आरोपित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की मांग की थी, जिसे राज्य सरकारने नहीं दी।

अब 120 दिनों बाद भी राज्य सरकार से जवाब नहीं मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिटीशन दायर कर न्यायालय से अभियोजन की स्वीकृति देने का अनुरोध किया है। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आधार पर करीब पांच महीना पहले राज्य सरकार से पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के इसी फैसले के क्रम में पूजा सिंघल के खिलाफ राज्य सरकार से मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन सरकार ने चार महीना गुजर जाने के बावजूद पूजा सिंघल के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नही दी थी। इसके बाद ईडी की ओर से ट्रायल कोर्ट में एक पिटीशन दायर की गयी। इस पिटीशन में कहा गया कि सरकार ने निर्धारित 120 दिनों के भीतर अभियोजन स्वीकृति नही दी है। ईडी की ओर से ट्रायल कोर्ट से यह अनुरोध किया गया है कि सरकार की चुप्पी को अभियोजन स्वीकृति मानी जाए।

अभिषेक झा के डिस्चार्ज पिटीशन पर ईडी का आया जवाब

खूंटी मनरेगा घोटाला मामले में आईएएस पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा की डिस्चार्ज पिटीशन पर पीएमएलए की विशेष कोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई। मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल किया गया। अभिषेक झा की ओर से बहस के लिए समय की मांग की गई। इस मामले में अभिषेक झा ईडी के चार्जशीटेड आरोपित हैं। इन पर आरोप गठन होना है। इससे पूर्व उन्होंने खुद पर लगे आरोप से मुक्त कराने के लिए कोर्ट से गुहार लगायी है। उनकी ओर से 17 जून को कोर्ट में डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की गयी है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।